सुविचार

यदि तुम सूर्य के खो जाने पर आंसू बहाओगे, तो तारों को भी खो बैठोगे।

रवींद्रनाथ टैगोर

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

Published from Ranchi

12

शॉर्ट ड्रेस पहन जान्हवी कपूर ने गिराई हुस्न...

Ranchi ● Saturday, 23 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 246 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	66,009.15
निफ्टी	:	19,674.25

SARAFA

सोना	:	5,640
चांदी	:	79.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

करमा पूजा की सरकारी छुट्टी 25 सितंबर को

RANCHI : झारखंड में करमा पूजा के अवसर पर 25 सितंबर सोमवार को एनआई एक्ट के तहत सार्वजनिक अवकाश रहेगा। कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दिया। पहले यह अवकाश 10 सितंबर रविवार को घोषित था लेकिन डॉक्टर रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण सोच संस्थान मोराबाड़ी रांची से इस बात की सूचना मिली की करमा पूजा 25 सितंबर सोमवार को मनाया जाएगा। ऐसे में 25 सितंबर को झारखंड के सभी सरकारी कार्यालय में अवकाश रहेगा बैंक भी बंद रहेंगे।

चंद्रयान-3 को आज जगाने की होगी कोशिश

BENGALURU : चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर से इसरो अब कल यानी 23 सितंबर को संपर्क की कोशिश करेगा। पहले ये कोशिश 22 सितंबर की शाम को की जानी थी, लेकिन कुछ कारणों से इसे आज के लिए टाल दिया गया। स्पेस एप्लिकेशन सेंटर के डायरेक्टर नीलेश देसाई ने यह जानकारी दी है। 14 दिनों की रात के बाद चांद के साउथ पोल पर एक बार फिर सूरज की रोशनी पहुंचने लगी है। ऐसे में इसरो को स्लीप मोड पर डाले गए विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के जागने की उम्मीद है। इसरो ने 4 सितंबर को लैंडर को स्लीप मोड में डाला था। इससे पहले 2 सितंबर को रोवर को स्लीप मोड में डाला गया था। इसरो ने लैंडर-रोवर के रिसीवर ऑन रखे हैं।

पंजाबी कलाकारों के भारत और कनाडा दौरे रद्द

CHANDIGARH : भारत और कनाडा के संबंधों में पैदा हुई खटास का असर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री पर भी पड़ना शुरू हो गया है। पंजाबी कलाकारों के भारत और कनाडा दौरे रद्द हो गए हैं। भारत के मानचित्र से पंजाब और जम्मू-कश्मीर को हटाने की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद विवादों में आए कैनेडियन सिंगर शुभनीत सिंह उर्फ शुभ का भारत दौरा रद्द हो गया है। पंजाबी मूल के सिंगर शुभनीत लंबे समय से कनाडा में रह रहे हैं और वह 23 सितंबर से शो करने के लिए भारत आने वाले थे। शुक्रवार को शुभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर अपनी प्रतिक्रिया दी। शुभनीत उर्फ शुभ की यह प्रतिक्रिया, बोट-स्पीकर कंपनी मुंबई द्वारा स्पॉन्सरशिप वापस लेने और 23 सितंबर से लेकर 25 सितंबर तक शो के रद्द होने के बाद आई है।

झारखंड HC के जस्टिस कैलाश प्रसाद देव का निधन, पंचतत्व में विलीन

शुक्रवार सुबह 5:20 बजे ली अंतिम सांस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस कैलाश प्रसाद देव का शुक्रवार की सुबह 5:20 आकस्मिक निधन हो गया। रांची के मेडिका अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वह पिछले कई दिनों से इलाजरत थे। जस्टिस कैलाश प्रसाद देव के निधन की खबर के बाद झारखंड हाई कोर्ट शोक की लहर दौड़ गई। देव के पार्थिव शरीर को पहले उनके आवास पर श्रद्धांजलि के लिए रखा गया था। जहां से दोपहर बाद तीन बजे झारखंड हाई कोर्ट परिसर में लाया गया। यहां मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद अंतिम यात्रा हरमू स्थित मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान कर गयी। अपराह्न 4:15 बजे में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। परिवार के लोगों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इसके बाद कैलाश प्रसाद देव का शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। कैलाश प्रसाद देव ने लंबे समय तक अधिवक्ता के रूप में काम किया।

जस्टिस कैलाश प्रसाद की फाइल फोटो।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट परिसर पहुंचकर दिवंगत न्यायाधीश कैलाश प्रसाद देव के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

चाईबासा में मंगेतर के साथ घूमने आई युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म

RANCHI : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में मंगेतर के साथ घूमने आई एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की शाम पीड़िता अपने मंगेतर के साथ उसके गांव आई हुई थी तो इस दौरान मंगेतर के कुछ दोस्त भी मौके पर पहुंच गए और घर आकर बातचीत करने लगे। बातचीत के दौरान शादी के तोहफे के रूप में दोस्तों ने शराब पिलाने की मांग की। बाद में सभी ने शराब पीना शुरू कर दिया। इसके कुछ देरी बाद नशे की हालत में ही युवकों ने युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में विशाल पूर्ति, सिंगराय पूर्ति , हरिचरण पाड़ेया, सुलेमान पूर्ति और हरिचरण पूर्ति शामिल है।

होमगार्ड जवानों को SC से बड़ी राहत

अब पुलिस के जवानों के बराबर मिलेगा वेतन

● समान काम के बदले समान वेतन के खिलाफ सरकार की याचिका खारिज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में होमगार्ड को समान कार्य का समान वेतन देने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में समान कार्य का समान वेतन को लेकर झारखंड सरकार की ओर से दायर एसएलपी की सुनवाई हुई। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने झारखंड सरकार द्वारा दायर एसएलपी को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से झारखंड के होमगार्ड जवान काफी खुश हैं, क्योंकि अब उन्हें पुलिस के जवानों के बराबर वेतन मिलेगा। इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया था कि होमगार्ड के जवानों को पुलिस के जवानों के बराबर वेतनमान दिया जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। झारखंड सरकार की ओर से दायर एसएलपी के खिलाफ झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय प्रसाद ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट फाइल की थी।

CM हेमंत सोरेन को आज ED ने बुलाया

समन के खिलाफ HC भी जा सकते हैं सोरेन

CRIME REPORTER RANCHI : ईडी के समन के खिलाफ सीएम हेमंत सोरेन शनिवार को झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं। शनिवार यानी 23 सितंबर को ईडी ने पूछताछ के लिए चौथा समन जारी कर उन्हें उपस्थित होने को कहा है। ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि सीएम ईडी के समक्ष उपस्थित होने के बजाय हाइकोर्ट से राहत के लिए याचिका दाखिल कर सकते हैं। सीएम की उपस्थिति को लेकर ईडी के समन को लेकर चचाओं का बाजार भी गरम है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में ईडी के समन को चुनौती देनेवाली सीएम की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाइकोर्ट जाने को कहा था, जिसके बाद सीएम ने याचिका को वापस ले लिया था। सीएम की ओर से शुक्रवार को ही ईडी के समन के खिलाफ याचिका दाखिल की जानी थी, लेकिन हाइकोर्ट के जस्टिस केपी देव के निधन पर हाइकोर्ट में शुक्रवार को अवकाश घोषित किया गया।

चौथे समन पर नहीं पहुंचने पर कोर्ट जा सकती ईडी

कहा जा रहा है कि चौथे समन पर सीएम हेमंत सोरेन के ईडी कार्यालय नहीं पहुंचने पर ईडी अपने रूल एवं रेगुलेशन के तहत सीएम के खिलाफ निचली अदालत में गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए प्रार्थना भी कर सकती है। वैसे में सीएम द्वारा हाइकोर्ट में दाखिल याचिका में उनकी गिरफ्तारी पर रोक के लिए भी प्रार्थना की जा सकती है। हालांकि डीएसपी प्रमोद मिश्रा एवं सरफुद्दीन खान के मामले में ईडी के समन को चुनौतीवाली याचिका पर हाइकोर्ट ने उनकी पूछताछ के लिए ईडी में उपस्थिति दर्ज कराने पर गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया था।

डॉक्टर के साथ मारपीट करने का आरोपी गिरफ्तार, हड़ताल वापस

पांच घंटे की हड़ताल में बेबस दिखे मरीज, इमरजेंसी सेवा बनी वरदान

● मेडिकल कॉलेज सहित सरकारी अस्पताल व निजी अस्पतालों के ओपीडी सुबह 11 बजे तक रहे बंद

● रिम्स में जूनियर डॉक्टरों ने जबरन कराया ओपीडी बंद, मरीज सुबह से ही करते रहे इलाज का इंतजार

PHOTON NEWS RANCHI : सफेद कोट की शांति अब बनेगी क्रांति नारे के साथ राज्यभर के 10 हजार से अधिक डॉक्टर शुक्रवार को हड़ताल पर चले गए। रिम्स, सदर अस्पताल सहित निजी अस्पतालों के डॉक्टरों ने सुबह छह बजे से हड़ताल शुरू किया और ओपीडी बंद रखा। जबकि रिम्स में जूनियर डॉक्टरों ने ओपीडी खुलने के साथ ही उसे जबरन बंद कराया, जिसके बाद सुबह पांच बजे से ही अपने इलाज के इंतजार में बैठे मरीजों की परेशानी बढ़ गई। बंद कराने के क्रम में ओपीडी से मरीजों को बाहर निकाल दिया गया। इस बीच इमरजेंसी सेवा बहाल रही, जहां मरीजों की अचानक काफी भीड़ बढ़ गई। मालूम हो कि जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में पीजी डॉक्टर कमलेश उरांव के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए), आइएमए की महिला विंग, झासा, एएचपीआइ, फोरडा, रिम्स जेडीए, ट्राइबल डाक्टर एसोसिएशन से जुड़े डाक्टरों ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। झारखंड आइएमए के सचिव डॉ. प्रदीप सिंह ने बताया कि जो मारपीट के आरोपी थे उनमें से दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके बाद आगे की हड़ताल स्थगित कर दी है। उन्होंने सरकार से मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की ताकि डॉक्टर सुरक्षित माहौल में काम कर सके। कार्य बहिष्कार करने वालों में डॉ. प्रदीप सिंह, डा. शेखर काजल, डॉ. भारती कश्यप, डॉ. बिमलेश सिंह, डॉ. जयदीप, डॉ. विकास कुमार, डॉ. शंभू प्रसाद सिंह, डॉ. बीपी कश्यप सहित सरकारी व निजी अस्पतालों के अन्य डाक्टर शामिल थे। आइएमए विमेन डॉक्टर विंग की राष्ट्रीय सह अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. भारती कश्यप ने कहा कि जिन राज्यों में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू है वहां किसी तरह की कोई अराजकता की स्थिति देखने को नहीं मिलती है। झारखंड में इस एक्ट को लागू करने से डॉक्टरों की मनमानी कैसे बढ़ सकती है। राज्य में जब बहुमत की सरकार होने के बावजूद इस एक्ट को लागू करने की जगह प्रवर समिति को भेज इसे लटका दिया गया है, जो गलत है।

धरना देकर डॉक्टर के साथ मारपीट का विरोध जताते चिकित्सक ● फोटोन न्यूज

ओपीडी काउंटर खुलने के बाद मरीजों की लगी कतार

रिम्स जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जयदीप कुमार ने बताया कि हड़ताल सफल रहा। सुबह ओपीडी में सीनियर डॉक्टर ड्यूटी कर रहे थे जिन्हें जबरन बंद कराया गया और ओपीडी काउंटर भी बंद कराया गया। हालांकि हड़ताल टूटने के बाद जब ओपीडी काउंटर खोला गया तो मरीजों की लंबी कतार देखने को मिली, जिसके बाद मरीज का इलाज शुरू हुआ। सुबह नौ बजते ही सभी सीनियर व जूनियर डाक्टर व आइएमए के सदस्य रिम्स रेमिनशन हाल में एकजुट हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहें।

नेतरहाट घूमने जा रहे मॉल ऑफ रांची के कर्मियों की कार पलटी, एक की मौत

तीन घायल, चालक रिम्स रेफर, शुक्रवार की सुबह हुआ हादसा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची से नेतरहाट घूमने जा रहे मॉल आफ रांची के कर्मियों से भरी कार शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे कुडू थाना क्षेत्र के चीरी पतरा के समीप पलट गई। कार पलटने की घटना में एक कर्मी की मौत हो गई। तीन लोग घायल हुए हैं। इनमें गंभीर रूप से घायल कार चालक को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। बताया जाता है कि पश्चिम बंगाल के टीएन बनर्जी, जो पानीहाटी (दक्षिण 24 परगना) के रहने वाले थे। पलटुन दास (24 परगना जिले के शिवालया लेक गार्डेन, लक्ष्मणपुर, राजपुर, सोनारपुर) के निवासी, सदन सरकार ओडिशा के खुर्दा निवासी, सत्यजीत पात्रा बंगाल के चौधरीपाड़ा रोड निवासी और राहुल चक्रवर्ती कार से गुरुवार देर रात लगभग तीन बजे रांची से नेतरहाट जाने के लिए निकले थे। नेतरहाट जाने के क्रम में कुडू थाना क्षेत्र के कुडू-लोहरदगा मुख्य पथ पर अहले सुबह लगभग पांच बजे चीरी पतरा के पास कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गई। इस घटना में पलटुन दास कीमौत हो गई।

चीरी पतरा के समीप पलटी कार।

सड़क हादसे में लोहरदगा डीसी की पत्नी और जवान घायल, रिम्स रेफर

LOHARDAGA : कुडू थाना क्षेत्र के कुडू – लोहरदगा मुख्य पथ पर हाताटोली मोड़ के समीप शुक्रवार रांची से लोहरदगा लौटने के क्रम में उपायुक्त डॉ बाघमारे प्रसाद कृष्ण की पत्नी तथा एक जवान सड़क हादसे में घायल हो गए। दोनों का इलाज कुडू सीएचसी में कराने को बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना के बाद उपायुक्त डॉ बाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हरिश बिन जमां, एसडीओ अरबिंद कुमार लाल पुलिस, निरीक्षक मंटू कुमार,अनिल उरांव, बीडीओ मनोरंजन कुमार और सीओ प्रवीण कुमार सिंह से लेकर अन्य अधिकारी कुडू सीएचसी पहुंचे, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

हजारीबाग के एल्युमीनियम फैक्ट्री में विस्फोट, दो कर्मियों की मौत, कई घायल

छत-दीवार भी क्षतिग्रस्त, दो किमी दूर तक गूंजी आवाज

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग में एल्युमीनियम गलाने वाली एक फैक्ट्री में विस्फोट की वजह से दो मजदूरों की मौत हो गई है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि पूरी फैक्ट्री तबाह हो गई है। यह फैक्ट्री कटकमदाग थाना क्षेत्र के सिरसी डामोडीह गांव में हैं। मृतक मजदूरों की पहचान रंजीत ठाकुर और सुखदेव साहू के रूप में हुई है। विस्फोट इतना भयानक था कि फैक्ट्री का छत और दीवार क्षतिग्रस्त हो गयी। स्थानीय लोगों ने कहा कि विस्फोट की आवाज दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी है। यह फैक्ट्री हजारीबाग सरदार चौक निवासी अवध कुमार गुप्ता की है। जो एल्युमिनियम गलाकर नया बर्तन बनाते हैं। उसे फिर बाजार में बेचा जाता है। मौसम खराब होने के कारण यहां सिर्फ दो ही मजदूर काम कर रहे थे।

एल्युमीनियम फैक्ट्री में विस्फोट के बाद कारखाने के अंदर का दृश्य।

जब पूर्ण बहुमत की सरकार हो, तो ऐसे ही होते हैं मजबूत फैसले : पधानमंत्री

PM ने कहा- महिला आरक्षण बिल हमारा कमिटमेंट था

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा महिला आरक्षण कानून के माध्यम से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पिछले तीन दशकों से प्रयास कर रही थी। उन्होंने कहा कि ये हमारा कमिटमेंट था। इसे हमने पूरा कर-के दिखाया है। जब पूर्ण बहुमत की सरकार होती है, तो ऐसे ही मजबूत फैसले लिए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित नारी शक्ति वंदन अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। पार्टी की महिला इकाई ने प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित कार्यक्रम में महिला आरक्षण विधेयक के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आज मैं देश की सभी महिलाओं को बधाई देता हूं। कल और परसों हमने एक नया इतिहास बनते देखा। यह हमारा सौभाग्य है कि करोड़ों लोगों ने हमें वह इतिहास रचने का मौका दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करतीं महिलाएं।

आज हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा

पीएम ने कहा कि आज हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। पूरे देश की माताएं, बहनें और बेटियां आज खुशी मना रही हैं, हम सबको आशीर्वाद दे रही हैं। देश हित में बड़े फैसलों के लिए पूर्ण बहुमत की मजबूत सरकार के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला आरक्षण के लिए कानून इसलिए संभव हो सका, क्योंकि लोगों ने पूर्ण बहुमत के साथ एक स्थिर, मजबूत सरकार चुनी। उन्होंने कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम का दोनों सदनों से पास होना, इस बात का भी साक्षी है कि जब पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार होती है तो देश कैसे बड़े फैसले लेता है, बड़े पड़ावों को पार करता है। पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार है तो 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' एक सच्चाई बन गया है। इस कानून ने फिर साबित किया है कि देश को आगे ले जाने के लिए पूर्ण बहुमत वाली मजबूत और निर्णायक सरकार बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां इस दिन को याद रखेंगी।

लातेहार में सब-जोनल कमांडर ने किया सरेंडर

LATEHAR : उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के सब–जोनल कमांडर कमलेश सिंह उर्फ मुकेश जी ने शुक्रवार को पुलिस का समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मुकेश लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत लात गांव का रहने वाला है। वह पिछले 15 वर्षों से विभिन्न नक्सली संगठनों में सक्रिय था। लातेहार एसपी अंजनी अंजन और सीआरपीएफ 11 वी बटालियन के कमांडेंट वेद प्रकाश त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित नई दिशा कार्यक्रम में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली मुकेश को माला पहनाकर स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक में बताया कि आत्मसमर्पण करने से पहले कमलेश सिंह माओवादी और जेजेएमपी नक्सली संगठन में सक्रिय रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 में यह माओवादी संगठन से जुड़ा था।

चीन ने रोकी 3 भारतीय खिलाड़ियों की ENTRY

एशियन गेम्स में खेलने जाना था वुशू

AGENCY NEW DELHI : चीन ने अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशू खिलाड़ियों के 19वें एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए देश में एंट्री पर रोक लगा दी है। भारत ने चीन के इस कदम का विरोध किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा- भारतीय नागरिकों के प्रति चीन के भेदभावपूर्ण व्यवहार को हम खारिज करते हैं। चीन की कार्रवाई एशियन गेम्स की भावना, इवेंट के नियमों का उल्लंघन है। उधर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एशियन गेम्स में शामिल होने के लिए अपना चीन दौरा रद्द कर दिया है। उधर, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं चीन के इस फैसले की निंदा करता हूं। चीन के इस कदम पर इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी को रोक लगानी चाहिए। एजेंसी के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को चीन के हांगझोऊ शहर में 19वें एशियन गेम्स में 24 सितंबर को होने वाले वुशू गेम में हिस्सा लेना था। तीनों खिलाड़ियों के नाम न्येमान वांग्सू, ओनिलु तेगा और मेपुंग लाम्गु हैं।

धान के खेत में उत्तम पैदावार देती है

'अलसी'

धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है। अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये।

जलवायु

अलसी की फसल को ठंडे व शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है इसके उचित अंकुरण के लिए 25-30 डिग्री सेल्सियस सेंटीग्रेट तथा बीज बनते समय 15-20 सेल्सियस सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिये।

भूमि की तैयारी

अलसी की फसल के लिए काली, भारी एवं दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त होती है धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये। धान के खेतों में समय-समय पर खरपतवार निकालकर खेत को नींदा रहित करते हुये साफ रखना चाहिये।

फसल प्रणाली

अलसी को मुख्य फसल के रूप में लगाने के बजाय मिलवा या अंतरवर्तीय फसल के रूप में लगाने से अधिक आय संभव हैं। अंतरवर्तीय फसल पद्धति के अंतर्गत अलसी के साथ 3:1 के अनुपात में चना, सरसों, मसूर को भी लगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत किस्में

जवाहर 16, जेएलएस 9, जवाहर 23, पूसा 2

बीजोपचार

थारयम या कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें व बीजोपचार के बाद राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से 5-5 ग्राम/कि. बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें।

बीज की गहराई

अलसी के बीज को नमी के आधार पर भूमि में 3 सेंमी की गहराई पर बुवाई करें. यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो उथली बुवाई लाभदायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद उपलब्ध होने पर अंतिम व बखरनी के समय 4-5 टन प्रति हेक्टेयर खेत में मिला दें। असिंचित अवस्था में 65:125 किलोग्राम, यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व पोटाश प्रति हेक्टेयर सम्पूर्ण खाद बुवाई के समय में ही खेत में डालें। सिंचित अवस्था में 174:125:30:0 किलो ग्राम यूरिया, सिंगल सुपर प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की 2/3 मात्रा व स्फुर, पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय दें तथा नत्रजन की शेष 1/3 मात्रा को पहली सिंचाई के समय दें एवं उतेरा पद्धति में 20 किलो नत्रजन अलसी के फसल में दें।

खरपतवार नियंत्रण

अलसी की फसल को बुवाई से 30-35 दिन तक खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिये। फसलों को नींदा रहित रखने के लिए बुवाई के 15-20 दिन बाद पहली निंदाई-गुड़ाई करनी चाहिये या रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के अंतर्गत पेंडीमिथालीन खरपतवार-नाशक की 3.33 लीटर मात्रा को 600-700 ली. पानी में घोल बनाकर बीज के अंकुरण पूर्व उपयोग करें।

सिंचाई

अलसी की फसल में सिंचाई करने से उत्पादन में वृद्धि होती है अतः सिंचाई उपलब्ध होने पर पहली सिंचाई शाखा बनते समय व दूसरी सिंचाई कली बनने की अवस्था में करने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

मसूर

की उन्नत खेती

भूमि

मसूर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। किंतु सफल खेती के लिए दोमट और भारी भूमि इसके लिए अधिक उपयुक्त है। भूमि का पीएच मान 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए।

भूमि की तैयारी

भूमि की तैयारी इस प्रकार करना चाहिए कि मिट्टी भुरभुरी तथा खरपतवार से रहित हो जाये। भारी भूमि में एक गहरी जुताई के बाद दो हल्की जुताई हो या देशी हल से करना चाहिए तथा प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाना चाहिए। जिससे नमी संरक्षित रहे।

बीज की मात्रा एवं बोने की विधि

सामान्यत : 35-40 किग्रा/हे. बीज बोना चाहिए। समय पर बोनी के लिए कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा देरी से बोनी करने पर 20-25 सेमी. पर कतारों में बीज की 4-5 सेमी की गहराई पर सीडड्रिल से बोना चाहिए। थाईरम 2 ग्राम, 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करके बोना चाहिए। इसके बाद बीज को 10 ग्राम राइजोबियम तथा 10 ग्राम पीएसबी कल्चर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बोनी करें।

बुवाई समय

असिंचित क्षेत्रों में नमी उपलब्ध रहने पर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें। इसके बाद बोनी करने पर पकने की अवस्था पर तापक्रम बढ़ने में दाना छोटा व उपज में कमी आती है।

उन्नत जातियां

के 75 (मल्लिका), जे.एल.-1, एल.- 4076, जे.एल. 3, आईपीएल - 18, एल. 9-2

खाद एवं उर्वरक

असिंचित अवस्था में 15 :30 :10 कि.ग्रा./हे. यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा सिंचित खेती करने पर 43 :350 :33 किग्रा/हे. नत्रजन स्फुर एवं पोटाश बुवाई के समय खेत में डालना चाहिए।

सिंचाई

सामान्यत : बारानी खेती में ही मसूर की फसल को लिया जाता है। परन्तु यदि शीतकाल मे वर्षा का अभाव हो तो एक सिंचाई करने पर उपज में वृद्धि होती है।

फसल चक्र

धान-मसूर, सोयाबीन-मसूर, उड़द-मसूर, ज्वार-मसूर, बाजरा-मसूर
अंतरवर्तीय खेती : मसूर-सरसों (4:1), मसूर-जौ (4:2)

कटाई एवं गहाई

फसल पकने की अवस्था में पीली पड़कर सूखने लगती है। फसल की कटाई कर खलिहान में बैलों या ट्रेलर से गहाई कर पंखे से सफाई करना चाहिए तथा बीज को सुखाकर भंडारित करना चाहिये।

मुर्गियों की देखभाल

उपरोक्त इन लक्षणों के दिखाई देने पर ये उपाय करें

- बाड़े के चारों ओर छत से सटकर कम से कम दस फीट चौड़ा हरे रंग के जालीदार कपड़े का मंडप लगवाये जिससे धूप तथा गर्मी की तीव्रता कम हो जायें.
- बाड़े के छत को ऊपर सफेद पेंट लगवाये या फिर ऊपर घांसफूस डलवायें. इससे बाड़े के भीतर का तापक्रम 4 डिग्री सें. से कम होता है. + बाड़े के चारों ओर ठंडे जल का छिड़काव करें.
- बाड़े की खुली बगलों पर टाट/बोरियों के पतले पर्दे लगवाकर उस पर छिद्रधारी पाईप द्वारा या अन्य तरीके से पानी का छिड़काव करें. इससे बाड़े के भीतर का तापक्रम काफी हद तक कम हो जाता है. + अगर संभव है तो बाड़े में धीरे-धीरे घूमने वाले पंखे लगायें तथा फव्वारे द्वारा बाड़े में पानी की बारीक बूंदों में बौछार करें. यह बाडे के भीतर का तापक्रम कम करने का बेहतरीन तरीका हैं. + बाड़े के इर्दगिर्द घने छायादार वृक्ष पहले ही लगायें तथा मुर्गी फार्म की बाड हरे घने पत्तेदार वनस्पति जैसे सुबबूल, मेहंदी या वर्ष के गर्मी के मौसम में जो भी स्थानिक वनस्पति हरी भरी रहती हैं वह लगवायें. इससे गर्म हवाओं के थपेड़े कम आते हैं. और मुर्गी फार्म का वातावरण ज्यादा गर्म नहीं होता.

यह भी रखें ध्यान

- अंडा उत्पादक मुर्गियों को पीने हेतु ठंडा जल प्रदान करें. पानी की टंकियों को सफेद रंग लगवाये या उनको बोरियाँ लपेटकर तथा उन पर पानी छिड़ककर गीला रखें. बड़े मटके या नाँद में एक दिन पहले शाम को पानी भरकर रखें तथा दूसरे दिन ठंडा जल गर्मियों के वक्त थोड़ा-थोड़ा उपलब्ध करवायें.
- पीने के पानी में इलेक्ट्रोलाईट पाउडर घोलकर प्रवाहित करें ताकि मुर्गियों को वह उपलब्ध हो.
- पीने के पानी में विटामिन 'सी' एक हजार मुर्गियों को दस ग्राम इस अनुपात में डालें.
- अगर सघन बिछाली प्रणाली/डीप लीटर (यानि भूसे पर मुर्गियां रखी हैं. तो भूसे को सबेरे और शाम को ही उलट-पुलट करें.
- मुर्गियों के दाने/मॅश पर पानी हल्का सा डालें ताकि धूल ज्यादा ना उठें.
- मुर्गियों के दाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ायें. ताकि उनके शरीर भार में कमी ना आये.
- बाड़े के आसपास घांसफूस के लॉन (क्यारियाँ) लगवाये इससे सूरज की किरणों से तपती धरती से निकलने वाले किरण कम सान्द्र होते हैं. और आसपास का वातावरण ठंडा रहता हैं. इन क्यारियों पर पानी छिड़ककर उन्हें ठंडा रखें.
- मुर्गियों को सीप चूरा खिलायें ताकि कैल्शियम की पूर्ति होकर अंडों के छिलके पतले ना बनें.
- बाड़े में मुर्गियाँ इतनी ही रखें जिससे बाड़े में वे आराम से रह सके और कतई भीड़ न हो.
- मुर्गियां बाड़े में तितर-बितर होकर दूर-दूर खड़ी रहती हैं ये सुस्त दिखाई देती हैं.
- कुछ मुर्गियां शरीर की गर्मी कम करने हेतु पंख फैलाकर रखती हैं.
- कुछ मुर्गियाँ लगातार चोंच खोलती हैं तथा बंद करती हैं और
- कुछ मुर्गियों को सांस लेने में कठिनाई होती हैं.
- कुछ मुर्गियां गर्मी का असर कम करने हेतु अपने पिछले हिस्से पर चोंच मारकर पंख तोड़ने की कोशिश करती हैं.
- ज्यादातर मुर्गियाँ बारबार पानी पीने हेतु पानी के बर्तनों के पास ही दिखाई देती हैं.
- ज्यादा गर्मी होने पर कुछ मुर्गियाँ बेहोश भी हो सकती हैं.
- उनके शरीर भार में कमी आती हैं और वे कमजोर हो जाती हैं.
- उनके अंडों का वजन तथा आकार कम हो जाता हैं तथा अंडों के छिलके पतले हो जाते हैं.

कैसे पालें नवजात बछड़े

- **व्यवस्था** : नये जन्मे बछड़े का स्वास्थ्य तथा जीवन निर्भर करता है. बछड़े को पालने की व्यवस्था की परिकल्पना पूर्णत : बन्द बसेरों (बार्न) से लेकर कम से कम आश्रय तक होती है। बछड़े के तबेले का वातावरण इस तरह होना चाहिए कि बछड़े को कम से कम तनाव हो, फर्श सूखा तथा साफ हो. गर्मी, ठण्ड, हवा और बारिश से सुरक्षा आवश्यक है. हमारा प्रबंधन ऐसा हो कि पशु को पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो जिससे कि वह सुख से रहे तथा पर्याप्त वायु संचार हो.
- **बछड़ों का बाड़ा** : अलग बाड़ा बछड़ों को अलग रखने में मदद करता है जिससे संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है तथा हम आसानी से बछड़े के आचरण, भोजन का उपभोग, मल तथा मूत्र त्याग आदि सभी का निरीक्षण कर सकते हैं.
- **झोपड़ी** : अलग झोपड़ी जो कि लगभग 4×8 फिट की लकड़ी की बनी झोपड़ियों में बछड़ों को पाल सकते हैं. थोड़ी छोटी पृथकझोपड़ियों में बछड़ों को दो से तीन करके पाल सकते हैं. बाड़ों की तुलना में झोपड़ियों में ज्यादा मेहनत लगती है लेकिन झोपड़ियों में बिना दूध दोहे बछड़ों को पूर्णत : अलग करने में मददगार होते हैं. झोपड़ियां आसानी से घुमायी और परिवर्तित की जा सकती हैं ताकि हम सूर्य के प्रकाश, तापमान व वायु के प्रवाह को आसानी से व्यवस्थित कर सकें. झोपड़ियों को आसानी से साफ रख सकते हैं. फाइबर ग्लास व पॉलीथिन की झोपड़ियां, लकड़ी की झोपड़ियों व धातु के बाड़ों की तुलना में आसानी से बनाई जा सकती है लेकिन सूर्य के तापमान को कम करने के लिए यह आवश्यक है कि यह अपारदर्शी हो.
- **बन्द मकान** : मकान जिसमें बंद व अलग बाड़ा हो बन्द मकान कहलाता है. बन्द मकान में सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु पर्याप्त वायु संचार होता है. वातावरणीय रूप से नियंत्रित बंद मकान बनाने व रख-रखाव में मंहगे होते हैं.

BRIEF NEWS

सृजन हेल्प आश्रम में संवेदना कार्यक्रम का आयोजन

RANCHI : ग्लोबस एडूकेशन फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को विश्व शांति दिवस पर पहाड़ी मंदिर स्थित सृजन हेल्प मुखबधिर और मनबुद्धि आश्रम में संवेदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजयुमो कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए सद्भावना पर जोर देने के लिए विश्व शांति दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनिया में प्रेम ,भाईचारा और शांति को बनाए रखना है। सृजन हेल्प के बच्चों के बीच शिक्षण सामानों का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में ग्लोबस एडूकेशन फाउंडेशन के निदेशक गौरव राजपूत ,सृजन हेल्प की संचालिका गुंजन गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

सीएमओ के आशुलिपिक को मिला प्रमोशन

RANCHI : राज्य सरकार ने विभागीय प्रोन्नति की अनुशंसा के आलोक में आशुलिपिक सेवा के आशुलिपक कमलेश कुमार सिंह को निजी सहायक के पद पर प्रोन्नति दी है। उन्हें पे-मैट्रिक्स लेबल-4 अपुनरीक्षित वेतनमान पीबी-2 9300-34800 ग्रेड पे-4600 में प्रोन्नति दी गयी है। कमलेश कुमार सिंह को मुख्यमंत्री सचिवालय में निजी सहायक के पद पर पदस्थापित भी किया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

सीसीएल जन आरोग्य ने की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

RANCHI : जन आरोग्य केंद्र सीसीएल की ओर से शुक्रवार को रांची के गाणी बस्ती पंचायत भवन में निश्शुल्क रेस्पिरेटरी (सांस की तकलीफ) सहित अन्य बीमारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। गाणी बस्ती में विशेषज्ञ डाक्टरों ने 203 लोगों की जांच की और सलाह दी। शिविर में विशेष कर होमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन, सांस की तकलीफ की जांच की गई। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. रत्नेश जैन, सीएमएस, सीसीएल, डॉ. प्रीति तिग्गा, डीसीएमओ, सीएसआर इंचार्ज, डॉ. शशी कान्त प्रसाद, डॉ. अनीता होरो, डॉ. रजनी कुजूर, मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित, हरमन खलखो एवं अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झासा के रांची इकाई का हुआ विस्तार

RANCHI : झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवाएं संघ (झासा) का विस्तार किया जा रहा है। इस बार रांची इकाई का विस्तार करते हुए चयनित पदाधिकारियों ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। सर्वसम्मति से डॉ. सिद्धेश्वर बास्के (अध्यक्ष), डॉ. विनीता कुमारी (उपाध्यक्ष), डॉ. कृष्णा मुरारी सिंह (सचिव), डॉ. रवि राज (कोषाध्यक्ष) और डॉ. दिलीप पासवान (संयुक्त सचिव) बनाए गए हैं। इस मौके पर सचिव डा. कृष्णा मुरारी सिंह ने कहा कि चिकित्सकों के कल्याण के लिए काम करना मेरी प्राथमिकता होगी। मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने को लेकर रणनीति बनायी जाएगी।

रिम्स में मिनिमल एक्सेस सर्जरी पर ट्रेनिंग शुरू

RANCHI : रिम्स में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी एवं लेप्रोस्कोपिक गाइनेकोलॉजी स्किल कोर्स एवं मिनिमल एक्सेस सर्जरी फैलोशिप परीक्षा 22 से 24 सितंबर को आयोजित है। जिसे लेकर रिम्स में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी एवं लेप्रोस्कोपिक गाइनेकोलाजी स्किल कोर्स एवं मिनिमल एक्सेस सर्जरी फेलोशिप परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

atomy ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आजसू का मिलन समारोह, सैकड़ों युवाओं ने थामा PARTY का दामन

युवाओं में अपने साथ राज्य का भविष्य बदलने की ताकत : सुदेश

PHOTON NEWS RANCHI : विभिन्न जिलों के सैकड़ों युवाओं ने शुक्रवार को आजसू पार्टी का दामन थामा। इनमें खूंटी, बोकारो, रांची, हजारीबाग, गोड्डा जिले से आए युवा भी शामिल थे। सभी का पार्टी में स्वागत करते हुए सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य सरकार की युवाओं को लेकर गलत नीतियों से प्रदेश के युवा परेशान हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद युवा नौकरी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। सरकार न रिक्त पदों को भर पा रही है और न ही रोजगार के अन्य विकल्प पर सोच रही है। सरकार की इसी रवैया से परेशान होकर राज्य के युवा राजनीतिक विकल्प ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा नेतृत्व और नवीन सोच से राज्य के नवनिर्माण के लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। राज्य के सभी युवाओं में नेतृत्व क्षमता है, जिसे तरासने और निखारने का प्लेटफार्म आजसू देगी। पार्टी का उद्देश्य आम लोगों के बीच से नेतृत्वकर्ता तैयार करना है। युवा अपने भविष्य के साथ साथ राज्य के भविष्य के लिए भागीदार बन सकते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो।

महाधिवेशन में राज्य के लोगों को एक मंच दिया जाएगा

महाधिवेशन को लेकर महतो ने कहा कि 29, 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को होने वाले पार्टी के केंद्रीय महाधिवेशन का लक्ष्य राज्य के लोगों को एक मंच देना और संवाद से समाधान ढूढ़ना है। इस ऐतिहासिक महाधिवेशन में शामिल होने के लिए कोई भी व्यक्ति किसी भी जगह से 99905 99905 पर मिस कॉल देकर अपना पंजीकरण करवा सकता है। अलग राज्य आंदोलन के वक्त आजसू ने राज्य की बिखरी हुए शक्ति को एक करते हुए अलग राज्य के आंदोलन को परिणाम तक पहुंचाया था। ठीक वैसे ही अब राज्य के नवनिर्माण के लिए आजसू राज्य के सभी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक विचारों को महाधिवेशन के माध्यम से एक विचार में पिरोने का काम करेगी। महाधिवेशन राज्य के हित में सोचने वाले सभी लोगों के लिए एक खुला मंच होगा। राज्य के जिन जवलंत मुद्दों पर सदन के अंदर चर्चा होनी चाहिए, उन विषयों पर चर्चा नहीं हो पाती। इन विषयों पर सिर्फ सदन के बाहर ही चर्चा होती है, जिससे राज्य की जनता को कोई लाभ नहीं मिल पाता है।

रांची एयरपोर्ट में गोली के साथ पकड़ाया कारोबारी

CRIME REPORTER RANCHI : एयरपोर्ट थाना की पुलिस ने शुक्रवार को अवैध गोली के साथ पकड़े गए कारोबारी विरोद यादव को जेल भेज दिया। विनोद यादव गिरिडीह जिला का रहने वाला है। विनोद रांची से बैंगलोर जाने वाला था। वह एयरपोर्ट पर पहुंचा तो सीआइएसएफ के जवानों के द्वारा कारोबारी की बैग की तलाशी ली गई। बैग में इंसास रायफल का एक गोली मिला। गोली मिलते ही एयरपोर्ट पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। जवानों ने कारोबारी को हिरासत में ले लिया और पूछताछ करने के बाद उसे एयरपोर्ट थाना के हवाले कर दिया। पूछताछ में कारोबारी यह नहीं बता पाया कि उसके बैग में गोली कहां से आई। कारोबार बार बार एक ही बयान दे रहा था कि उसे फंसाने के लिए किसी ने गोली रखी है। कारोबारी ने बताया कि वह अपने बच्चे का इलाज कराने के लिए बैंगलोर जा रहा था लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। कारोबारी विरोद का छड़ का कारोबार है। कारोबारी का कहना था कि वह गोली रखता तो पहले ही फेंक देता। उसे पता है कि एयरपोर्ट में बैग की तलाशी ली जाती है। कारोबारी ने फोन पर अपने घरवालों से भी गोली के बारे में पूछताछ की लेकिन कोई कुछ बता नहीं पाया।

दो महीने पहले भी एयरपोर्ट पर बरामद हुआ था गोली

रांची एयरपोर्ट पर इससे पहले 18 जुलाई को एक एनआरआई मूल की महिला यात्री के पास से जिंदा गोली बरामद हुई थी। सीआईएसएफ ने इसकी जानकारी एयरपोर्ट थाना को दी थी। महिला से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया था। महिला के पास से बरामद 40 बोर की गोली को भी जब्त कर लिया गया, एलिजाबेथ एल पीटर ने दिल्ली जाने वाली एयर एशिया की फ्लाइट में बुक था।

उर्जा निगम में कर्मचारियों की बैठक में बनी सहमति, हड़ताल स्थगित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड उर्जा विकास निगम के कर्मचारियों और प्रबंधन की बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक में कर्मचारियों की हड़ताल और 18 सूत्री मांगों पर चर्चा की गयी। बैठक में निगम प्रबंधन ने यूनियन की सभी बिंदुओं पर संतुष्ट किया। साथ ही कर्मचारियों को जानकारी दी कि न्यू डेजीग्नेशन मैपिंग की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गयी है। गठित कमेटी 45 दिनों के अंदर रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं, छह फीसदी उर्जा भत्ता का मामला जल्द निगम की बोर्ड बैठक में पास करने की जानकारी दी गयी। प्रमोशन के मामले में भी निगम ने कर्मियों को संतुष्ट किया। जानकारी दी गयी कि पहले कर्मचारियों का प्रमोशन सर्कल कैडर पर मिलता है। यूनियन की मांग रही है कि प्रमोशन मुख्यालय स्तर पर दी जाए। इस संबंध में निगम ने तैयारी कर ली है। जिसका आदेश जल्द जारी किया जायेगा। यूनियन के महामंत्री वरूण सिंह ने जानकारी दी कि निगम के साथ बैठक से कर्मचारी पूरी तरह संतुष्ट हैं। ऐसे में 26 सितंबर से घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित कर दी गयी है। हड़ताल झारखंड पावर वर्कर्स यूनियन की ओर से घोषित की गयी थी। इसके पहले कर्मचारियों की ओर से बैठक कर वार्ता के मुद्दे और बिंदुओं पर चर्चा की गयी। जिसमें यूनियन की ओर से निर्णय लिया गया कि प्रबंधन अब कारवाई करें। क्योंकि पहले भी कर्मचारियों की ओर से हड़ताल की गयी थी। तब प्रबंधन ने उचित कारवाई का आश्वासन दिया था। इस वार्ता को हुए इस महीने बीत जाने के बाद निगम प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं की गयी। यूनियन की मानें तो इसका लाभ अधिकारियों को मिला, लेकिन कर्मचारियों को नहीं दिया गया।

झारखंड के 28 जजों का जिला न्यायाधीश के पद पर हुआ प्रमोशन, अधिसूचना जारी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने 28 जजों को वरीय न्यायिक सेवा से जिला न्यायाधीश के पद पर प्रमोशन देते हुए पदस्थापित किया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी किया है।

इन जजों को मिला प्रमोशन

सीजीएम सह सिविल जज सीनियर डिवीजन सह-एसजीएम खूंटी सत्यपाल, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दुमका धर्मेंद्र कुमार सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला-खरसावां कुमार क्रांति प्रसाद, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी देवघर संजीव कुमार वर्मा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पाकुड़ प्रफुल्ल कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रामगढ़ कुसुम कुमारी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डालटेनगंज निरूपम कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी साहेबगंज शैलेंद्र कुमार, एसीजीएम दुमका सूरज प्रकाश ठाकुर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चाईबासा शंकर कुमार महाराज, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आर्थिक अपराध रांची मिथिलेश कुमार सिंह। इनके अलावा एसीजेएम गिरिडीह आलोक कुमार, एसीजेएम साहिबगंज शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी धनबाद संजय कुमार सिंह, उप निबंधक प्रोटोकाल झारखंड हाई कोर्ट मो. फहीम किरमानी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिमडेगा आनंद मणि त्रिपाठी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गुमला मनोज कुमार शर्मा, एसीजेएम साहेबगंज सूर्य मणि त्रिपाठी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कोडरमा कुमारी वैशाली, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गिरिडीह लक्ष्मीकांत, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष आनंद प्रसाद, एसीजेएम धनबाद कुलदीप, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी हजारीबाग ऋचा श्रीवास्तव, अवर सचिव सह उप विधि परामर्शी सुनील दत्त द्विवेदी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी जमशेदपुर निशांत कुमार, सिविल जज हजारीबाग पुरुषोत्तम कुमार गोस्वामी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सरायकेला मंजू कुमारी, सिविल जज रांची नीरज कुमार को प्रमोशन दिया गया है।

आज से राज्य में कम होगा साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर, कम होगी बारिश

RANCHI : राज्य में पिछले दो दिनों से मौसम सुहाना है। अलग अलग हिस्सों में तेज से लेकर मध्यम दर्जे की बारिश रिकॉर्ड की गई है। राज्य में हुई इस बारिश से तापमान में भी गिरावट आई है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 22 सितंबर यानी आज तक राज्य में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर रहेगा। इसके बादकल यानी 23 सितंबर से इसका असर कम हो जाएगा। जिससे बारिश में भी कमी देखी जा सकेगी। हालांकि इस दौरान राज्य के अलग अलग हिस्सों में छिटपुट बारिश भी होने की संभावना है। आने वाले चार दिनों के दौरान तापमान में कमी दर्ज की जायेगी। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद की मानें तो 22 सिंतबर को भी राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन के साथ ही मानसून टर्फ लाइन डाल्टेनगंज और जमशेदपुर के ऊपर से होकर गुजरने से राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है।

छह दिवसीय गणेश पूजा महोत्सव संपन्न निकाली गई भव्य विसर्जन शोभायात्रा

PHOTON NEWS RANCHI : श्री गणेश पूजा समिति काली मंदिर रोड डोरंडा के न्यू काली पूजा समिति के परिसर से दिन के 3:00 बजे भव्य विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई। इसके साथ ही छह दिवसिय गणेश पूजा महोत्सव संपन्न हो गया। जिसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र प्रयागराज दिल्ली एवम हरिद्वार की आकर्षित झांकी निकाली गई। जिसमें मां काली, भोले बाबा, हनुमान जी का स्वरूप मनमोहक प्रतीत हो रहा था। सिंहघो बाजा जमशेदपुर, कांके का नगाड़ा बाजा, धनबाद का भांगड़ा पार्टी, हजारीबाग का सुनामी बाजा एवं पूरे रास्ते सांस्कृतिक कार्यक्रम मे मोबाइल भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे सैकड़ो की संख्या मे महिलाए नाचते झुमते चली, सभी महिलाएं को एवम

विसर्जन शोभा यात्रा में शामिल लोग।

पदाधिकारी को कोलकाता के साफा पेनावगया तथा गणपति महाराज को अपने विधिवत मार्ग काली मंदिरोड, भवानीपुर,डोरंडा बाजार, एजी मोड़ से होते हुए बटन तालाब में विसर्जित की गई। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में समिति के संरक्षक टापू घोष, नवरल वाली, शंभू गुप्ता, रोहित शारदा, रंतु उरांव, अध्यक्ष नवीन मल्होत्रा सचिव अमित गुप्ता कोषाध्यक्ष विकास गुप्ता, विक्की घोष, बिट्टू घोष, बाबू सोना दास, राहुल घोष, अजय घोष, बबलू दास, बापी घोष, अजय घोष, श्रेयेष सिंह, विकास कुमार, मोहमिता घोष निरुपमा देवी, सरिका गुप्ता, बिना शारदा, नम्रता सोनी, सहित क्षेत्र की महिलाएं का भी उल्लेखनीय योगदान रहा।

पांच श्रमिक संगठन पांच से जाएंगे हड़ताल पर

RANCHI : सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस रांची में पांच श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चा ने विशाल प्रदर्शन किया। मोर्चा को इस बात की आशंका है कि कर्मचारियों का वेतन आने वाले माह में पुराने बेसिक पर भुगतान किया जा सकता है। इसे देखते हुए कोल इंडिया के विरुद्ध पांच श्रमिक संगठनों ने पांच, छह एवं सात अक्टूबर को हड़ताल पर जा सकते हैं। इसकी घोषणा 14 सितंबर को ही कर दी गई थी। बताते दें कि वेतन समझौता-11 पिछले 20 मई 2023 को हुई थी। इसके बाद जुलाई एवं अगस्त 2023 का वेतन नए वेतनमान के अनुसार भुगतान किया गया और एरियर की राशि भी सभी मजदूरों को दिया गया, लेकिन जबलपुर हाईकोर्ट में कुछ अधिकारियों द्वारा कोर्ट में जाने के बाद वेतन समझौता निरस्त कर दिया गया। इसके विरोध में सीसीएल मुख्यालय पर संयुक्त मोर्चा ने विशाल प्रदर्शन किया।

खबरें राउरकेला की

जलस्तर बढ़ने के कारण कांसबहाल बांध के 9 गेट खुले

ROURKELA : राउरकेला के पास कांसबहाल मंदिर बांध के 9 गेट शुक्रवार को खोल दिए गए हैं। बांध का जलस्तर बढ़ने के कारण ऐसा कदम उठाया गया है। नदी करीब रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है क्योंकि ब्राह्मणी नदी में जल स्तर बढ़ने की संभावना है।

भगवान गणेश की निकाली गई शोभा यात्रा

ROURKELA : राउरकेला शहर के सेक्टर-18 डेली मार्केट में भगवान गणेश की पूजा की गई। इस अवसर पर पूजा के बाद शोभा यात्रा निकाली गई। शाम को संध्या आरती हुई। मार्केट कमेटी के अध्यक्ष रविनारायण पाढ़ी, उपाध्यक्ष राकेश कुमार प्रसाद, प्रकाश कुमार पोथल, जॉनी रॉबर्ट, प्रदीप कुमार सामल और कोषाध्यक्ष- राधाकांत सुतार सहित सदस्य उपस्थित थे।

एकल अभिनय प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर

ROURKELA : इस्पात इंग्लिश मीडियम स्कूल, सेक्टर- 20 के विद्यार्थियों के बीच राजभाषा पखवाड़ा के तहत आयोजित एकल अभिनय प्रतियोगिता आयोजित हुई। महा प्रबंधक (जन संपर्क) एवं संचार अर्चना शतपथी आमंत्रित अथिति थीं। प्राचार्या, सुश्रीता दास और सहायक महा प्रबंधक (जन संपर्क- राजभाषा) लोलाती टोप्पो ने भी मंच साझा किया। इस अवसर पर कक्षा छठवीं, सातवीं और आठवीं के 18 विद्यार्थियों ने शिक्षक, माता, पिता, भिखारी, पर्यावरण,चंद्रयान, प्रकृति, विद्यार्थी और स्वतंत्रता सेनानियों जैसे विभिन्न पात्रों और भूमिकाओं का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया।

राउरकेला कॉलेज को जमीन हस्तांतरित करने की मांग

ROURKELA : राउरकेला कॉलेज, राउरकेला का पुराना कॉलेज है। 1966 में स्थापित इस कॉलेज को इवनिंग कॉलेज या इवनिंग कॉलेज के नाम से जाना जाता है। शैक्षणिक वर्ष 2014-15 में सेक्टर-7 के एनएसी कॉलेज को सरकार के निर्णय के अनुसार राउरकेला कॉलेज में विलय कर दिया गया था। कॉलेज के पास अपनी जमीन नहीं होने के कारण ग्रांट-इन-एड और यूजीसी के माध्यम से कॉलेज के सुधार के लिए कोई धनराशि नहीं मिली है। कॉलेज विस्तार में आरएसपी प्रबंधन के अनुचित हस्तक्षेप से कॉलेजों और छात्रों दोनों को नुकसान हो रहा है। इसलिए, भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, प्रशांत सेठी और उनके समर्थकों ने राउरकेला के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट डॉक्टर शुभंकर महापात्र के माध्यम से ओडिशा के मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा है।

सेल के प्रभारी निदेशक से मिले चैंबर के प्रतिनिधि

ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील कयाल के नेतृत्व में आरसीसीआई के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राउरकेला स्टील प्लांट के प्रभारी निदेशक अतनु भौमिक से मुलाकात की। उनके साथ एमएसएमई और स्टार्टअप के तहत उद्योगों के विकास से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। अपने सदस्यों के मुद्दों, उनकी समस्याओं और शिकायतों को भी बताया। उन्होंने आरएसपी के समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया और अक्टूबर-2023 के पहले सप्ताह में सदस्यों से मिलने के लिए अपनी पूरी टीम के साथ आरसीसीआई का दौरा करने का भी आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में वाइस प्रेसीडेंट गुरमीत सिंह, नरेश आर्य, जनरल सेक्रेटरी प्रभात टिबरेवाल समेत अन्य शामिल थे।

स्काउट, गाइड ने अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया

ROURKELA : जिला स्काउट्स, गाइड्स ने अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया। इस अवसर पर, 150 से अधिक स्काउट्स और गाइड स्काउट भवन में एकत्रित हुए। पेंटिंग, पौधरोपण रोपण, शांति शपथ और शांति जुलूस जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। आयोजित कार्यक्रम में जिला सचिव सतीश कुमार नायक एवं आयुक्त ब्रजेन्द्र दास ने दिन के महत्व पर भाषण दिया एवं कार्यक्रम का संचालन किया। इसमे प्रवृति विश्वविद्यालय, चिन्मय विश्वविद्यालय, इस्पात शिक्षण सदन, नीलमाधव विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हिंदी और अंग्रेजी में चुनाव प्रश्न बैंक का विमोचन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रतीकात्मक शुभारंभ

ईसीआई की टीम पहुंची रांची, सभी जिलों के डीसी के साथ की समीक्षा बैठक, स्थानीय भाषाओं में जागरूकता गीत लांच

PHOTON NEWS RANCHI : भारत निर्वाचन आयोग के वरीय अधिकारियों की टीम ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 को लेकर सभी जिलों के उपायुक्तों सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के साथ शुक्रवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में केंद्रीय निर्वाचन आयोग के वरीय उप चुनाव आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, वरीय उप चुनाव आयुक्त नितेश कुमार व्यास और उप चुनाव आयुक्त मनोज कुमार साहू, झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रविकुमार मौजूद थे। इस दौरान मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ तैयार चुनाव प्रश्न बैंक नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। पुस्तक के अंग्रेजी और हिंदी संस्करण का विमोचन भारत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों की ओर से किया गया। इस पुस्तक में चुनाव प्रक्रिया से संबंधित 1200 से अधिक बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश है। साथ ही निर्वाचन आयोग की जागरूकता गीत "मैं भारत हूं" का झारखंड की स्थानीय भाषाओं में संस्करण को लॉन्च किया गया। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से तैयार किए गए इस गीत के स्थानीय संस्करण को मुंडारी, कुड़ुख, हो, संथाली तथा खड़िया भाषा में तैयार किया गया है। इसके अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड कार्यालय की ओर से तैयार किये जा रहे इंटीग्रेटेड लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम नवाचार के तहत चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के लिए तैयार किए गए विशेष आईटी टूल को भी लांच किया गया। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के समक्ष इसका डेमो भी प्रदर्शित किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के द्वारा किये जा रहे प्रयासों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। एक स्थानीय होटल में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 को लेकर समीक्षा बैठक हुई।

चुनाव प्रश्न बैंक नामक पुस्तक का विमोचन करते अधिकारी।

होमगार्ड ने नाबालिग को दिखाया अश्लील वीडियो

1000 रुपए का लालच देकर साथ ले जाना चाहा, लोगों ने पीटा तो जोड़ने लगा हाथ-पांव

पूर्णिया । एक होमगार्ड जवान पर नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। होमगार्ड जवान पर आरोप है कि उसने घर में अकेली एक नाबालिग बच्ची को बाहर ले जाने की कोशिश की। बच्ची नहीं मानी तो उसे 500 रुपए का लालच दिया। साथ ही उसने बच्ची को मोबाइल में अश्लील वीडियो भी दिखाए। बताया जा रहा है कि इस करतूत के दौरान जवान नशे में था। बच्ची ने घर से भागकर अपने पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद गांव के लोगों ने उसे घेर लिया और उसकी पिटाई कर दी। पूरा मामला गुरुवार शाम के पोस्टमॉर्टम रोड की है। वहीं, इस मामले में पुलिस ने होमगार्ड जवान रमन पोद्दार के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। रमन पोद्दार को फिलहाल आफिस ड्यूटी से

निष्कासित कर दिया गया है। बच्ची अपनी मां के साथ पोस्टमॉर्टम रोड में रहती है। मां ने बताया कि उसकी बेटी 12 बजे स्कूल से लौटी थी। वह करीब 3 बजे प्रभात कॉलोनी के डाउनलोड चौक के पास मोबाइल चार्ज करने गई थी। इस दौरान उसकी बेटी घर में अकेली थी। बेटी को घर में अकेला पाकर बाइक से होमगार्ड जवान पहुंचा था। मां के मुताबिक, बच्ची ने बताया कि तो वह होमगार्ड को देखकर काफी डर गई थी। वह शराब के नशे में था। रमन पोद्दार नाबालिग को बार-बार बाहर चलने के लिए बोल रहा था। बच्ची नहीं मानी तो उसे 500 रुपए के दो नोट दिखाए और बाइक पर घूमाने की बात कहने लगा। होमगार्ड ने उसे कपड़े खरीदने का भी लालच दिया, लेकिन नाबालिग उसके झांसे में नहीं आई। फिर उसने मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाने की कोशिश की। ये सब देखकर बच्ची दौड़कर घर से भाग गई और पड़ोसियों का सारी करतूत बताई। इस दौरान होमगार्ड फरार हो गया। इसके बाद बच्ची के साथ दर्जनों महिलाएं और पुरुषों ने बाइक से भाग रहे होमगार्ड जवान को डॉनर चौक के पास घेर लिया। फिर उसकी जमकर पिटाई कर दी। फिर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद केहाट थाने की पुलिस होमगार्ड जवान को हिरासत में ले लिया। बच्ची प्रभात कॉलोनी स्थित एक सरकारी स्कूल के चौथी क्लास में पढ़ती है। उसके पिता ठेला चलाते हैं और मां दूसरे के घरों में काम करती है। लड़की के परिजन ने पूछताछ के बाद केहाट थाना में आवेदन देने से इनकार कर गया। इधर, होमगार्ड जवान रमन पोद्दार ने बताया कि उसे फंसाने की साजिश की गई है। उसके ऊपर जो आरोप लगे हैं, वो गलत है। ऐसा कुछ नहीं है। आरोपी जवान रामबाग रेलवे गोमटी के पास का रहने वाला बताया गया है। इस संदर्भ में केहाट थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि बच्ची के ने एक होमगार्ड जवान पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। फिलहाल बच्ची के परिजन के तरफ से कोई भी आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन दिया जाएगा तो जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर जंक्शन पर छेड़खानी

मुजफ्फरपुर। जंक्शन पर छेड़खानी करना एक युवक को महंगा पड़ गया। उसे यात्रियों ने धर दबोचा। उसकी पिटाई भी की गई। इसी बीच रेल पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है जंक्शन के प्लेटफॉर्म एक पर एक युवती खड़ी थी। उसे ढोली जाना था। वह प्लेटफार्म संख्या एक पर खड़ी होकर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान युवती से छेड़खानी करते एक युवक को पकड़ा गया। वही उसकी हल्की पिटाई भी की गयी। इस बीच पहुंची रेल थाना की पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया। रेल थाना ले जाकर गहनता से पूछताछ की गई। युवक के खिलाफ युवती ने लिखित आवेदन दिया है। युवती सकरा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। ढोली जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रही थी। रेल थानेदार किंग कुंदन ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्लेटफॉर्म एक पर एक युवती ट्रेन का इंतजार कर रही थी। उसे ढोली जाना था। युवक भी उसके समीप ही बैठा था।।वह उसे गलत निगाह से देख रहा था।

इसी बीच वह मोबाइल नंबर मांगने लगा। जिसपर युवती ने आपत्ति जताते हुए शोर मचा दी। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उसे दबोच लिया। उसकी पिटाई कर दी गई। बताया कि युवती के बयान पर गिरफ्तार पारू थाना के मणिका निवासी दीपक कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहा से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में डेंगू केस में इजाफा

मरीजों की संख्या 71 पहुंची, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुजफ्फरपुर। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। गुरुवार को भी डेंगू के छह मरीज मिले है। इसके साथ ही जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है। बता दे कि शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी डेंगू के मरीज मिल रहे है। इनके कुछ दूसरे प्रदेश से भी आए हुए है। जिले के मुशहरी प्रखंड में सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज मिले है। गुरुवार को कांटी प्रखंड से दो, सरैया से एक, औराई से एक, मुशहरी से एक और कुढ़नी से एक मरीज मिले है। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के द्वारा जगह जगह फॉगिंग भी करवाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। 500 जांच किट राज्य मुख्यालय से आई है। सभी पीएचसी अस्तर पर भी जांच की सुविधा उपलब्ध है। डेंगू की जांच के लिए स्टैंडर्ड दर 950 रुपया रखा गया है। जो की पिछले साल 800 रुपया था। इस बार केमिकल की कीमत में उछाल के कारण कीट का दाम बढ़ा है। सिविल सर्जन डॉ उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है। जांच बढ़ा दिया गया है। जो भी फीवर का मामला अस्पताल में आ रहा है, उनको इंस्ट्रक्शन दिया जा रहा है कि उनका रैपिड जांच करना है। अगर रैपिड जांच पॉजिटिव आता है तो उनको भर्ती कर लेना है। हरेक जगह दवा का उपाय कर दिया गया है। सभी प्रखंड के अस्पतालों और जिला अस्पताल में सभी दवाई उपलब्ध है। सभी पीएचसी में डेंगू के लिए बेड डेडिकेट करवा दिया गया है। साथ भी मच्छरदानी भी उपलब्ध करवाया गया है। मेडिकल कॉलेज में भी 20 बेड उपलब्ध करवाया गया है। जो लोग गंभीर रूप से बीमार पर रहे है, वैसे ही लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे है। जिनको सिर्फ बुखार लग रहा है, वैसे लोग घर पर ही उपचार करवा रहे है। जगह जगह फॉगिंग भी करवाया जा रहा है। शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी मामला सामने आ रहा है। जिसमें सबसे ज्यादा मुशहरी प्रखंड से मामला सामने आया है। हमलोग पूरी तरह से अलर्ट है। अब माइकिंग भी स्टार्ट करवा दिया गया है। भीड़ भाड़ वाले इलाकों में माइक के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही एंटी लारवा फॉगिंग में भी तेजी लाई जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

बेगूसराय में महिला पर धारदार हथियार से हमला, अपराधियों ने घर में घुसकर गर्दन पर किया वार, हालत गंभीर

बेगूसराय । एक बार फिर से बेखौफ अपराधियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया जहां घर में घुसकर एक महिला को धारदार हथियार से गर्दन काट दिया। जिस महिला गंभीर रूप से घायल हो गई घायल अवस्था में पुलिस ने उसे उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महिला की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। घटना नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के चांदपुरा गांव की है। घायल महिला की पहचान चांदपुरा गांव के रहने वाले रंजीत चौधरी की पत्नी पूजा देवी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि महिला घर में अपने दो बच्चे के साथ रही थी। तभी कुछ अज्ञात अपराधी आए और उसे जबरन धारदार हथियार से महिला के गर्दन को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं इस घटना को अंजाम देकर अपराधी मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर महिला को उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कारण जहां महिला की स्थिति चिंताजनक बनी हुई। परिजनों ने कहा कि पुलिस के द्वारा यह सूचना मिली कि पूजा को किसी ने गर्दन काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आनन फानन में जब सदर अस्पताल पहुंचे थे पूजा घायल अवस्था में पड़ी हुई थी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि गांव के ही कुछ लड़के के ऊपर मामला दर्ज किए थे। इसी आवेश में उस लड़के के द्वारा इस घटना को अंजाम देने की बात कही जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि महिला की घायल महिला अवस्था में बोलने में असमर्थ है। वही अपराधियों ने महिला के ऊपर किस लिए धारदार हथियार से हमला किया है। यह अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुटी हुई है।

गया में ट्रक ने ऑटो में मारी टक्कर, 4 घायल, क्षतिग्रस्त हुआ वाहन

गया ।एक ट्रक ने ऑटो वाहन में टक्कर मार दी मौके से भाग गया। इस घटना में ऑटो में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ऑटो भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। डोभी-चतरा सड़क मार्ग में यह घटना घटी है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से मगध मेडिकल रेफर किया गया है। यह हादसा ज़िले के डोभी प्रखंड अंतर्गत बहेरा ओपी के धीरजा पुल के समीप देर रात घटित हुई है। बताया जा रहा है कि डोभी चतरा सड़क मार्ग के एनएच 99 धीरजा पुल के समीप एक ट्रक की चपेट में ऑटो वाहन आ गया।इस घटना में ऑटो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं इसमें सवार रहे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को देख स्थानीय लोग दौड़े और इस घटना की जानकारी बहेरा ओपीअध्यक्ष पवन कुमार को दी, जिसके बाद बहेरा ओपीअध्यक्ष पवन कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को डोभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। इस संबंध में बहेरा ओपीअध्यक्ष पवन कुमार के अनुसार चारों घायल व्यक्ति गुरुआ थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। चारों को गंभीर रूप से चोटें आई है।बहेरा ओपीअध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि ऑटो को थाने लाया गया है।वहीं घटना करने वाले वाहन की तलाश में कार्रवाई की जा रही है।इस घटना में घायल हुए चारों ऑटो सवार लोग गुरुआ थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जाते हैं।

पटना समेत 12 जिलों में बारिश,12 में चेतावनी

सुपौल में रेड, मधुबनी-दरभंगा में ऑरेंज अलर्ट, बिहार में अगले 3 दिनों तक मेहरबान रहेगा मानसून

पटना। बिहार में मानसून एक बार फिर एक्टिव हो गया है। पटना समेत 12 जिलों में सुबह से बारिश हो रही है। राजधानी के अलावा जहानाबाद, शेखपुरा, जमुई, वैशाली, नालंदा, भागलपुर, गया, मुंगेर, कटिहार, नवादा, सुपौल में भी सुबह बारिश हुई है। पटना के बोरिंग रोड, नेहरू नगर, कदमकुंआ, पाटलिपुत्रा समेत कंकड़बाग के कुछ इलाकों में बारिश हो रही है। इधर मौसम विभाग की माने तो बिहार में अगले तीन दिनों कर मानसून मेहरबान रहेगा। किशनगंज, पूर्णिया में गुरुवार की रात भी बारिश हुई है। इससे 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट

दर्ज की गई है। इससे उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है। किशनगंज में अधिकतम तापमान 7.5 डिग्री तक गिर गया है। मौसम विभाग ने आज पटना सहित प्रदेश के 12 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग ने सुपौल में अत्यधिक भारी बारिश को लेकर के रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पटना, मधुबनी, दरभंगा, वैशाली और समस्तीपुर में भारी बारिश को लेकर के ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि मुजफ्फरपुर, शिवहर, भागलपुर, खगड़िया, मुंगेर और सीतामढ़ी जिले में भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। प्रदेश में एक बार फिर से मानसून की सक्रियता बढ़ने से 28 शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पटना की अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री, वैशाली के तापमान में 3.4 डिग्री, मुजफ्फरपुर के तापमान में 2.9 डिग्री, किशनगंज के तापमान में 7.5 डिग्री। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो मानसून की सक्रियता की वजह से 24 सितंबर तक बारिश की गतिविधियां बेहतर रहेंगी। इस दौरान वज्रपात की घटनाएं भी देखी जा सकती हैं। पटना में आज भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। पूरे दिन पटना में बादल छाए रहेंगे और तेज बारिश होगी। इसके साथ ही मेघ गर्जन और वज्रपात को लेकर के भी मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं गुरुवार को पटना में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली। जिसके कारण से अधिकतम तापमान में2.4 डिग्री की गिरावट

दर्ज की गई है। पटना में शुक्रवार को सुबह से ही बारिश हो रही है। कई इलाकों में जल जमाव की स्थिति बन गई है। सुबह सैर करने वालों को, ऑफिस जाने वाले लोगों के साथ साथ स्कूल जाने वालें बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। राजधानी के पाटलिपुत्रा इलाके की कुछ गलियों में घर से निकलना भी मुश्किल है। राजेंद्र नगर में भी जलजमाव हो गया है। कई जगहों पर खुदाई की वजह से मिट्टी सड़क पर आ गई है। इस वजह से बाइक सवार हादसे का शिकार भी हो रहे हैं।

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्व विद्यालय मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ गुलाब सिंह ने बताया कि समस्तीपुर समेत उत्तर बिहार के जिलों में मानसून सक्रिय हो गया है। अगले दो से तीन दिनों तक जिले में अच्छी बारिश की संभावना है। 25 सितंबर तक जिले के आकाश में बादल छाये रह सकते हैं। जिले के कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की उम्मीद है।

डोर टू डोर जाकर अमृत कलश हेतु मिट्टी संग्रह कर

अमृत कलश यात्रा निकाली गई

संवाददाता

धामपुर। आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव के समापन कार्यक्रम के अवसर पर देश के बलिदान देने वाले वीरों को समर्पित अभियान मेरी माटी, मेरा देश ,के अंतर्गत विकासखंड अल्हैपुर धामपुर की ग्राम पंचायत मुबारकपुर टप्पा भारती में भाजपा विधायक अशोक कुमार राणा, जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी, ब्लॉक प्रमुख क्षमता हेमलता चौहान द्वारा डोर टू डोर जाकर अमृत कलश हेतु मिट्टी संग्रह कर अमृत कलश यात्रा निकाली गई, कार्यक्रम के अवसर पर विधायक अशोक कुमार राणा ,जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान को ब्लॉक प्रमुख क्षमता हेमलता चौहान द्वारा पौधा देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बनाये जा रहे छठे राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत गोदभराई एवं अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम को विधायक अशोक कुमार राणा, जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी तथा ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम में विधायक अशोक कुमार राणा द्वारा मेरी माटी, मेरा देश अभियान के बारे में विस्तार से बताया तथा देश के अमर शहीदों को याद करते हुए उनको नमन किया। तथा कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बॉबी द्वारा मेरी माटी, मेरा देश अभियान पर अपने विचार व्यक्त किए। तथा ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा छठे राष्ट्रीय पोषण माह के बारे में अपने संबोधन में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज प्रताप सिंह ,मंडल अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, अवनीश चौहान, अभिषेक कोहली, खंड विकास अधिकारी त्रिलोकचंद, एडीओ पंचायत नसीम अहमद, एडीओ देवस्वरूप सिंह, प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी हेमलता सैनी, ग्राम पंचायत सचिव सहदेव कुमार, हिमांशु चौहान ,सलमान खान, नीरज कुमार, वीरेंद्र कुमार, कृपाल सिंह ,मनोज कुमार ,आंगनबाड़ी कार्यकत्री आशा पंचायत सहायक वैभव चौहान ,खेम सिंह ,विकास कुमार ,नवीन चौहान, ग्राम प्रधान अनूप कुमार, हेमराज सिंह, निजामुद्दीन ,तथा ग्रामवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

पोषाहार: सरकार की मंशा है कोई न रहे कुपोषित: डिम्पल पांडेय

न्यूज स्पीक्स

कसया, कुशीनगर। हाटा बिकास खण्ड के गांव डुमरीचुरामनछपरा में शुक्रवार को तीनों केंद्रों पर पोषाहार का वितरण किया गया। ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय मौजूदगी में आंगनबाड़ी कार्यकत्री मुन्नी देवी ने गर्भवती व धात्री महिलाओं के साथ-साथ शून्य से तीन वर्ष तक के बच्चों को पोषाहार वितरित किया। प्रधान डिम्पल पांडेय ने कहा कि नियमित तौर पर पोषाहार का सेवन करने से गांव में कुपोषित बच्चों की संख्या घटेगी। गांव को कुपोषण मुक्त बनाने में मदद मिलेगी। इससे जच्चा व बच्चों को जरूरी विटामिन, प्रोटीन व कैलोरी मिलती है। वहीं अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यकत्री उदभावती देवी शशिबाला श्रीवास्तव , सहायिका मंजू देवी नगिना देवी ने भी पोषाहार बांटा। इस अवसर पर राजु कुमार, मनोज कुमार, दिनेश कुमार, मुन्ना दुबे, अजित सिंह, दिवाकर पांडेय, महेंद्र, जयराम, रमेश, मंजेश आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखएगी जनता: सपा नेता का हसमुद्दीन

संवाददाता

कुशीनगर। देवरिया जाते समय समाजवादी पार्टी के विशेष आमंत्रित सदस्य हसमुद्दीन अंसारी का कसया, सिसवा - महन्थ चौराहा व बनवारी टोला व देवरिया जनपद में जगह - जगह सपाइयों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्री अंसारी का पार्टी जनों ने माला पहनाकर स्वागत किया। श्री अंसारी ने कहा कि आम जन जहां त्रस्त है वहीं महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा की नीतियों को जनता समझ गयी है। सपा जनहित की पार्टी है और उसने हमेशा जन विकास किया है। पार्टी में सबका हित है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। प्रदेश व देश में इंडिया गठबंधन विजयी होगा। श्री अंसारी का सिसवा - महन्थ चौराहे पर केदार नाथ यादव, सभासद विजेंदर कुमार सिंह उर्फ भगत सिंह, राम गुलाब यादव, संतोष यदुवंशी, कपिलदेव प्रसाद, संजय यादव, सनौउवर अंसारी, सीनू प्रसाद, अशोक सिंह, वशिष्ट यादव, सुरेश प्रसाद गोंद, जलील अंसारी, मौलवी अंसारी व केश्वर इंटर कालेज बनवारी टोला में पूर्व सपा जिलाध्यक्ष पुरंदर प्रताप यादव, देवेन्द्र यादव, अमरजीत यादव, पूर्व जिपंस मदन यादव आदि ने स्वागत किया।

स्वास्थ्य शिविर में 356 नपाप कर्मियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर कार्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर में 356 कर्मियों की निःशुल्क जांचकर सलाह व दवा वितरित किया गया। सीएचसी कसया के अधीक्षक डा0 मार्कण्डेय चतुवेर्दी के निर्देशन में आरबीएसके टीम ए प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 संजय कुमार सिंह द्वारा स्वास्थ्य टीम के एएनएम मीरा दूबे, विमलेश दूबे, वार्ड ब्वाय किशोर, अमजद अली, वीरेंद्र कुमार शर्मा, राकेश कुमार पाण्डेय, सतीश ओझा, प्रवीण पाण्डेय आदि के सहयोग से दो दिन में 356 कर्मियों की जांच कर सलाह दी गयी। बीपी, हाइपरटेंशन बीपी, शरीर में दर्द, खुजली आदि की जांच की गई। चिकित्साधिकारी डा0 संजय कुमार सिंह ने कर्मियों से काम के वक्त पीपी कीट, मास्क, गोलब्स लगाकर काम करने की सलाह दी और कहा कि इसके बाद शरीर की सफाई के बाद अपने नित्य क्रिया में जाएं। जरूरत की दशा में चिकित्सक की सलाह लें। स्वच्छता के लिए सफाई पर ध्यान दें व आस पास गंदगी न रहे इसका भी ख्याल रखें। नगर के सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान रोस्टर के अनुसार एंटी लार्वा एवं कीट नाशक दवाओं का छिड़काव एवं फागिंग कराया जा रहा है। जिनकी लाइव मॉनिटरिंग सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक की जा रही है। इस दौरान ईओ संतोष कुमार, लिपिक राजेश श्रीवास्तव, स्वच्छता प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी, रास बिहारी श्रीवास्तव, उग्रसेन शर्मा, हरेंद्र यादव, मुस्तफा, साकेत गोविंद राव, विजय यादव, राजकुमार आदि कर्मी मौजूद रहे।

डीएम ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में ली विद्युत विभाग की बैठक

संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाए। साथ ही शिकायत के निस्तारण के समय संबंधित स्थल का जिओ टैग फोटो, गवाहों के हस्ताक्षर के उपरान्त की आख्या पोर्टल पर अपलोड की जाए।

उन्होने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी जन शिकायतों एवं समस्याओं के निस्तारण के प्रति गंभीर एवं संवेदनशील हैं। समय से शिकायतों, समस्याओं का निस्तारण न कर आप शासन के निदेर्शों का सीधे तौर पर उल्लंघन कर रहे हैं, जोकि किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं। उन्होंने कहा कि शासन के निदेर्शों का उल्लंघन करने पर लापरवाह व दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट ने आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि आईजीआरएस शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इस संबंध में सरकार का रुख भी स्पष्ट है। शासनादेश में उन सभी बातों का स्पष्ट रूप से जिक्र है कि कैसे-कैसे पूरी पारदर्शिता के साथ समस्याओं, शिकायतों का निराकरण कराया जाना है।

उन्होने निर्देश कि जनसुनवाई पोर्टल को प्रतिदिन देखा जाए और ध्यान रखें कि कोई भी सन्दर्भ डिफाल्टर न हो। जन सुनवाई पोर्टल पर प्रकरण डिफाल्टर होता है तो सम्बन्धित अधिकारी के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुये शासन को अवगत करा दिया जायेगा। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलिता क्षम्य नही होगी। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। अगले माह में जनपद की बेहतर रैंकिंग आए इसके लिए सभी अधिकारी हर संभव प्रयास करें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि जिस स्तर पर शिकायत लंबित है या शिकायतकर्ता असंतुष्ट है, तो उसका कारण जानकर शीघ्र समाधान कराना सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पायी जाने पर जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, मुख्य अभियन्ता श्री ए0के0अत्रेय सहित सभी अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला गंगा सुरक्षा समिति एवं पर्यावरण समिति की बैठक

संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा सुरक्षा समिति एवं पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिला गंगा सुरक्षा समिति के अन्तर्गत उप कृषि निदेशक को जनपद में जैविक खेती के संबंध में किये गये कार्यों की सफल कहानियों से अवगत कराने के निर्देश दिये गये। कुंआखेडा और गंदेवडा को जनपद में टूरिस्ट मॉडल के रूप में बनाए जाने के निर्देश दिये गये।

कुआंखेडा में गंगा आरती के कार्यक्रम को नियमित रूप से संचालित करने के लिए गंगा समिति के नाम से समिति बनाने के निर्देश दिये गये जिसमें उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम प्रधान सदस्य रहेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य गंगा आरती के कार्यक्रम का सफल संचालन होगा। गणेश महोत्सव के दौरान पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियां तैयार कराने तथा विसर्जन के लिए तालाब व कुण्ड चिन्हित करने के संबंध में नगर निगम एवं पंचायती राज विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गयी। इसी तरह गंगा प्रहरी एवं बाल प्रहरी को चिन्हित करने के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गये। जिलाधिकारी ने पर्यावरण समिति के अन्तर्गत मेला गुघाल में पर्यावरण सुरक्षा संबंधी बिन्दुओं के अनुश्रवण के लिए नगर निगम को समिति बनाने के निर्देश दिए गये। उन्होने पर्यावरण सुरक्षा के लिए अस्थाई शौचालय, प्लास्टिक का उपयोग न करने, तथा मेला का प्लास्टिक फ्री करने के निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि प्रदूषण फैलाने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होने निर्देश दिये कि सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्ण रूप से प्रतिबंध करने करने के लिए जुमार्ने की कार्यवाही को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए। इस संबंध में अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करना सुनिश्चित करें। ध्वनि प्रदूषण को कम करने हेतु साईलेंस जोन एवं साईन बोर्ड लगाने के लिए एनएएचआई, नगर निगम एवं पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए। निजी अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मोटिवेशन के लिए कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने हिण्डन नदी के किनारे किये गये वृक्षारोपण के बेहतर प्रयास की सराहना की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री विजय कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री रजनीश कुमार मिश्र, डीएफओ श्री गौतम राय, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री डी0सी0पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री आलोक कुमार शर्मा सहित उद्योगबंधु श्री अनुपम गुप्ता तथा संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दस लक्षण धर्म के चौथे दिन उत्तम सत्य धर्म की हुई पूजा

संवाददाता

नकुड़। जैन मंदिर में पर्वत राज पर्युषण पर्व की धूम के साथ चौथे दिन उत्तम सत्य धर्म की पूजा-अर्चना करते हुए पारसनाथ भगवान एवं पुष्पदंत भगवान को 108 अर्घ समर्पित किए गए। स्वाध्याय मंडल से नीलम जैन ने उत्तम सत्य धर्म की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि झूठ का त्याग करते हुए जो जैसा है उसको वैसा कहना उत्तम सत्य धर्म है। उन्होंने बताया कि सत्य मार्ग पर चलने वाला भवसागर से पार हो जाता है। जैन मिलन के महामंत्री पंकज जैन, विवेक जैन, राजेश जैन राजू ने बताया कि विगत रात्रि जैन समाज के अध्यक्ष एडवोकेट संदीप जैन की ओर से आयोजित धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और पुरुस्कार प्राप्त किए। इसी कड़ी में आज रात्रि महिला जैन मिलन द्वारा धार्मिक तंबोला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

जबकि जैन मिलन द्वारा निकाले गए लकी ड्रा में अंजलि जैन, सिद्धार्थ जैन, मनीषा जैन लक्की रहे। धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता में राजीव जैन,पंकज जैन,वर्धन जैन,संजय जैन,विवेक जैन,राजेश जैन राजू,अवनीश जैन,सुनील जैन,शिवम जैन,मुकेश जैन, नीलम जैन, निशा जैन, सारिका जैन,बीना जैन,नियति जैन,सरिता जैन,अंजलि जैन,मंजू जैन,राखी जैन,शिवांगी जैन,आस्था जैन आदि ने पुरुस्कार जीते।

स्वच्छता जागरुकता को निकाली रैली

संवाददाता

चिलकाना। चिलकाना नगर पंचायत की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत जागरुकता रैली निकाली गई। रैली में डीटीएस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी सहभागिता निभाई। शुक्रवार की सुबह को नगर पंचायत द्वारा चलाये गए अभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न मौहल्लो में साफ सफाई करवाई गई। रैली के माध्यम से स्कूली बच्चों ने नगर वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। रैली का शुभारंभ करते हुए चेयरपर्सन फूल बानो अंसारी ने कहा कि स्वच्छता पखावाड़ा के अंतर्गत नगर में अलग अलग जगहो पर सफाई अभियान चलाकर नगरवासियों को स्वच्छता केप्रति जागरूक किया जायेगा । इस दौरान ईओ एजाज अहमद, हाजी इसरार, भाजपा नेता जायर हुसैन, पंचायतकर्मी नफीस, राजिक, प्रताप सैनी एवं प्रधानाचार्य मुन्तजीर अहमद, सोनू अंसारी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

शिक्षक समाज का आईना है: बीएसए राम जियावन मौर्य

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान कुशीनगर के प्रांगण में मिशन शिक्षण संवाद के तत्वावधान में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में जनपद के उत्कृष्ट शिक्षकों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डाक्टर राम जियावन मौर्य के द्वारा अंग वस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया हाटा बिकास खण्ड के न्यायपंचायत अहिरौली राय से बिपिन कुमार सिंह और परेवाटार न्याय पंचायत से शिक्षक देवानंद दूबे व हरेंद्र चौरसिया, महेश कर्णधार, चन्द्रहास लक्ष्मी, श्री नूतन शुक्ल, तारिक अहमद, संतोष ,शिल्पी मिश्रा, कृष्ण गोपाल आदि को उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कुशीनगर के द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डाक्टर राम जियावन मौर्य ने शिक्षकों सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षक समाज का आईना है शिक्षक सही दिशा दिखाता है और शिक्षकों के उपर बच्चों का भविष्य टिका रहता है कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजू सिंह संचालन सुनील सिंह व सूर्य प्रकाश ने किया इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय, रीता गुप्ता, सुरेन्द्र बहादुर , जयप्रकाश, जिला समन्वयक सतेन्द्र मौर्य, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल, जिलाध्यक्ष अविनाश शुक्ल, धर्मेंद्र पांडेय, महेश कर्डधार उपस्थित रहे।

हत्या का प्रयास करने वाले 05 वांछित अभियुक्तगण गिरफ्तार

संवाददाता

सहारनपुर। थाना मंडी पुलिस द्वारा हत्या का प्रयास करने वाले 05 वांछित अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। 20 सितम्बर को जे0वी0 जैन इण्टर कालेज थाना मण्डी सहारनपुर में छात्रों के बीच हुए झगडे में अभियुक्त समीर द्वारा फोन करके अपने कालेज से बाहर के दोस्तो को बुलाकर लक्की नाम के छात्र पर चाकू से हमला करके गम्भीर रूप से घायल कर देने के सम्बन्ध में थाना मण्डी पर सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मजरूब का प्राथमिक उपचार कराया गया तथा तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताडा के निर्देशन मे वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक मण्डी धर्मेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर घटना में शामिल 05 अभियुक्तगण समीर पुत्र अब्दुल मालिक,जुनैद पुत्र जही, यूसुफ पुत्र मुन्फैत, शाकिब पुत्र अकबर, दानिश पुत्र यासीन को बेहट अड्डे के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगणो के विरूद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। मुख्य अभियुक्त समीर उपरोक्त ने पूछताछ पर बताया कि मेरी लक्की से स्कूल में कहासुनी हो गयी थी। मैने अपने स्कूल के लड़के उमर के मोबाईल से अपने दोस्त जुनैद के मोबाईल पर फोन करके अपने दोस्तो जुनैद, यूसुफ, शाकिब व दानिश को स्कूल जे0वी0 जैन इण्टर कालेज में बुलाया था। मैं व मेरे चारो दोस्त लक्की से बातचीत करने आये थे, तो वहीं स्कूल में हमारी गाली गलौच व मारपीट हो गयी थी।

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट से हाजी इकबाल के परिवार को बड़ी राहत

संवाददाता

सहारनपुर । जनपद में खनन के बड़े कारोबारी पूर्व एमएलसी हाजी मोहम्मद इकबाल के परिवार को सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद अब ईडी कोर्ट से भी राहत मिलने की खबर सामने आ रही है । हाजी इकबाल के अधिवक्ता ने ईडी कोर्ट में याचिका दाखिल कर पक्ष रखने के लिए समय मांगा हैझजिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए समय दिया है और कहा की उनकी जमानत याचिका पर फैसला होने तक कोई भी दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगाझऔर तब तक जब्त प्रॉपर्टी मुकदमों में कोई निर्णय नहीं लिया जाये साथ ही किसी भी तरह का कोई उत्पीड़न नहीं किया जाएगाझवही हाजी इकबाल के परिवार की एक और अपनी संपत्ति को खुर्दबुर्द करने के गंभीर आरोप लगाये गये हैझजेल में बंद हाजी इकबाल के पुत्र वाजिद ने अपने अधिवक्ता धनंजय शुक्ला माध्यम से सीएम पोर्टल पर शिकायत के साथ ही शासन और प्रशासन के दर्जन भर आला अफसरों को शिकायत भेजी गई हैझआरोप लगाया कि पुलिस और कुछ लोगो के साथ मिल कर उनकी गौशाला से 50 गाये बेच दी और उनके बागो में खड़े लाखों रूपयो के कीमती पेड़ों को भी काट कर बेच दिया गया हैझसीएम पोर्टल पर की गई शिकायत के बाद शासन ने जांच के आदेश दिए है।

श्री जाहरवीर गोगा म्हाड़ी मेला छड़ियों की भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ प्रारम्भ

संवाददाता

नकुड़। नगर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री जाहरवीर गोगा म्हाड़ी मेला शुरू हुआ। मेले से पूर्व नगर में छड़ियो के निशान की भव्य शोभायात्रा श्री जाहरवीर चौक से प्रारम्भ होकर नगर के पुराना बस स्टैंड से जनक बाजार को होते हुए श्री प्राचीन नकुलेश्वर महादेव मंदिर से होते हुए श्री जाहरवीर गोगा जी म्हाड़ी पर सम्पन्न हुई। छड़ियो के म्हाड़ी पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया व पूजा अर्चना कर छड़ियो को उनके स्थान पर विराजमान कर पूजा अर्चना शुरू की गयी।छड़ियो के मेला प्रांगण में पहुंचने पर प्रसाद चढ़ाने वाले श्रद्धालुओं की लम्बी लम्बी लाइन प्रारम्भ हो गयी।

क्यों पीएम मोदी ने संसद पर हमले को किया याद

भारत के संसदीय लोकतंत्र के लिये 13 दिसंबर, 2001 काला दिन था। उस दिन देश के दुश्मनों ने हमारे लोकतंत्र के मंदिर को निशाना बनाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए संसद पर हुए उस हमले का उल्लेख करके उन शूरवीरों के प्रति देश की कृतज्ञता को ज्ञापित किया जिनकी बहादुरी के कारण ही संसद भवन के अंदर आतंकी घुस नहीं सके थे। तब संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा था। उस दिन विपक्षी सांसद राज्यसभा और लोकसभा में हंगामा काट रहे थे। सदन को तत्काल 45 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी संसद से घर की ओर जा चुके थे। हालांकि, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी समेत अन्य सांसद संसद भवन में मौजूद थे। तभी सफेद एंबेसडर कार से जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के पांच आतंकी संसद भवन परिसर में प्रवेश करते हैं। भारत के दुश्मनों ने संसद भवन में दाखिल होते ही ताबड़तोड़ गोलीबारी चालू कर दी। जिस दिन संसद भवन पर हमला हुआ था उस दिन दिल्ली में गुलाबी धूप खिली हुई थी। किसी ने ख्वाब में भी नहीं सोचा था कि आज संसद भवन पर हमला करने का कोई साहस करेगा। संसद भवन परिसर में धमाकों की आवाज सुनकर लालकृष्ण आडवाणी संसद भवन से बाहर आते हैं। तभी सुरक्षाकर्मी उन्हें रोक देते हैं, हमले की जानकारी देते हैं। इतना सुनते ही उपप्रधानमंत्री आडवाणी संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में चले जाते हैं और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को फोन करते हैं। संसद पर हुए हमले में राज्यसभा सचिवालय के सुरक्षा सहायक जगदीश प्रसाद यादव, मातबर सिंह नेगी, केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) की कॉन्स्टेबल कमलेश कुमारी, दिल्ली पुलिस के उप निरीक्षक रामपाल, नानकचंद, हेड कॉन्स्टेबल ओम प्रकाश, बिजेन्दर सिंह और घनश्याम तथा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के एक माली देश राय शहीद हो गये थे। कृतज्ञ राष्ट्र इन शहीदों को सदैव याद रखेगा। इन्होंने भारत विरोधी ताकतों की कोशिशों को नाकाम कर दिया था। बेशक, यदि संसद भवन में तैनात बहादुर सुरक्षाकर्मियों ने आतंकियों का डटकर मुकाबला न किया होता तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। संसद भवन पर हुए उस हमले में सबसे पहले केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) की कमलेश कुमारी यादव ने वतन के लिये अपनी जान का नजराना पेश किया था। कमलेश कुमारी की ड्यूटी संसद भवन के गेट नंबर एक पर थी। कमलेश कुमारी ने देखा कि एक एंबेसडर कार (डीएल3सीजे 1527) वहां से बिना उनकी अनुमति लिए संसद में तेजी से अंदर चली गई। कमलेश कुमारी को गड़बड़ नजर आई। वो भागकर अपने गेट को बंद करने लगीं और फिर उन्होंने बाकी गेटों पर तैनात अपने साथियों को सतर्क भी कर दिया। इसी दौरान चेहरे पर नकाब ओढ़े आतंकियों ने उन पर गोलियों की बौछार कर दी। उन्हें 11 गोलियां लगीं। यह 11.50 बजे की घटना है। अगर कमलेश कुमारी ने तुरंत अपने सहयोगियों को अलर्ट न किया होता तो आतंकियों को संसद भवन में बम विस्फोट करने का मौका मिल जाता। आतंकियों के पास एके-47 और हैंड ग्रेनेड थे। कहना होगा कि संसद पर हमले के कुछ पलों के भीतर ही सुरक्षाकर्मी आतंकियों से टक्कर लेने के लिये तैयार हो गये थे। तब ही एक आतंकी ने गेट नंबर-एक से संसद भवन में घुसने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने उसे वहीं ढेर कर दिया। इसके बाद उसके शरीर पर लगे बम में भी ब्लास्ट हो गया। फिर पहले से संसद भवन परिसर में घुस चुके तीन आतंकियों को मार दिया गया। इसके बाद बचे हुए आखिरी आतंकी ने गेट नंबर-5 की तरफ दौड़ लगाई, लेकिन वो भी जवानों की गोली का शिकार हो गया। बहरहाल, संसद हमले के दो दिन बाद ही 15 दिसंबर 2001 को अफजल गुरु, एसएआर गिलानी, अफशान गुरु और शौकत हुसैन को गिरफ्तार कर लिया गया। इन सबने संसद पर हमले की साजिश रची थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने अफजल गुरु को मौत की सजा सुनाई। उसे 9 फरवरी 2013 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में सुबह 8 बजे फांसी पर लटका दिया गया। पूरे मामले की जांच के दौरान पता चला था कि अफजल ने पाकिस्तान में आतंकी ट्रेनिंग ली थी। बहरहाल, अब देश की संसद को अपना नया भवन मिल गया है। बेशक, देश आतंकवाद के खिलाफ एक साथ मिलकर लड़ता रहेगा। जब भी देश के सामने आतंकवाद से जुड़े सवाल आयेंगे तब भारत का उत्तर कठोर ही होगा। आतंकवाद के बिन्दु पर सभी राजनीतिक दल और सारे देश की आम जनता एक हैं। कहीं कोई मतभेद नहीं है। इसके साथ ही देश चाहेगा कि नए संसद भवन में कम से कम उन दो प्रस्तावों पर अमल करने की दिशा में भी भी पहल हो जिन्हें देश की संसद ने पारित किया हुआ है। बता दें कि देश की संसद में 8 नवंबर, 1962 को उस प्रस्ताव को रखा गया था जिसमें चीन से देश के उस हिस्से (अक्सईचिन) को वापस लेने के संबंध में जिस पर चीन ने 1962 की जंग के बाद कब्जा लिया था। प्रस्ताव में कहा गया था- ह्लये सदन पूरे विश्वास के साथ भारतीय जनता के संकल्प को दोहराना चाहता है कि भारत की पवित्र भूमि पर से आक्रमणकारी को खदेड़ दिया जाएगा। इस बाबत भले ही कितना लंबा और कठोर संघर्ष करना पड़े।ह्व इस प्रस्ताव को 14 नवंबर को पारित कर दिया। जब भी देश की पहली संसद भवन का इतिहास लिखा जायेगा तब उसमें 22 फरवरी,1994 का अवश्य उल्लेख होगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक क्षण! 140 करोड़ भारतवासियों को बहुत-बहुत बधाई! नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े बिल को वोट देने के लिए राज्यसभा के सभी सांसदों का हृदय से आभार। सर्वसम्मति से इसका पास होना बहुत उत्साहित करने वाला है। इस बिल के पारित होने से जहां नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा, वहीं इनके सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरूआत होगी। यह सिर्फ एक कानून नहीं है, बल्कि इसके जरिए राष्ट्र निर्माण में अमूल्य भागीदारी निभाने वाली देश की माताओं, बहनों और बेटियों को उनका अधिकार मिला है। इस ऐतिहासिक कदम से जहां करोड़ों महिलाओं की आवाज और बुलंद होगी, वहीं उनकी शक्ति, साहस और सामर्थ्य को एक नई पहचान मिलेगी।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

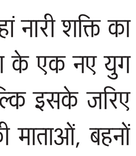

माननीय झारखण्ड हाईकोर्ट परिसर में हाईकोर्ट के दिवंगत न्यायाधीश जस्टिस कैलाश प्रसाद देव जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

निपाह से निपटने की चुनौती

ANALYSIS

✍ योगेश कुमार गोयल

निपाह संक्रमण के बारे में आईसीएमआर का कहना है कि कोविड में जहां मृत्युदर महज दो-तीन प्रतिशत थी, वहीं निपाह में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत है। केरल में निपाह वायरस की जांच के लिए कुछ लोगों के सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे गए हैं और एनआईवी के सीरो सर्वे में पता चला है कि वायरस दूसरे राज्यों तक पहुंच रहा है। एनआईवी के वैज्ञानिकों को निपाह वायरस को लेकर दूसरे सीरो सर्वे में केरल सहित गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी इत्यादि के चमगादड़ों में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी मिली हैं। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी में पहले भी एंटीबॉडी मिली थी। यही कारण है कि केरल सरकार के साथ-साथ केन्द्र सरकार भी निपाह के मामलों को लेकर सक्रिय है। दरअसल 2018 में केरल में यह बीमारी जो कहर बरपा चुकी है, वह खौफनाक मंजर एक बार फिर लोगों की आंखों के सामने आने लगा है।

केरल में निपाह के बढ़ते खतरे को देखते हुए अन्य राज्यों को भी अलर्ट किया जा चुका है। दरअसल इस वायरस के बारे में कहा जा रहा है कि इस संक्रमण के कारण मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। राज्य में सामने आए छह निपाह मरीजों में से दो की मौत चुकी है और केरल की स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक फिलहाल संक्रमित व्यक्तियों की सम्पर्क सूची में सैंकड़ों स्वास्थ्यकर्मियों सहित एक हजार से भी अधिक लोग हैं, जिनमें सैंकड़ों उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। निपाह संक्रमण के बारे में आईसीएमआर का कहना है कि कोविड में जहां मृत्युदर महज दो-तीन प्रतिशत थी, वहीं निपाह में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत है। केरल में निपाह वायरस की जांच के लिए कुछ लोगों के सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे गए हैं और एनआईवी के सीरो सर्वे में पता चला है कि वायरस दूसरे राज्यों तक पहुंच रहा है। एनआईवी के वैज्ञानिकों को निपाह वायरस को लेकर दूसरे सीरो सर्वे में केरल सहित गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी इत्यादि के चमगादड़ों में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी मिली हैं। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी में पहले भी एंटीबॉडी मिली थी। यही कारण है कि केरल सरकार के साथ-साथ केन्द्र सरकार भी निपाह के मामलों को लेकर सक्रिय है। दरअसल 2018 में केरल में यह बीमारी जो कहर बरपा चुकी है, वह खौफनाक मंजर एक बार फिर लोगों की आंखों के सामने आने लगा है। उस समय 23 संक्रमितों में से 21 की मौत हो गई थी लेकिन उसके बावजूद इन पांच वर्षों में 2019

और 2021 में भी इस संक्रमण का प्रकोप झेलने के बाद भी निपाह के उपचार के विकल्पों के मामलों में परिस्थितियां जस की तस हैं। आज भी इस बीमारी का कोई कारगर इलाज मौजूद नहीं है। पहले जान लें कि निपाह आखिर है क्या और यह इतना खतरनाक क्यों माना जाता है? निपाह ऐसा वायरस है, जो चमगादड़, सुअर, कुत्तों, घोड़ों इत्यादि से फैलता है। ह्यफ्रूट बैट्सह्व अर्थात फलाहारी चमगादड़ इस वायरस के वाहक होते हैं। यह बहुत तेजी से फैलने वाला खतरनाक संक्रमण है, जिसे तुरंत रोक पाना बहुत कठिन होता है। भारत में निपाह संक्रमण से औसत मृत्यु दर 75 फीसदी से भी अधिक रही है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के पास निपाह संक्रमण को रोकने के लिए कोई खास पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि निपाह देश के पूर्ण साक्षर राज्य केरल में बार-बार दस्तक देने में सफल हो रहा है? पर्यावरणविदों का कहना है कि जून 2018 में केरल को निपाह मुक्त घोषित करने के बाद इतने कम अंतराल में इस वायरस के बार-बार सिर उठाने के पीछे सबसे प्रमुख कारक शहरीकरण है क्योंकि अंधाधुंध शहरीकरण के चलते मनुष्यों ने जंगलों को भी नहीं छोड़ा है और निपाह के लिए जिम्मेदार चमगादड़ों के रहने के लिए अब जंगल सीमित रह गए हैं। चमगादड़ों के निवास स्थान नष्ट होने से चमगादड़ तनावग्रस्त हो जाते हैं और भूखे रहते हैं, जिससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है और उनके भीतर वायरस का भार बढ़ जाता है, जो मूत्र और लार के जरिये बाहर आता है। इन्हीं के जरिये यह वायरस जानवरों तथा मनुष्यों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से टेरोपस जींस नामक नस्ल के चमगादड़ों के संक्रमण द्वारा फैलता है और बाद में महामारी का रूप धारण कर लेता है। ये चमगादड़ जिस पेड़ पर रहते हैं, वहां मूत्र और लार के जरिये इस वायरस को फैला देते हैं और फिर जो भी मनुष्य या जानवर जाने-अनजाने में उस पेड़ के फल खाता है, वह निपाह से संक्रमित हो जाता है। भारत के दक्षिणी राज्यों और विशेषकर केरल में तो यह फलभक्षी चमगादड़ बहुतायत में हैं, जो श्रीलंका तक फैले हैं। सबसे पहले निपाह वायरस का पता 1998 में मलेशिया में सुअर पालने वाले किसानों के बीच फैली महामारी के दौरान चला था। तब निपाह वायरस का पहला मामला मलेशिया के एक गांव कम्पुंग सुंगई निपाह में सामने आया था, जिसके बाद इसी गांव के नाम पर इस वायरस का नाम निपाह रखा गया। उस समय इस बीमारी के वाहक सूअर बनते थे लेकिन उसके बाद जहां-जहां भी निपाह के मामले सामने आए, सुअरों के बजाय फ्रूट बैट निपाह के सबसे बड़े वाहक बनकर सामने आए। पहली बार मलेशिया में इस बीमारी का पता चलने और सिंगापुर के भी इससे प्रभावित होने के दौरान पाया गया था कि निपाह वारयस से संक्रमित अधिकांश व्यक्ति बीमार सुअरों या उनके दूषित उत्तकों के सीधे सम्पर्क में आए थे लेकिन उसके बाद बांग्ला देश तथा भारत में निपाह के कारण महामारी फैलने का सबसे संभावित स्रोत चमगादड़ों के मूत्र व लार से संक्रमित फल अथवा इन संक्रमित फलों से निर्मित उत्पाद या ताड़ी का सेवन रहा। अन्य वायरस संक्रमणों के मुकाबले निपाह ज्यादा खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इससे निपटने के लिए अब तक कोई वैक्सीन बनाने में सफलता नहीं मिली है अर्थात इसका कोई कारगर इलाज नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार निपाह इंसेफ्लाइटिस संक्रमण है, जो छूने मात्र से बड़ी तेजी से पूरे शरीर में फैलता है। इसकी चपेट में आने वाला व्यक्ति 24-48 घंटे के भीतर कोमा में जा सकता है और ऐसी स्थिति होने पर रोगी के बचने की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। इंसेफ्लाइटिस यानी दिमागी बुखार में सिरदर्द, तेज बुखार, सांस लेने में दिक्कत, सुस्ती, उलझन, याददाश्त कमजोर होना, चक्कर आना, भ्रम होना, मिर्गी आना और दौरे पड़ने जैसी शिकायत सामने आती हैं। निपाह वायरस बच्चों को सबसे पहले और आसानी से अपनी गिरफ्त में लेता है। पशुजनित यह बीमारी चमगादड़ों या सुअरों के जरिये मनुष्यों में फैलती है और यह दूषित भोजन तथा मनुष्य से मनुष्य के सम्पर्क से भी फैल सकती है। बचाव व रोकथाम ही निपाह संक्रमण का एकमात्र उपचार है। चूंकि अभी तक इस वायरस से बचने के लिए कोई वैक्सीन तैयार करने में सफलता नहीं मिली है, इसलिए निपाह संक्रमण को फैलने से रोकने का एकमात्र उपाय लोगों को इससे बचाव के उपायों की समुचित जानकारी देना और जागरूकता का व्यापक प्रचार-प्रसार ही है।

लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

कनाडा बदले भारत विरोधी नीति

भारत और कनाडा के रिश्ते तल्ख को चले हैं। जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच मुलाकात में कनाडा की धरती से संचालित भारत विरोधी गतिविधियों को बंद करने की नसीहत दी गयी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कह दिया था कि कनाडा को खालिस्तान जैसे आतंकी संगठन पर कठोर कदम उठाने होंगे। लगता है भारत की नसीहत जस्टिन ट्रूडो को अच्छी नहीं लगी। सम्मेलन से वापस लौटने के बाद बगैर सबूत के हरजीत सिंह निज्जर की हत्या का आरोप उन्होंने भारत पर मढ़ दिया। हालाँकि भारत ने इससे साफ तौर से इनकार किया है। लेकिन यह कनाडा की राजनीतिक चाल है। जस्टिन सरकार कनाडा में रह रहे भारतीय मूल के सिख समुदाय की सहानुभूति लेना चाहती है। जबकि सच यह है कि सरकार अभी तक यह पता ही नहीं लगा पाई की निज्जर की हत्या क्यों और किसने की। इस मामले कनाडा जाँच आयोग क्यों नहीं बैठाता। भारत जैसे सहिष्णु राष्ट्र पर बगैर साक्ष्य के यह आरोप क्यों लगाती है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस मामले पर जल्दबाजी दिखाते हुए भारतीय राजनयिक को देश से निकल जाने का फरमान सुना दिया। लिहाजा भारत को भी ऐसा करना था, भारत ने भी कनाडा के डिप्लोमैट को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। इस घटना के बाद से दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। भारत आतंकवाद के खिलाफ हमेशा से दुनिया के मंच पर आवाज उठाता रहा है। वह संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और दूसरे वैश्विक मंचों पर अपनी बात बेहद मजबूती से करता रहा है। क्योंकि आतंकवाद से वह स्वयं पीड़ित है। आतंकवाद की जितनी पीड़ा भारत झेल रहा है शायद दुनिया का कोई भी देश इस समस्या से ग्रसित हो। पाकिस्तान और कनाडा हमेशा से अलगाववादी संगठन खालिस्तान का समर्थन करता रहा है। हरदीप सिंह निज्जर पंजाब का रहने वाला था। जून में उसकी हत्या कनाडा में हुई थी। जिस पर काफी प्रदर्शन हुआ था। कनाडा में इस मामले ने इतना तूल पकड़ा की प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को संसद में बयान देना पड़ा। अपनी सरकार को घिरता देख बड़ी चालाकी से हरदीप की हत्या का आरोप भारतीय एजेंटों पर मढ़ दिया। अगर यह मामला हद के पार जाता तो जस्टिन की कुर्सी फंस सकती थी। क्योंकि कनाडा में काफी संख्या में सिख समुदाय रहता है। वहां सिख समुदाय इतना मजबूत है कि सरकार बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखता है। जिसका नतीजा है कि कनाडाई पीएम अपना गला फंसता देखा तो हत्या का कलंक भारत के सिर पर मढ़ दिया। क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से जी-20 मुलाकात में खालिस्तान का समर्थन करने वाले संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' के खिलाफ कठोर कदम उठाने की नसीहत दी गई थी। भारत और कनाडा के बीच तल्ख सम्बन्धों का लाभ खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू उठाना चाहता है। कनाडा में उसने सिख फॉर जस्टिस संगठन बनाया है जो भारत में अलग से खालिस्तान देश बनाने की वकालत करता है। पन्नू ने हिंदुओं को कनाडा छोड़ने का फरमान सुनाया है। इसके अलावा भारतीय दूतावास को बंद करने की भी धमकी दी है। इससे साफ जाहिर होता है कि पन्नू और कनाडा सरकार एक साथ मिलकर एक दिशा में काम कर रहे है। क्योंकि जस्टिन ट्रूडो को मालूम है कि खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू और उसके संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य के लिए यह कदम अच्छा नहीं होगा। ऐसी हालत में अपनी कुर्सी बचाने के लिए वह आतंकी पन्नू से मिले हुए हैं। कनाडा में रह रहे सिखों की सुरक्षा की आड़ में वह सियासत का घिनौना खेल खेल रहे हैं। कनाडा और भारत के संबंध वैसे भी काफी पुराने हैं। लेकिन खालिस्तानी आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस की तरफ से वहां भारत विरोधी हवा दिए जाने के बाद से भारत और कनाडा के संबंध नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। ॠ20 का मंच ट्रूडो के लिए एक बेहतर अवसर हो सकता था, लेकिन उन्होंने इसे खो दिया। दुनिया का कोई भी देश अपनी संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ उठने वाली आवाज को क्यों बर्दाश्त करेगा। अगर भारत में पन्नू जैसे लोग वही हरकत कनाडा के खिलाफ करते तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होती। भारत एक सक्षम राष्ट्र है। दुनिया में भारत की इमेज है, यह कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को समझाने की बात नहीं है। इस बात को अच्छी तरह वह समझ रहे हैं। खालिस्तान संगठन का समर्थन तो अपने सियासी लाभ के लिए करना चाहते हैं, लेकिन भारत इस स्थिति को बर्दाश्त करने वाला नहीं है। जस्टिन ट्रूडो की तरफ से जो कदम उठाए गए हैं उसका असर निश्चित रूप से भारत और कनाडा के बीच होने वाले व्यापार पर पड़ेगा। दुनिया में भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का हमेशा से अगुवा रहा है। वह हमेशा अलगाववाद नहीं शांति की बात करता रहा है। जबकि कनाडा नाटो का सदस्य रहा इसके बाद भी भारत ने कनाडा से संतुलन बनाए रखा। लेकिन हाल में कनाडा जिस तरह की गंदी नीति का परिचय दिया है उसका जवाब भारत में मुंहतोड़ देगा। कनाडा, रूस जैसा हमारा मित्र राष्ट्र नहीं रहा है। उसने कश्मीर में भी जनमत संग्रह का समर्थन किया था। इसके अलावा भारत ने जब 1974 और 1998 में परमाणु परीक्षण किया था तो कनाडा ने इसका विरोध किया था। भारत पर आर्थिक प्रतिबंध भी लगाया था। कनाडा और भारत के बीच रिश्तों में आए तनाव की मुख्य वजह सिख फॉर जस्टिस संगठन हैं। खालिस्तान की आड़ में आतंकी पन्नू भारत विरोधी गतिविधियां चलाता रहा है। कनाडा में आए दिन यह संगठन भारत के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

नदियों का वर्तमान परिदृश्य : कारण एवं समाधान

नदी और मानव का संबंध अनादिकाल से ही रहा है। पाषाणयुगीन प्राचीनतम संस्कृतियों के अधिकतर साक्ष्य नदियों के किनारे पर ही मिले हैं, और समय के साथ-साथ नदियों के किनारे कई सभ्यताएं भी पल्लवित एवं पुष्पित हुई हैं। भारतीय सनातन संस्कृति में नदियों को पूजनीय मानते हुए माँ का दर्जा दिया गया है। श्री रामचरितमानस में वर्णित है कि ह्लगंग सकल मुद मंगल मूल सब सुख करणी हरि सब सुलाह्व अर्थात वह अनंत सुख प्रदान करती हैं और सभी प्रकार के दुखों को मिटा देती हैं। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, स्कंदपुराण एवं अन्य ब्राह्मण ग्रंथों में गंगा की महिमा का वर्णन किया गया है। ऐसी मान्यता है कि गंगा नदी में स्नान और नर्मदा नदी को दर्शन मात्र से ही पुण्य प्राप्त होता है। भारत को नदियों का देश माना जाता है तथा यहाँ छोटी और बड़ी नदियों को मिलाकर लगभग 4000 से अधिक नदियाँ है। हिमालय की नदियों में, ग्लेशियर प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करते हैं, जिसमें पिघलने वाली बर्फ वर्ष भर प्रवाह सुनिश्चित करती है, किन्तु प्रायद्वीपीय नदियां अधिकांशतः वर्षा जल पर निर्भर हैं। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र, यमुना, चंबल, बेतवा, सोन, कोसी और घाघरा हिमालय प्रणाली से संबंधित नदियाँ हैं, जबकि प्रायद्वीपीय जल निकासी प्रणाली में नर्मदा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, ताप्ती, साबरमती, माही, सुबर्णरखा और लूनी जैसी नदियाँ शामिल हैं। सिंधु नदी प्रणाली में सिंधु सतलुज, झेलम, चिनाब, रावी और व्यास शामिल हैं, जिन्हें पंचनद के रूप में जाना जाता है। गंगा नदी प्रणाली में गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, गंडक, कोसी, बेतवा और रामगंगा शामिल हैं। शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा अनियोजित विकास के कारण पिछले कुछ दशकों से नदियों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक होती जा रही है। कई सहायक नदियों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट द्वारा हाल ही में जारी पर्यावरण की स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत की लगभग 46 प्रतिशत नदियाँ, जिनमें गंगा जैसे प्रमुख जल निकाय शामिल हैं, में प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सबसे प्रदूषित नदियाँ हैं, जबकि उत्तर प्रदेश और पंजाब जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) प्रदूषण के स्तर के मामले में शीर्ष पर हैं। एसओई रिपोर्ट में जिन खतरनाक पहलुओं पर चर्चा की गयी है, उनमें से कई दूषित नदी स्थलों में जैविक ऑक्सीजन की मांग (बीओडी) का स्तर है, जो निर्धारित सीमा से 10 गुना अधिक है। तीव्र गति से हो रही जनसंख्या वृद्धि के कारण घरेलू औद्योगिक और कृषि के क्षेत्र में नदियों के जल की मांग बढ़ी है जिसके कारण इसकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है। दूसरी ओर, उद्योगों का प्रदूषण और अपरिष्कृत कचरे को नदियों में प्रवाहित करने से वे प्रदूषित हो रही हैं। परिणामस्वरूप टाइफाइड, हैजा और अन्य जलजनित गंभीर बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। आर्सेनिक प्रदूषित पानी के सेवन से त्वचा संबंधी विकार हो जाते हैं। पारा प्रदूषण से मनुष्यों में मिनमाटा (न्यूरोलॉजिकल सिंड्रोम) रोग, सीसे के यौगिकों से रक्ताल्पता, सिरदर्द, मांसपेशियों में कमजोरी और मसूड़ों में समस्या, कैडमियम से दूषित पानी इटाई इटाई रोग, इसके साथ-साथ फेफड़े और यकृत के कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें नदियों के संरक्षण की दिशा में अनवरत प्रयास कर रहे हैं। महानदी, कृष्णा, गोदावरी और स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन, नमामि गंगे परियोजना, नमामि देवी नर्मदे, और नर्मदा सेवा जैसी विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। साथ ही, केन-बेतवा लिंक परियोजना शुरू करने का केंद्र सरकार का निर्णय एक सराहनीय कदम है। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही भविष्य में नदियों के अस्तित्व को संरक्षित एवं संवर्धित किया जा सकेगा।

कनाडा को संदेश

भारत-कनाडा के बीच तल्खी में हर दिन इजाफा जहां चिंताजनक है, वहीं कनाडा का भारत विरोधी आतंकियों के प्रति जो नरम रुख है, उसके कड़े प्रतिरोध के लिए भारतीय पहल बहुत जरूरी है। कई ऐसे मौके आते हैं, जब देशहित में अप्रिय फैसलों के लिए मजबूर होना पड़ता है। मोटे तौर पर भारत के ताजा कदम के मुताबिक, कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग में अगली सूचना तक वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। वीजा संबंधी कार्य देखने वाली कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल के अनुसार, इच्छुक वीजा आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे इस मुद्दे पर आगे की अपडेट के लिए बीएलएस वेबसाइट देखते रहें। ध्यान रहे कि बुधवार को भारतीय नागरिकों, कनाडा में पढ़ रहे छात्रों और देश की यात्रा की योजना बना रहे लोगों को सावधानी बरतने की उचित सलाह दी गई थी। यह बहुत गंभीर बात है कि दो देशों के बीच इतना सब होने के बावजूद कुछ भारत विरोधी आतंकियों ने कनाडा में रह रहे हिंदुओं को सीधे धमकी दी है। भारत के पड़ोस से दीक्षित-प्रशिक्षित इन आतंकियों की पीठ पर कनाडा का हाथ है, तो उनकी बोली आक्रामक हो गई है। कनाडा सरकार का व्यवहार संतुलित या न्यायपूर्ण नहीं है। अपने देश में नागरिक स्वतंत्रता को बहाल करना सही है, पर अपनी धरती पर सक्रिय आतंकियों के पक्ष में खड़े हो जाना किसी अपराध से कम नहीं है। ट्रुडो सरकार को जवाब देना चाहिए कि कनाडा में जब आतंकी ह्यकिल इंडियाह्व का घातक पोस्टर लगाते हैं, तब वहां के कथित उदारवादी नेता मुंह में दही क्यों जमा लेते हैं? निज्जर कोई सामान्य कनाडाई नागरिक नहीं था, वह भारत में आतंकवाद के लिए वांछित था। अनेक मामले उस पर दर्ज थे, भारत के बार-बार कहने के बावजूद उसके या अन्य आतंकियों के प्रति कनाडा का नरम रुख निंदनीय है। कहां गया वह कनाडा, जो आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की बात करता था?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

केंद्र का लक्ष्य घरेलू उत्पादन के माध्यम से भारत की 70 प्रतिशत आईटी हार्डवेयर मांग को है पूरा करना

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार तीन वर्षों के भीतर घरेलू उत्पादन के माध्यम से देश की आईटी हार्डवेयर की 70 प्रतिशत मांग को पूरा करने और गैर-भरोसेमंद स्रोतों से आयात पर निर्भरता में कटौती करने की योजना बना रही है। यह बात इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री और आईटी राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कही।मंत्री ने पत्रकारों से कहा, ÷वर्तमान में, डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हमारी लगभग 80 प्रतिशत आपूर्ति आयात से आती है और हमारी आपूर्ति आवश्यकता का केवल 8-10 प्रतिशत भारत से आता है। हम अगले तीन वर्षों में इसे 65-70 प्रतिशत करना चाहते हैं। एचपी और डेल जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों सहित करीब 40 कंपनियों ने पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, सर्वर और अन्य उपकरण बनाने के लिए कारखाने स्थापित करने के लिए आईटी हार्डवेयर पीएलआई (उत्पादकता से जुड़े प्रोत्साहन) योजना के तहत आवेदन किया है। योजना अवधि के दौरान मूल्य लगभग 4.65 लाख करोड़ रुपये बैठता है। आयात पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों से घरेलू निवेश में बढ़ोतरी की उम्मीद है। चंद्रशेखर ने कहा कि गैर-भरोसेमंद स्रोतों से आयात पर निर्भरता को कम करने की रणनीति के हिस्से के रूप में दिन के अंत में उद्योग के भागीदारों के साथ आईटी हार्डवेयर आयात नियमों के मसौदे पर चर्चा की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी यह भी बताते हैं कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा अस्थिर स्तर तक बढ़ गया है और किसी भी स्थिति में एशियाई पड़ोसी से आयात कम करने की आवश्यकता है। सरकार ने पहले ही आयात पर रोक लगाने की घोषणा कर दी है और लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के आयात के लिए नई लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू होने से पहले, 31 अक्टूबर तक लगभग तीन महीने की संक्रमण अवधि दी है। सरकार ने एक अधिसूचना जारी की है कि आयात खेप को बिना लाइसेंस के 31 अक्टूबर तक मंजूरी दी जा सकती है और नवंबर से आयात की मंजूरी के लिए सरकारी परमिट की आवश्यकता होगी। आयात प्रतिबंधों से एप्पल और सैमसंग जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर भी असर पड़ने की उम्मीद है, जिनसे अब भारत में अपना निवेश बढ़ने की उम्मीद है।

वित्त मंत्रालय को जोखिमों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में 6.5% की वृद्धि का भरोसा

नई दिल्ली :

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मानसून की कमी के जोखिमों के बावजूद देश चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर लेगा। इसका प्रमुख कारण कंपनियों की लाभप्रदता, निजी पूंजी निर्माण और बैंक ऋण वृद्धि का बेहतर होना है। वित्त मंत्रालय की अगस्त महीने की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर के पीछे मजबूत घरेलू मांग, खपत और निवेश मुख्य वजह थी। जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई आदि जैसे विभिन्न उच्च-आवृत्ति संकेतकों में भी वृद्धि दर्ज की गई। मासिक समीक्षा में वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी, अगस्त में मानसून की कमी का खरीफ एवं रबी फसलों पर असर जैसे कुछ जोखिमों का भी उल्लेख किया गया है। इसके मुताबिक इन जोखिमों का आकलन करने की जरूरत है। हालांकि सितंबर में हुई बारिश ने अगस्त में बारिश की कमी की काफी हद तक भरपाई की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट आने से अब घरेलू शेयर बाजार में भी गिरावट का जोखिम बना हुआ है। इन जोखिमों की भरपाई कंपनी लाभप्रदता, निजी क्षेत्र के पूंजी निर्माण, बैंक ऋण वृद्धि और निर्माण क्षेत्र में गतिविधियां कर रही हैं। वित्त मंत्रालय की मासिक समीक्षा कहती है, ''कुल मिलाकर हम इन जोखिमों के साथ वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने के अनुमान को लेकर सहज बने हुए हैं।'' रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू निवेश की ताकत पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर देने का नतीजा है। केंद्र सरकार के उपायों ने राज्यों को भी अपने पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। रिपोर्ट कहती है कि बाहरी मांग ने घरेलू वृद्धि प्रोत्साहन को पूरक बनाने का काम किया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि में शुद्ध निर्यात का योगदान बढ़ गया क्योंकि सेवाओं के निर्यात ने अच्छा प्रदर्शन किया। जुलाई एवं अगस्त के उच्च आवृत्ति संकेतकों से दूसरी तिमाही में भी वृद्धि दर की रफ्तार बने रहने की उम्मीद है।

सभी सम्बन्ध पक्षों को चीनी के स्टॉक पोजीशन का खुलासा करने का निर्देश

नई दिल्ली ।

केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने देश में चीनी के सभी व्यापारियों / होल सेलर्स, रिटेलर, बिग चेन रिटेलर्स तथा मिलर्स / प्रोसेसर्स को उसके पास उपलब्ध चीनी के स्टॉक का विवरण सरकारी पोर्टल पर तत्काल अपलोड करने और प्रत्येक सोमवार को उसका अद्यत्न (अपडेट) करने का निर्देश दिया है। प्रांतीय मुख्य सचिवों को प्रेषित पत्र में खाद्य विभाग ने कहा है कि घरेलू प्रभाग में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं को उचित दाम पर इसे मुहैया करवाने की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है और इस पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। स्टॉक विवरण खुलासे के निर्देश को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित करने के लिए सभी राज्यों के सहयोग की आवश्यकता है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर स्टॉक विवरण तत्काल प्रस्तुत किया जाना चाहिए और प्रत्येक सप्ताह के पहले दिन के स्टॉक की नवीनतम जानकारी दी जानी चाहिए। राज्यों के मुख्य सचिवों से आग्रह किया गया है कि वे नियमित रूप से चीनी के दाम एवं स्टॉक पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखें ताकि उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर इसे प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। इससे चीनी बाजार को स्थिर करने में सहायता मिलेगी। जिन राज्यों के मुख्य सचिवों को इस आशय का पत्र भेजा गया है उसमें आंध्र प्रदेश, आसाम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, अंडमान निकोबार, जम्मू कश्मीर, पांडिचेरी, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, सिक्किम, पंजाब, नागालैंड, मेघालय, महाराष्ट्र, केरल, झारखंड, हरियाणा, गोवा, बिहार एवं अरुणाचल प्रदेश शामिल है। 21 सितम्बर 2023 को खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अधीनस्थ चीनी एवं वनस्पति तेल निदेशालय द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए चीनी के सभी व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा कारोबारियों, बिग चेन रिटेलर्स तथा मिलर्स / प्रोसेसर्स को निर्देश दिया जाता है कि वे अपने पास मौजूद चीनी के पूर्ण स्टॉक का विवरण सरकारी पोर्टल पर उपलब्ध करवाए और फिर प्रत्येक सोमवार को इसका अपडेट भी जमा करें।

किफायती आवास परियोजनाओं के लिए साथ आए सनटेक रियल्टी और आईएफसी

नई दिल्ली :

सनटेक रियल्टी और आईएफसी ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में चार-छह किफायती आवास परियोजनाएं विकसित करने के वास्ते 750 करोड़ रुपए तक के निवेश के लिए एक संयुक्त मंच स्थापित किया है। विश्व बैंक का सदस्य आईएफसी उभरते बाजारों में निजी क्षेत्र पर केंद्रित सबसे बड़ा वैश्विक विकास संस्थान है। सनटेक रियल्टी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने ''750 करोड़ रुपए तक के कुल निवेश के साथ एक संयुक्त मंच तैयार करने के लिए आईएफसी के साथ साझेदारी की है। निवेश के तहत एमएमआर में चार से छह हरित आवास परियोजनाओं में करीब 12,000 आवास इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। आईएफसी 330 करोड़ रुपए तक का निवेश करेगा, जबकि शेष निवेश सनटेक रियल्टी द्वारा किया जाएगा। सनटेक रियल्टी के मुख्य प्रबंध निदेशक कमल खेतान ने कहा, ''हम भारत में आवास की कमी को दूर करने के अपने साझा लक्ष्य में आईएफसी के साथ हाथ मिलाकर खुश हैं।'' भारत में आईएफसी के 'कंट्री हेड' वेंडी वर्नर ने कहा, ''यह निवेश सनटेक रियल्टी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से किफायती तथा पर्यावरण-अनुकूल आवास का समर्थन करके अधिक समावेशी शहर बनाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।''

वैश्विक बांड सूचकांक में भारत के शामिल होने से आएगा 26 अरब डॉलर का परोक्ष प्रवाह

नई दिल्ली। जेपी मॉर्गन सरकारी बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट्स (जेपीएम जीबीआई-ईएम) में भारत के शामिल होने से देश में 26 अरब डॉलर का परोक्ष निवेश प्रवाह आएगा। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक नोट में यह बात कही।भारत के इस बांड सूचकांक में शामिल होने से देश में जोखिम प्रीमियम कम होगा, बांड बाजार में गहराई बढ़ेगी और राजकोषीय तथा चालू खाता घाटा कम करने में मदद मिलेगी। जेपी मॉर्गन जीबीआई-ईएम सूचकांक में भारत का बहुप्रतीक्षित समावेश 28 जून 2024 से प्रभावी होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का 10 प्रतिशत का भारांक 10 महीनों में घट-बढ़ सकता है, जिससे 22 अरब डॉलर (अन्य छोटे सूचकांकों में वृद्धि की स्थिति में 26 अरब डॉलर) का परोक्ष प्रवाह होगा। हालाँकि, वास्तविक प्रवाह अधिक हो सकता है, जो बाज़ार की गतिशीलता और सक्रिय प्रवाह पर निर्भर करता है। यह तुरंत एफटीएसई और ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त नहीं करता है, जिसमें अधिक कठोर शर्तें (एफपीआई कराधान/यूरोक्लियर) हैं। लेकिन मध्यम अवधि में इसका प्रदर्शन प्रभाव हो सकता है क्योंकि कम जोखिम वाला प्रीमियम सकारात्मक बाह्यताओं को ट्रिगर कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में वैश्विक बाजारों पर नज़र रखते हुए शुरुआती तेजी के बाद बॉन्ड पर मिलने वाले ब्याज और भारतीय रुपये में गिरावट शुरू होगी। एक बार शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बाद इस कदम से ऋण बाजार में ताजा सक्रिय प्रवाह बढ़ सकता है। इससे सरकारी प्रतिभूतियों की तरलता और स्वामित्व आधार बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ब्याज दरों और विदेशी मुद्रा बाजारों के लिए अच्छा संकेत होना चाहिए, जिससे बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था के लिए उधार लेने की लागत कम होगी और अधिक जवाबदेह राजकोषीय नीति-निर्माण होगा।

रुपया 38 पैसे तेज होकर 82.75 प्रति डॉलर

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 38 पैसे की बढ़त के साथ 82.75 पर पहुंच गया। जेपी मॉर्गन बांड सूचकांक में भारत को शामिल करने से निवेशकों की धारणा को बढ़ावा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.75 पर खुला, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में 38 पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया 83.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.48 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 93.87 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सोने और चांदी की कीमत में मिलाजुला रुख

- सोना 58,842 रुपए और चांदी 73,215 रुपए

नई दिल्ली । वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमत में मिला-जुला रुख देखने को मिल रहा था। अक्टूबर, 2023 में डिलीवरी वाले सोने में 20 रुपए की तेजी के साथ 58,842 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। इससे पिछले सत्र में अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 59,822 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। एमसीएक्स पर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने में एक रुपया की तेजी के साथ 59,344 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोना 59,343 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। वहीं फरवरी, 2024 में डिलीवरी वाले सोने में 121 रुपए की गिरावट के साथ 59,720 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। इससे पहले गुरुवार को फरवरी कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 59,841 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। वहीं एमसीएक्स पर दिसंबर 2023 में डिलीवरी वाली चांदी में 147 रुपए की तेजी के साथ 73,215 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 73,068 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही थी। इसी तरह मार्च, 2024 में डिलीवरी वाली चांदी में 183 रुपए की तेजी के साथ 74,654 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। इससे पिछले सत्र में मार्च कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 74,471 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। कॉमेक्स पर दिसंबर 2023 में डिलीवरी वाले सोने में 0.21 फीसदी की तेजी के साथ 1,943.70 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। स्पॉट मार्केट में भी सोने के भाव में 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ 1,924.02 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

आईटेल एस23 प्लस भारत में 26 सितंबर को लॉन्च होने की उम्मीद, कीमत 15 हजार रुपये से भी कम

नई दिल्ली। आईटेल का लेटेस्ट मास्टरपीस एस23 प्लस काफी चर्चाओं में है। आईटेल मोबाइल इंडिया 26 सितंबर को भारत का पहला 3डी कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले से लैस स्मार्टफोन एस23 प्लस लॉन्च कर सकता है, जिसकी कीमत देश में 15,000 रुपये से भी कम होगी।सूत्रों ने शुक्रवार को आईएएनएस को बताया कि आईटेल एस23 प्लस में असाधारण कैमरा सेटअप होने की उम्मीद है। इसकी सबसे बड़ी खासियत 32 मेगापिक्सल अल्ट्रा-क्लियर फ्रंट कैमरा है, जो अपने सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित कर रहा है। असाधारण डिस्प्ले के साथ कंबाइन यह कैमरा डिजिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए आईटेल के समर्पण का एक स्पष्ट प्रमाण है। पहले, सूत्रों ने खुलासा किया था कि स्मार्टफोन उल्लेखनीय 6.78 इंच एफएचजी प्लस एमोलेड 3डी कर्व्ड स्क्रीन से लैस होगा, जो इस प्राइस रेंज में पहली स्क्रीन होने की उम्मीद है। इसके साथ आईटेल एक बड़ी छलांग लगा रहा है और 15,000 सेगमेंट में शानदार एंट्री कर रहा है, जो इंडस्ट्री के लिए एक बेंचमार्क स्थापित कर रहा है। यह लॉन्च यूजर्स के लिए डिजाइन एस्थेटिक और इमर्सिव व्यूइंग एक्सपीरियंस में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

लगातार चौथे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

निवेशकों के 12 हजार करोड़ स्वाहा

मुंबई ।

विदेशी बाजार से मिले कमजोर रुझानों के कारण आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बाद लगातार चौथे दिन लाल निशान पर बंद हुए। शुक्रवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 221 अंक टूटा। वहीं, निफ्टी में भी 68 अंकों की गिरावट दर्ज हुई। जेपी मॉर्गन द्वारा अपने इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड को शामिल करने के फैसले से शेयर बाजार को दम मिला और शुरुआती कारोबार में तेजी आई, हालांकि थोड़ी देर बाद ही बाजार लाल निशाना पर आ गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 221.09 अंक की भारी गिरावट के साथ 66,009.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,445.47 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 65,952.83 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ निफ्टी में भी 68.10 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,674.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,798.65 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,657.50 तक आया। शुक्रवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 13 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, मारुति,एसबीआई, एमएंडएम और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा इंडसइंड बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.79 फीसदी तक चढ़े। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 17 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। विप्रो, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान विप्रो के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.36 फीसदी तक गिर गए। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 22 सितंबर को घटकर 317.78 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 317.90 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार को करीब 12 हजार रुपये घटा है यानी निवेशकों की संपत्ति में करीब 12 हजार करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

विदेशी नहीं, अब देसी प्रोडक्ट्स से सजेगी ह्ब्ज हार्डवेयर इंडस्ट्री, आ सकते हैं आयात पर पाबंदी जैसे नियम

नई दिल्ली: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में स्थानीय उत्पादन के जरिए देश की 70 फीसदी तक आईटी हार्डवेयर आवश्यकता को पूरा करना है। साथ ही गैर-भरोसेमंद स्रोतों से आयात पर निर्भरता कम करना है। चंद्रशेखर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय उद्योग जगत के लोगों के साथ आईटी हार्डवेयर आयात नियमों का एक मसौदा साझा करेगा। मकसद गैर-भरोसेमंद स्रोतों से आपूर्ति पर निर्भरता को कम करना है। मंत्री ने कहा, वर्तमान में डिजिटल इकोसिस्टम के लिए हमारी करीब 80 फीसदी आपूर्ति आवश्यकता आयात से पूरी होती है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जो भी स्रोत हैं, उन पर भरोसा किया जाए। विश्वास बढ़ाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला में भारतीय घटक बढ़ना जरूरी होगा। आज हमारी आपूर्ति आवश्यकता का 8-10 प्रतिशत भारत से आता है, हम अगले तीन वर्षों में इसे 65-70 प्रतिशत करना चाहते हैं।

इन कंपनियों ने किया पीएलआई में आवेदन

डेल, एचपी और लेनोवो सहित कम से कम 40 कंपनियों ने योजना अवधि के दौरान 4.65 लाख करोड़ रुपये के पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, सर्वर तथा अन्य उपकरण बनाने की प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए आईटी हार्डवेयर में उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के लिए आवेदन किया है।

आयात पाबंदी पर शेयर करेंगे मसौदा नियम

यदि सभी कंपनियां योजना के तहत चयनित की जाती हैं तो सरकार को 17,000 करोड़ रुपए के बजटीय आवंटन के मुकाबले प्रोत्साहन राशि को 22,890 करोड़ रुपए तक बढ़ाने की आवश्यकता होगी। मंत्री ने कहा कि वह दिन में उद्योग जगत के लोगों से मिलेंगे और प्रस्तावित आईटी हार्डवेयर आयात पाबंदी पर मसौदा नियम साझा करेंगे। चंद्रशेखर ने कहा, आज हम उद्योग जगत के लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं और उनके साथ आयात प्रबंधन प्रणाली का एक मसौदा साझा कर रहे हैं। इसका मकसद उन स्रोतों से आयात पर उच्च निर्भरता से निपटना है जो पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं हैं।

'मेक इन इंडिया' आईफोन खरीदने के लिए सैकड़ों लोगों की लगी कतार

नई दिल्ली/मुंबई।

भारत में सैकड़ों एप्पल लवर्स के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास रहा, क्योंकि उन्हें नई दिल्ली के एप्पल साकेत और मुंबई के एप्पल बीकेसी के साथ-साथ अन्य एप्पल ऑथराइज्ड रीसेलर्स के स्टोर पर सुबह से ही लंबी कतारों के बीच 'मेक इन इंडिया' आईफोन 15 और स्थानीय रूप से असेंबल किए गए 15 प्लस मिलने लगे।एप्पल के दिल्ली और मुंबई दोनों रिटेल स्टोर्स पर, प्री-ऑर्डर करने वाले सैकड़ों लोग अपने डिवाइस लेने के लिए जल्दी ही कतार में लग गए। फरीदाबाद से एप्पल साकेत स्टोर पर आए 21 वर्षीय दिव्यम ने कहा, 'मेक इन इंडिया आईफोन 15' पाना बहुत अच्छा था, यह गर्व की अनुभूति थी। एप्पल ऑनलाइन पर अपने आईफोन की प्री-बुकिंग के बाद मैं इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था।'' कई खरीदारों को अपने हाथों में आईफोन 15 प्रो मैक्स बॉक्स के साथ भी देखा गया, जो देश में परिपक्व हो रहे प्रीमियमीकरण की प्रवृत्ति की पुष्टि करता है। एप्पल बीकेसी में भी लंबी कतारें देखी गईं, खुदरा कर्मचारी नए आईफोन और वॉच सीरीज 9 के पहले खरीदारों का उत्साह बढ़ा रहे थे। एप्पल को इस बार आईफोन 15 सीरीज के लिए प्री-ऑर्डर में लगभग 50 प्रतिशत का उछाल मिला। एप्पल ने पिछले साल के आईफोन 14 सीरीज के प्री-ऑर्डर को दोगुना कर दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि कंपनी ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में गहरी पैठ बना ली है, साथ ही पहली बार उपयोग करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी से भी प्रेरित है, जो एंड्रॉइड से एप्पल इकोसिस्टम में शिफ्ट हो रहे हैं। साइबरमीडिया रिसर्च के इनसाइट्स के अनुसार, आईफोन 14 सीरीज में 85 प्रतिशत से अधिक शिपमेंट नॉन-प्रो मॉडल थे। सीएमआर के हेड-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप प्रभु राम ने आईएएनएस को बताया, इस साल, आईफोन 15 डायनेमिक आइलैंड और 48 मेगापिक्सल कैमरा जैसे पर्याप्त सुधारों के साथ सामने आया है, जो इसे अपग्रेडर्स और यहां तक कि संभावित स्विचर्स के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है। फाइनेंसिंग तक आसान एक्सेस और ग्रेटर रीसेल वेल्यू देश में मुख्यधारा के यूजर्स के लिए प्रीमियम आईफोन को अधिक से अधिक सुलभ बना रहा है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के उपाध्यक्ष नील शाह के अनुसार, अब आईफोन 15 बेस वर्जन भारत में ही बनाया जा रहा है, अगर एप्पल आने वाले महीनों में नए आईफोन की कीमत को और अधिक आकर्षक बनाने का फैसला करता है, तो यह एक ब्लॉकबस्टर दिवाली सीजन हो सकता है। शाह ने कहा कि आईफोन सबसे महत्वाकांक्षी स्मार्टफोन में से एक है,

आईफोन 15 सीरीज के लिए बड़े फीचर्स अपग्रेड के साथ मिलकर, तेजी से 'स्मार्टफोन डिपेंडेंट' यूजर्स को बेस्ट में अपग्रेड करने के लिए आकर्षित कर रहा है।

आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन आईफोन 15 और 15 प्लस दोनों को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर प्लांट में असेंबल कर रहा है। दोनों 'मेक इन इंडिया' आईफोन दूसरे देशों में भी निर्यात किए जाएंगे, जो देश के लिए पहली बार है। ऐसा अनुमान है कि लॉन्च तिमाही में आईफोन 15 की शिपमेंट, जो भारत में बड़े पैमाने पर त्योहारी सीजन की शुरुआत करती है, 'मेक इन इंडिया' पहल में वृद्धि के कारण लगभग 65 प्रतिशत रहेगी।

भोजन में आवश्यक पौष्टिक तत्व

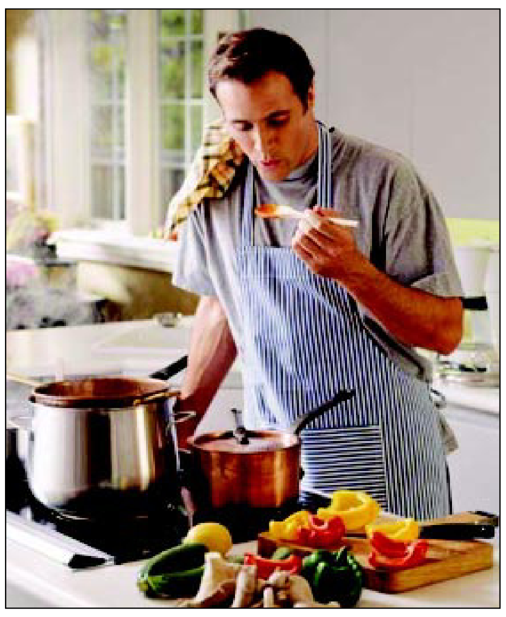

शरीर को स्वस्थ और निरोग रखने के लिए भोजन में पौष्टिक तत्वों का उचित समावेश होना चाहिए। क्या हैं ये पौष्टिक तत्व और इनका स्वास्थ्य में क्या योगदान, आइए जानें –

प्रोटीन

शारीरिक विकास, फुर्तीलेपन, उत्साह और शक्ति के लिए प्रोटीन आवश्यक है। यह शरीर में कोशिकाओं की क्षतिपूर्ति करता है। यह दालों, अनाजों, चना, मटर, दूध, छाछ, पनीर व क्रीम निकले दूध, फल और मेवों आदि में होता है।

वसा

शरीर में गर्मी और शक्ति के लिए वसा का सेवन आवश्यक है। दूध, दही, घी, क्रीम, मक्खन, तेल, काजू, अखरोट, बादाम व मूंगफली आदि में वसा बहुतायत मात्रा में वसा पाई जाती है।

खनिज लवण

खनिज शरीर में शक्ति बनाए रखते हैं, हड्डियों को मजबूत बनाते हैं व रोगों से शरीर की रक्षा करते हैं। ये ताजा साग-सब्जी, फल, गेहूं, चावल, दूध आदि में मिलते हैं।

कार्बोहाइड्रेट

शक्ति, गर्मी और शारीरिक विकास के लिए कार्बोहाइड्रेट की जरुरत होती है। यह गेहूं चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, गन्ना, खजूर, मीठे फलों आदि में विशेष रूप से पाया जाता है।

पानी

शरीर में पानी की मात्रा काफी होती है। नमी बनाए रखने, शरीर की सफाई करके गंदे पदार्थों को शरीर से निकालने में पानी मददगार होता है। पानी की उचित मात्रा से भोजन पचने और खून के दौरे को सुचारु बनाये रखने में मदद मिलती है और शरीर का तापमान भी सही रहता है।

कैल्शियम

दांतों, हड्डियों और बालों के स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम आवश्यक होता है। इससे रंग भी निखरता है और माहवारी संबंधी समस्याएं भी नियंत्रित होती हैं। हरी सब्जियों, दूध, दही, छाछ, पनीर आदि में यह बहुतायत से पाया जाता है।

लौह तत्व

लौह तत्वों की कमी से शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अभाव से खून शरीर के प्रत्येक हिस्से तक शुद्ध रक्त नहीं पहुंचा पाता है। यह हरी सब्जियों, अनाज, फल और सूखे मेवों में पाए जाते हैं।

विटामिन

शरीर को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए विटामिन जरुरी होते हैं। ये हरी सब्जियों, ताजे फल, चावल, गेहूं, दूध से बने पदार्थ, मक्खन, फल, अंकुरित चने, बींस आदि में पाए जाते हैं।

रक्तदान के फायदें

- हमारे शरीर में खून अस्थि मज्जा में बनता है और रक्तदान का सबसे बड़ा फायदा इसी अस्थि मज्जा का सक्रिय रहना है। यानी जिस दर से हमारा शरीर 18 साल की उम्र में खून बनाता है उसी दर से वह 50 साल की उम्र में भी खून बनाएगा।
- बारबार रक्तदान से व्यक्ति का कोलेस्ट्राल नियंत्रण में रहता है।
- सबसे ज्यादा फायदा ब्लड प्रेशर के मरीजों को है। हालांकि उन्हें डाक्टर की सलाह से ही रक्तदान करना चाहिए।
- जिस भी ब्लड बैंक में आप रक्तदान करेंगे वह आपको एक 'डोनर कार्ड' देगा जिस पर आपको अगले 1 साल तक जरूरत पड़ने पर रक्त मुफ्त दिया जाएगा।
- एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, पी।डी।आर।एल। (सिफलिस) व मलेरिया की जांच मुफ्त हो जाएगी। इसके अलावा समाज कल्याण और खुद की संतुष्टि आपको खुश रखेगी।

हेल्थ प्लस

अधिक या कम नींद से हृदय रोग

विशेषज्ञों के अनुसार पर्याप्त नींद लेना बहुत आवश्यक है। पर्याप्त नींद न लेने से व्यक्ति कई बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। अब विशेषज्ञों ने अपने शोध के फलस्वरूप पाया है कि जिस तरह कम नींद लेना भी हानिकारक है। उसी प्रकार अधिक नींद लेना भी हानिकारक है। जो महिलाएं कम सोती हैं या बहुत अधिक सोती हैं उन्हें कोरोनरी हार्ट डिसीज होने की संभावना अधिक होती है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन आठ घंटे की नींग लेनी चाहिए और न ही कम।

जिन महिलाओं ने केवल 5 घंटे की नींद ली उन्हें आठ घंटे नींद लेने वाली महिलाओं की तुलना में हृदयाघात की संभावना 45 प्रतिशत अधिक पाई गई। जो महिलाएं 7 घंटे नींद लेती हैं उन्हें भी आठ घंटे नींद लेने वाली महिलाओं की अपेक्षा हृदयाघात की संभावना 9 प्रतिशत अधिक पाई गई। इसके विपरीत जिन महिलाओं ने 9 घंटे या उससे अधिक नींद ली उन्हें हृदय रोगों के होने की 38 प्रतिशत अधिक संभावना पाई गई।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिक सोने का संबंध स्लीप एपनिया से है जिसमें व्यक्ति को आवश्यक आक्सीजन न मिल पाने से भी हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है।

नमक के फायदे

भोजन को स्वाद देने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक होता है नमक, लेकिन इसके अलावा भी नमक अनेक फायदे देता है। आम दिनचर्या में ही बार-बार नमक का उपयोग कई तरीकों से किया जाता है। आइये जानें:-

- गला खरा होने पर नमकीन पानी से गरारे करें।
- एक भाग नमक में दुगना भाग बेकिंग सोडा मिलाकर दांत साफ करने से दांत चमक उठते हैं।
- मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा और नमक की बराबर मात्रा पानी में मिलाकर कुल्ला करें।
- नहाने के बाद गीले शरीर पर सूखे नमक से हल्की मसाज करें। इससे शरीर की मृत त्वचा हट जाएगी। साथ ही रक्त संचार भी बेहतर हो जाएगा।
- पैरों से दर्द भगाने के लिए गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उसमें पैर डुबोकर बैठें।

खतरनाक तंबाकू

देश में गुटखा, खैनी, मैनपुरी, सिगरेट सेवन का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। लोग विभिन्न कारणों से सिगरेट, तंबाकू, गुटखा का सेवन करते है और शीघ्र ही इसके लती हो जाते है। अनुमान है कि तंबाकू परोक्ष, अपरोक्ष मौत का नम्बर एक कारण है। किसी भी रूप में तंबाकू सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है जिसके कारण हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, पक्षाघात, धमनियों के रोग, आंतों के रोग तथा अनेक अंगों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू सेवन से वृद्धावस्था कम उम्र में शुरू हो जाती है और तेजी से बदलाव होते है। औसत आयु कम होती है। धूम्रपान जहर सदृश्य है, इसका सेवन करने से होंठ, अंगुलियों पर निशान पड़ जाते है, जीभ काले रंग की हो जाती है, स्वाद की संवेदना कम हो जाती है। तंबाकू सेवन करने से दांत मसूड़े खराब हो जाते है। स्वाद संवेदना में कमी आती है। आमाशय में अल्सर हो सकते है। सिगरेट, बीड़ी पीने वालों में धमनियों का व्यास कम होने से 'बरजर' रोग के कारण पैरों में असहनीय दर्द होता है और इनमें पैरों की अंगुलियां सड़ जाती है, पैर काटना पड़ सकता है।

धूम्रपान के कारण आंखों के आगे धुंधलापन हो जाता है। फेफड़ों के क्षतिग्रस्त होने से शारीरिक क्षमता कम हो सकती है। टीबी रोग का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। तंबाकू सेवन से मुंह, गले, स्वरतंत्र के कैंसर के अतिरिक्त, अग्न्याशय, गुर्दों, फेफड़ों, मूत्राशय के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू सेवन करने वालों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, जिससे संक्रमण रोग आसानी से हो सकते है। धूम्रपान से पुरूषों, महिलाओं की प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होती है। तंबाकू से सेक्स क्षमता कमजोर होती है। धूम्रपान के स्वयं पर तो दुष्प्रभाव होते ही साथ ही वातावरण भी प्रदूषित होता है, आसपास मौजूद व्यक्ति में भी दुष्प्रभाव हो सकते है। सिगरेट, बीड़ी से आग लगने का खतरा भी रहता है। अनुमान है कि एक सिगरेट, बीड़ी पीने से आयु में ५ मिनट की कमी हो जाती है।

तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन स्वास्थ्य के लिए घातक है, अत: इसका सेवन न करें, यदि करते है तो आज ही संकल्प लेकर उसका परित्याग करें।

तंबाकू, सिगरेट सेवन छोड़ना मुश्किल है। इसको छोड़ नहीं पा रहे है, तो तंबाकू, नशा उन्मूलन केंद्र में या मनोरोग चिकित्सक से परामर्श लें।

मॉर्निंग को गुड बनाएं जॉगिंग से

शरीर को स्वस्थ और चुस्त रखने के लिए न जाने आज कितने ही तरीके मौजूद हैं। कई मशीनें, बैल्ट, दवाइयां, इंजैक्शन आदि न जाने क्या-क्या चीजें अपनाई जाती हैं लेकिन ऐसे में शरीर के स्वास्थ्य को बरकरार रखने के लिए सबसे अच्छा प्राकृतिक तरीका है व्यायाम और जॉगिंग। जॉगिंग करने से कैलोरी की सबसे ज्यादा और आसानी से खपत होती है लेकिन जॉगिंग करते वक्त कुछ चीजों का ख्याल रखना चाहिए :-

- जॉगिंग करने का सबसे बढ़िया समय होता है सुबह। सुबह की हवा शरीर को ज्यादा फायदा पहुंचाती है।
- इससे शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है और दिन भर शरीर में ताजगी बनी रहती हैं।
- देर तक सोने वाले लोगों में जल्दी उठने की आदत पड़ जाती है।
- जॉगिंग करने का सबसे अच्छा स्थल होता है पार्क या खुला मैदान जहां आसपास खूब सारे पेड़-पौधे आदि हों।
- सुबह सो कर उठने के बाद कुछ भी खाना नहीं चाहिए क्योंकि यह शरीर के लिए हितकर नहीं होता। उठने के बाद अपना मुंह धोएं और कम से कम आधा लीटर पानी पीएं। सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर की गंदगी बाहर निकल जाती है।
- जॉगिंग शुरू करने से पहले अपने शरीर को वार्मअप कर लें जैसे स्किपिंग, उठा-बैठक, कुछ कसरत आदि।
- जॉगिंग पर जाते समय ढीले-ढाले कपड़े पहनें ताकि आपको जो पसीना आए वह आसानी से सूख सके व शरीर को भी आरामदायक महसूस हो।
- जॉगिंग करते वक्त बहुत तेज-तेज न भागें। आप चाहें तो थोड़ी देर धीरे-धीरे भाग सकते हैं या फिर तेज-तेज चलें।

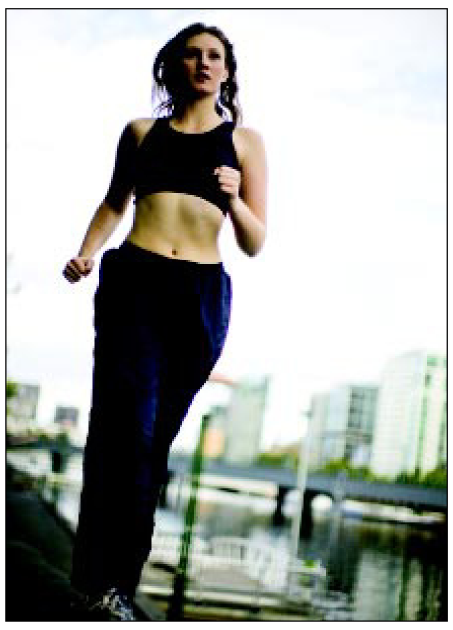

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2954

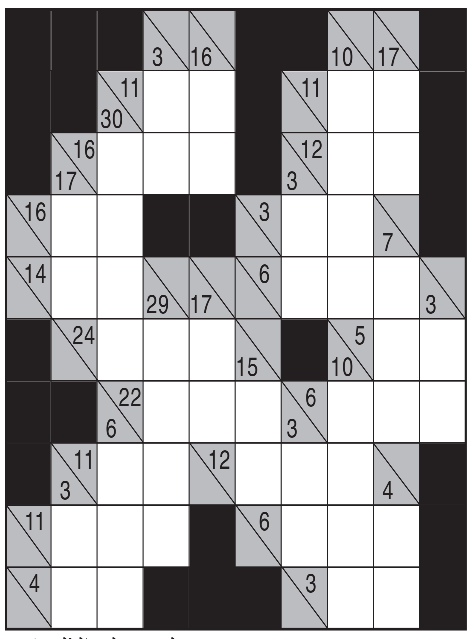

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

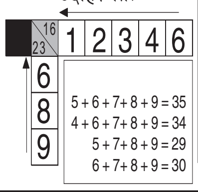

काकुरो - 2953 का हल

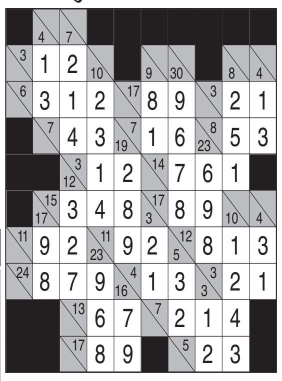

लॉफिंग जोन

प्रेमिका (प्रेमी से)– नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश– तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

☐ ☐ ☐

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई– 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

☐ ☐ ☐

फिल्म वर्ग पहेली - 2954

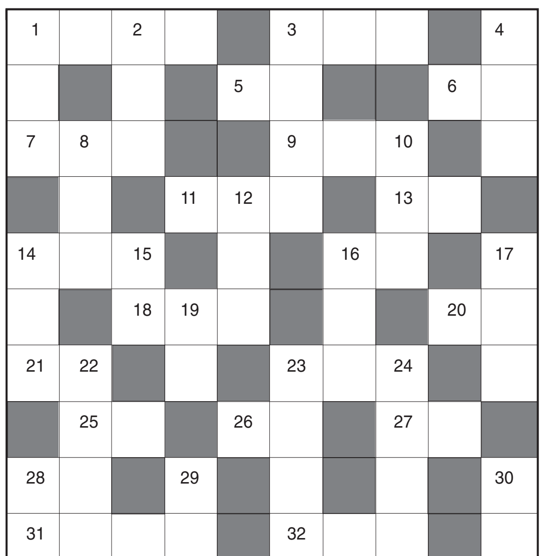

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2953

खु	दा	र		रे	मां	स		आ	शा
शी		त	ला	श		प	ड़ो	स	न
	ध	न	वा	न		ने		रा	
ध	र्मा		रि		जू		झु		सु
	त्मा		स	हे	ली		म	सी	हा
फा		श		मा		गु	रू		ग
गु	म	रा	ह		मे	ला		डॉ	
न		बी		आ		म	हा	न	ता
	काँ		आ	शि	की		द		ल
वां	टे	ड		क		इं	सा	फ	

सूडोकु - 2954

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2953 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2954

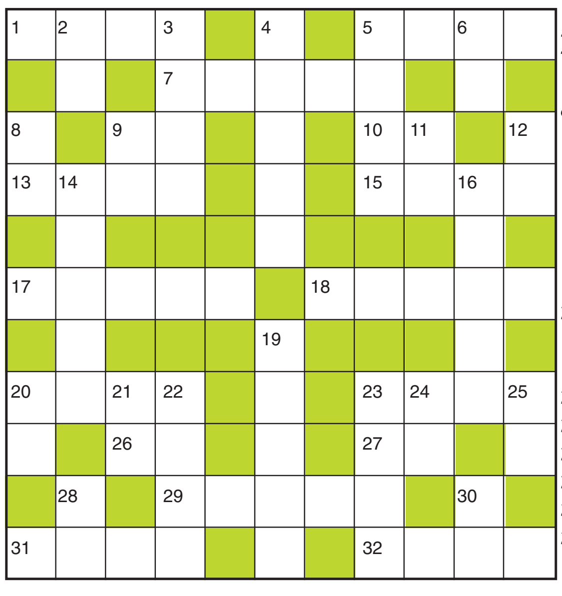

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2953 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
त	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम की जीत के साथ शुरुआत

हांगझोउ । भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने शुक्रवार को यहां यमन पर 3-0 से आसान जीत दर्ज करके एशियाई खेलों में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अनुभवी शरथ कमल, जी साथियान और हरमीत देसाई को सीधे गेम में जीत दर्ज करने के लिए किसी तरह की मशक्कत नहीं करनी पड़ी। साथियान ने अली उमर अहमद को 14 मिनट में 11-3, 11-2, 11-6 से हराकर शानदार शुरुआत की। एशियाई खेलों में आखिरी बार खेल रहे 41 वर्षीय शरथ ने इसके बाद इब्राहिम अब्दुलहकीम मोहम्मद गुब्रान को 11-3, 11-4, 11-6 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। देश के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी हरमीत ने मगद अहमद अली अल्धुभानी को 11-1, 11-1, 11-7 से हराकर मुकाबला भारत के नाम किया। भारतीय पुरुष टीम ग्रुप एफ के अपने अगले मुकाबले में सिंगापुर का सामना करेगी। महिला टीम भी अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर के खिलाफ करेगी।

20 साल बाद क्रिकेट से संन्यास लेंगे इंग्लैंड के एलिस्टर कुक

-350 मैचों में 74 शतक और 125 अर्धशतकों की मदद से 26615 रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली ।

2023 काउंटी सीजन के समापन पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज एलिस्टर कुक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के लिए तैयार हैं। कुक ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि वह एसेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलते रहे। उन्होंने इसी क्लब से साल 2003 में अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी। 38 वर्षीय कुक ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अब तक 350 मैचों में 74 शतक और 125 अर्धशतकों की मदद से 26615 रन बनाए हैं। उन्होंने मौजूदा काउंटी सीज़न में 23 पारियों में 36.72 की औसत से एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 808 रन बनाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार- इंग्लैंड के पूर्व कप्तान अगले हफ्ते काउंटी सीजन के अंत में निश्चित रूप से सेवानिवृत्त हो जाएंगे, उन्हें अभी भी उम्मीद है कि वह एसेक्स को एक और चैम्पियनशिप खिताब दिला देंगे। कुक ने रिटायरमैंट के बाद अपने परिवार के साथ फैमिली फार्म में अधिक समय बिताने और कॉमेंट्री करने की योजना बनाई है। एलिस्टर कुक का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है।

वह टेस्ट क्रिकेट में 33 शतकों और 57 अर्धशतकों की मदद से 45.35 की औसत से 12472 रन बनाकर इंग्लैंड के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और सलामी बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। केवल सुनील गावस्कर ने टेस्ट ओपनर के रूप में कुक (31) से अधिक शतक (33) बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल के एथलीटों को वीजा न मिलने पर खेल मंत्री का सख्त रूख, एशियाई खेलों के लिए चीन दौरा रद्द किया

नई दिल्ली: खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशू एथलीटों को एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए नियमित चीनी वीजा से इनकार करने के बाद एशियाई खेलों के लिए अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। बागची ने कहा, चीनी कार्रवाई के खिलाफ हमारे विरोध के प्रतीक के रूप में भारत के सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले और खेल मंत्री ने खेलों के लिए चीन की अपनी निर्धारित यात्रा रद्द कर दी है। भारत सरकार हमारे हितों की रक्षा के लिए उचित उपाय करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत अपने खिलाड़ियों के साथ चीनी अधिकारियों के व्यवहार को खारिज करता है। उन्होंने कहा, भारत सरकार को पता चला है कि चीनी अधिकारियों ने लक्षित और पूर्व-निर्धारित तरीके से अरुणाचल प्रदेश राज्य के कुछ भारतीय खिलाड़ियों को हांगझू, चीन में 19वें एशियाई खेलों में मान्यता और प्रवेश से वंचित करके उनके साथ भेदभाव किया है। हमारी दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति के अनुरूप भारत निवास या जातीयता के आधार पर भारतीय नागरिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार को दृढ़ता से खारिज करता है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। अरुणाचल प्रदेश के दो वुशु खिलाड़ी ओनिलु तेगा और मेपुंग लाम्गु हांग्जो एशियाई खेल 2023 आयोजन समिति द्वारा भाग लेने की मंजूरी दी गई थी, वे अपने मान्यता कार्ड डाउनलोड करने में असमर्थ थे - जो चीन में प्रवेश के लिए वीजा के रूप में कार्य करते हैं। तीसरी एथलीट न्येमान वांगसु अपनी मान्यता डाउनलोड करने में कामयाब रहीं, को सूचित किया गया कि उन्हें हांगकांग से आगे यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विश्व कप टीम में शा मिल सूर्यकुमार में खेल का रुख बदलने की क्षमता है : द्रविड़

मोहाली । भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने गुरुवार को कहा कि विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में सूर्यकुमार यादव को शामिल किया गया हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर द्रविड़ ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें 27 तारीख के बारे में चिंता करने की जरूरत है। विश्व कप के लिए चये नित टीम में सूर्यकुमार शो मिल हैं क्योंकि उनमें खेल का रुख बदलने के गुण और क्षमता है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक टी20ई बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्होंने वनडे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। उन्होंने 25 मैचों में 24.40 की औसत के साथ केवल 2 अर्द्धशतक बनाए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कल होने वाले पहले वनडे के लिए सूर्यकुमार को शामिल करने का भी संकेत दिया, जबकि विराट कोहली, रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या को पहले दो मैचों के लिए आराम दिया गया है। सूर्यकुमार ऐसे` खिलाड़ी है जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी तीन मैच खेलेगा। रविचंद्रन अश्विन की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए द्रविड़ ने कहा` कि उन्होंने जनवरी 2022 के बाद से बहुत अधिक वनडे नहीं खेले हैं, लेकिन उनके पास इससे निपटने की क्षमता है, उनके पास खासा अनुभव है। अश्विन के अनुभव वाले किसी खिलाड़ी का वापस आना हमारे लिए हमेशा अच्छा होता है। उनके पास आठवें नंबर पर बल्ले से योगदान देने में सक्षम होने की क्षमता है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनके बारे में हम हमेशा सोचते हैं कि कुछ चोटें या चोट लगने की स्थिति में कहां जाना चाहिए। वह हमेशा हमारी योजनाओं का हिस्सा थे।

एशियाई खेलों के लिए रवानगी से पहले भारतीय टी20 टीम अभ्यास मैच हारी

बेंगलुरु ।

एशियाई खेलों के लिए रवानगी से पहले आयोजित एक अभ्यास मैच में भारत की टी20 टीम शुक्रवार को यहां कर्नाटक से चार विकेट से हार गई। भारतीय एकादश टीम 20 ओवर में 133 रन पर सिमट गयी जिसमें मनोज भंडाजे ने चार ओवर में 15 रन देकर चार विकेट झटके जबकि वासुकी कौशिक और शुभांग हेगडे को तीन तीन विकेट मिले। जवाब में मनीष पांडे ने नाबाद 52 रन (40 गेंद में) की पारी खेली जबकि सलामी बल्लेबाज एलआर चेतन (29 रन), मयंक अग्रवाल (19 रन) और अभिनव मनोहर (नाबाद 17 रन) ने भी कर्नाटक को पांच गेंद रहते जीत दिलाने में योगदान दिया। आवेश खान, रवि बिश्नोई और आर साई किशोर ने भारत की एशियाड टी20 टीम के लिए एक एक विकेट लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और प्रभसिमरन सिंह ने हालांकि भारतीय टीम के कर्नाटक के गेंदबाजों के आगे घुटने टेकने से पहले अच्छी शुरुआत दिलाई। प्रभसिमरन ने 31 गेंद में सात चौके और एक छक्के से 49 रन जबकि जायसवाल ने 17 गेंद में सात चौकों से 31 रन बनाये। इसके बाद कर्नाटक के गेंदबाजों ने शीर्ष और मध्यक्रम को झकझोर दिया जिससे राहुल त्रिपाठी, जितेश शर्मा, रिंकू सिंह और शिवम दूबे दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। कौशिक ने तीन विकेट लेकर भारतीय टीम को समेट दिया। एशियाई खेलों के लिए जाने वाली भारतीय टीम कप्तान रूतुराज गायकवाड के बिना खेल रही थी जिन्हें मोहाली में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे के लिए अंतिम एकादश में चुना गया है। भारतीय पुरुष टीम पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेगी जिसमें मुकाबले 28 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चलेंगे। भारतीय महिला टीम पहले ही एशियाड के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।

वर्ल्ड कप 2023 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित, चोटिल नसीम शाह हुए बाहर

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। पूर्व कप्तान और चीफ चयनकर्ता इंजमाम उल ने टीम घोषित की। तेज गेंदबाज नसीम शाह को टीम में जगह नहीं मिली है। एशिया कप 2023 के दौरान चोटिल हो गए थे। नसीम की जगह हसन अली को वर्ल्ड कप टीम में जगह दी गई है। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 29 सितंबर को वॉर्मअप मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। टीम वर्ल्ड कप के अपने पहले मुकाबले में 6 अक्टूबर को हैदराबाद में नीदरलैंड्स से भिड़ेगी। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। एशिया कप में उतरने वाले 2 खिलाड़ी वर्ल्ड कप टीम से बाहर किया गया हैं। टीम घोषित कर मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक ने कहा कि हमारे प्लेयर्स ने पिछले कुछ दिनों में अधिक मैच खेला। टीम में उन खिलाड़ियों को ही जगह दी है, जो पिछले एक साल से खेल रहे हैं। एशिया कप में हमने सिर्फ 2 खराब मैच खेल। इसके बाद सभी को टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मिडिल ओवर्स में हमारे गेंदबाज विकेट नहीं ले रहे। यह हमारे लिए चिंता की बात है। टीम मैनेजमेंट इस ओर ध्यान दे रहा है। इमाद वसीम को लेकर उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए दरवाजे बंद नहीं हुए है। किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू टीम में खेलना जरूरी है। उस ही वरीयता दी जाएगी।

वर्ल्ड कप 2023 के लिए पाकिस्तान की टीम :

बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), फखर जमां, इमाम उल हक, अब्दुल्लाह शफीक, मोहम्मद रिजवान, सलमान आगा, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, स्मां मीर, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, हसन अली और शाहीन अफरीदी शामिल हैं।

रिजर्व:

मोहम्मद हारिस, जमान खान, अबरार अहमद।

क्रिकेट विश्व कप : द्रविड़ ने अश्विन को बताया टीम इण्डिया रणनीति का हिस्सा

मोहाली ।

मोहाली में होने वाले पहले वनडे से पहले भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि अगर विश्व कप के लिए जाने वाले किसी भी खिलाड़ी को चोट की चिंता होती है तो टीम प्रबंधन हमेशा आर अश्विन को ध्यान में रखता है। ऑफ स्पिनर करीब 18 महीने तक वनडे नहीं खेले हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए उन्हें वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने कहा कि यह वरिष्ठ ऑफ स्पिनर के लिए किसी प्रकार का परीक्षण नहीं है। अश्विन भले ही वनडे विश्व कप 2023 के लिए भारत की संभावित टीम में नहीं है लेकिन एशिया कप में अक्षर पटेल को लगी चोट के बाद उनका नाम फिर से ऊपर आ गया। अश्विन ने 2018 से अब तक केवल 2 वनडे खेले हैं, लेकिन द्रविड़ का कहना है कि विश्व कप से पहले चोट की चिंता होने पर टीम प्रबंधन ने हमेशा एक ऑफ स्पिनर लाने पर विचार किया था। अक्षर को एशिया कप 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 मैच के दौरान चोट लगी थी। अक्षर ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह टीम में वाशिंगटन सुंदर को रखा गया था। हालांकि इस मैच में सुंदर को क्षेत्ररक्षण, गेंदबाजी या बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला क्योंकि मोहम्मद सिराज के श्रीलंका की टीम को 50 रन पर ढेर कर दिया था। द्रविड़ ने गुरुवार को मोहाली में कहा कि हम अश्विन को विश्व कप से पहले जरूरत पड़ने पर 2-3 मैच खेलने का अवसर देंगे। द्रविड़ ने कहा कि यह एक अच्छी बात है। यदि हमारे पास अच्छा खिलाड़ी है, तो हम उसे किसी भी चरण में बुला सकते हैं। यह उनके लिए भी खुद को परखने का एक अच्छा मौका है क्योंकि वह लंबे अंतराल के बाद वनडे टीम में वापसी कर रहे हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह उनके लिए एक ट्रायल जैसा है। हमें उनकी खूबियां पता है। वैसे भी ऑफ स्पिनर लगातार कप्तान रोहित शर्मा के संपर्क में है। अश्विन ने तब सुर्खियां बटोरीं जब उन्होंने एशिया कप के दौरान सफेद गेंद से प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कोच वीवीएस लक्ष्मण के साथ संपर्क किया। अटकलें लगाई जा रही थीं कि एनसीए में अश्विन का कार्यकाल उनकी वनडे वापसी से जुड़ा है और यह सब तब समझ में आया जब वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम में लौटे।

भारत 22 सितंबर से मोहाली में 3 वनडे मैचों की सीरीज ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा।

खेल प्रशंसकों के दिमाग में सवाल, क्या राहुल की मौजूदगी में ईशान को मिलेगा मौका

नई दिल्ली । आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे क्रिकेट के महाकुंभ में खिलाड़ियों को लेकर चर्चा तेज है। टीम इंडिया में किस प्लेयर को जगह मिलेगीज्कौन सी एकादश मैदान में उतरेगी। इसपर निगाहें टिकी हुई हैं।रांची में भी ईशान किशन के खेलने को लेकर दीवानगी फैंस के सिर चढ़कर बोल रही है। टीम इंडिया में ईशान के साथ राहुल की चुनौती पर चर्चा काफी समय से हो रही है। चर्चा इस लेकर ज्यादा है कि क्या ईशान को केएल राहुल की मौजूदगी में तरजीह मिलेगी। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज किशन के कोच अरुण विद्यार्थी अपने शिष्य के विश्व कप में खेलने को लेकर बेहद आशान्वित हैं। कोच ने बताया कि ईशान अपने खेल और विविधता के कारण केएल राहुल पर थोड़ा भारी पड़ते हैं। उन्होंने बताया कि ईशान लेफ्ट हैंड बल्लेबाज हैं, जो कई गेंद को नेचुरल तरीके से खेलने में सक्षम हैं। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर वह ओपनिंग में तेज शुरुआत देने के साथ-साथ चौथे और पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने में भी सक्षम हैं। कोच अरुण विद्यार्थी मानते हैं कि ईशान विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जबकि राहुल बल्लेबाजी के साथ विकेट कीपर करते हैं। नाजुक मौकों पर ईशान ने विकेट पर टिककर खेलने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने ईशान की बतौर ओपनर डबल सेंचुरी और पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई सूझबूझ वाली पारी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि ईशान में लगातार सीखने की ललक है। वे लगातार टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और दूसरे सीनियर प्लेयर से टिप्स लेकर अपने खेल को सुधारने पर फोकस करते हैं। कोच ने बताया कि ईशान की हाइट थोड़ी कम होने के कारण कुछ गेंदें उनकी पसंदीदा बन जाती हैं। उन्होंने बताया कि शॉट ऑफ लेंथ गेंदों को उठाकर मारना उन्हें पंसद है। वह कमर के ऊपर की गेंदों को बैकफुट पर जाकर खेलना पसंद करते हैं। हालांकि उन्होंने बताया कि ईशान वर्ल्ड कप में चौथे और पांचवें नबर की बल्लेबाजी में ज्यादा कारगर साबित हो सकते हैं। क्योंकि वह तेज गेंदबाजी के साथ साथ स्पिन भी लाजवाब खेलते हैं। रांची की सैटेलाइट कॉलोनी में रहने वाले ईशान को आज भी वहां के लोग उनके खेल को काफी याद करते हैं। क्योंकि वहां के लोकल मैदान में ही ईशान चौके छक्के उड़ाते नजर आते थे। ईशान का परिवार पटना के आशियाना नगर में रहता है।

राहुल द्रविड़ ने किया कोहली, रोहित, श्रेयस का बचाव

मोहाली ।

भारतीय क्रिकेट टीम का 'थिंक टैंक हाल के वर्षों में और अधिक हरफनमौलाओं को मौका दे रहा है, जिसका लेना देना शीर्ष क्रम की मौजूदा पीढ़ी का गेंदबाजी नहीं करना है जबकि बीते समय में उनके सीनियर क्रिकेटर ऐसा किया करते थे। भारतीय टीम की अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर को मैदान पर उतारने की बेताबी दो चीजों पर आधारित है कि बल्लेबाज इतनी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं और पुछल्ले बल्लेबाज बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। तब क्या बदलाव हुआ है? द्रविड़ ने अपनी टीम में विशेषकर विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव (जो गेंदबाजी नहीं करते) के बचाव में कहा कि मुझे लगता है कि ऐसा नियम बदलने की वजह से हो सकता है। अचानक से ही आप सर्कल के अंदर 4 क्षेत्ररक्षकों से 5 क्षेत्ररक्षकों को रखने लगे। राहुल को लगाता हैं कि इससे कामचलाऊ गेंदबाज की मध्य के चरण में गेंदबाजी करने की काबिलियत में तेजी से बदलाव हुआ है। सूर्यकुमार को कुछ वर्ष पहले मुंबई इंडियंस के मैच के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए बुलाया गया था जिसके बाद से उन्होंने कभी गेंदबाजी नहीं की। सूर्यकुमार से पहले शिखर धवन कभी कभार ऑफ स्पिन किया करते थे लेकिन घरेलू क्रिकेट में उन्हें संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया गया और इसके बाद उन्होंने गेंदबाजी बिलकुल बंद ही कर दी। वहीं, अगर बीते समय की बात करें तब सचिन तेंदुलकर इनस्विंगर, आउटस्विंगर, लेग ब्रेक, ऑफ ब्रेक किया करते थे जिससे उन्होंने 154 वनडे विकेट झटके। सौरव गांगुली ने भी 100 विकेट झटके हैं जबकि युवराज सिंह की गेंदबाजी ने भारत को 2011 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका अदा की जिन्होंने 111 विकेट हासिल किए। ये सभी विशेषज्ञ बल्लेबाज शीर्ष 5 बल्लेबाजी क्रम में शामिल थे। वीरेंद्र सहवाग ने 96 विकेट झटके और सुरेश रैना ने 36 विकेट हासिल किए। द्रविड़ ने कहा कि अगर आप याद करो और इन नामों (सचिन, सौरव, सहवाग, युवराज, रैना) की गेंदबाजी का जिक्र इस चरण में करो तो इनमें से ज्यादातर खिलाड़ियों ने तब गेंदबाजी शुरु की जब सर्कल में केवल 4 क्षेत्ररक्षक हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि इस परिस्थिति (सर्कल के अंदर 5 क्षेत्ररक्षक) में आप कामचलाऊ गेंदबाज गंवा सकते हो और ऐसा हमारे साथ ही नहीं हुआ बल्कि काफी टीमों ने ऐसा किया।

जोस बटलर वर्ल्ड कप टीम से बाहर, खेल प्रंशसकों को हो रही हैरानी

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप 2023 की शुरुआत 5 अक्टूबर से होने वाली है। 2-3 टीमों को छोड़कर लगभग सभी टीमों ने अपने एकादश का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड की टीम ने कुछ दिन पहले ही अपनी टीम की घोषणा की थी। लेकिन लिस्ट में इंग्लैंड के लिए वनडे में 12 शतक जड़ने वाले धाकड़ ओपनर खिलाड़ी का नाम नहीं था। जोस बटलर ने कहा, यह मेरी जिम्मेवारी है कि मैं यह न्यूज आपको दूं। वह (जेसन रॉय) मेरा बहुत अच्छा साथी है। ये कॉल मेरे लिए काफी टफ था। जेसन हमारी टीम में टॉप आर्डर में बैटिंग करता है।बटलर ने कहा, हमें कई बार अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को स्क्वॉड से बाहर करना पड़ता है। ये खेल का गंदा स्वभाव है। 15 खिलाड़ियों के अलावा कई सारे खिलाड़ी हैं, जो टीम में जगह डिजर्व करते थे लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। जब आपके पास कई सारे अच्छे खिलाड़ी होते हैं, तब आपको सेलेक्शन कमिटी के साथ मिलकर चयन करना थोड़ा मुश्किल होता है।बता दें कि जेसन रॉय इंग्लैंड के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। वह अपनी टीम के लिए अब तक वनडे में 12 शतक जड़ चुके हैं। उन्होंने अब तक 116 मैचों में कुल 4271 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 40 के आस पास का रहा है। साल 2019 के वर्ल्ड कप में उन्होंने 8 मैचों में 400 से भी ज्यादा रन बनाए थे। इसके बावजूद उन्हें वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिलना थोड़ा आश्चर्यजनक हैं। विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीमः जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, जो रूट, बेन स्टोक्स, रीस टॉपले, डेविड विली, मार्क वुड और क्रिस वोक्स शामिल है।

एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत का ध्वजवाहक होना गर्व की बात : हरमनप्रीत

नई दिल्ली : भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हांगझोउ में शनिवार से शुरू हो रहे 19वें एशियाई खेलो के उद्घाटन समारोह में देश का ध्वजवाहक होना गर्व की बात है। भारतीय ओलंपिक संघ ने बुधवार को हरमनप्रीत और ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 655 सदस्यीय भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया। अतीत में धनराज पिल्लै (1998 और 2002), ज्योति सुनीता कुल्लू (2006), गगन नारंग (2010), सरदार सिंह (2014) और नीरज चोपड़ा (2018) भारत के ध्वजवाहक रह चुके हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'लवलीना बोरगोहेन के साथ संयुक्त रूप से भारत का ध्वजवाहक होना मेरे लिये फख्र की बात है। यह बड़े स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी है। मैं भावविभोर हूं। उन्होंने कहा, 'मैं लवलीना को भी इस मौके के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं जिस जुनून और प्रतिबद्धता के साथ खेलता आया हूं, उसी के साथ टीम की अगुवाई करूंगा। इन खेलों में हमारे देश की एकता और विविधता की भी बानगी मिलेगी और मैं पूरे गर्व के साथ अपना ध्वज थामूंगा। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने भारत के लिए सर्वाधिक छह गोल दागे थे। हाल ही में उनकी कप्तानी में भारत ने चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है। भारतीय टीम की तैयारी के बारे में उन्होंने कहा, 'हमारी पूरी टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। हमारा पहला फोकस ग्रुप चरण से आगे जाना है। हम किसी प्रतिद्वंद्वी को हलके में नहीं लेंगे। हर टीम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाती है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिसे सीधे क्वालीफाई करना है। भारतीय टीम को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उजबेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया है। भारतीय टीम रविवार को उजबेकिस्तान से पहला मैच खेलेगी।

केसीआर सरकार ने दिया बड़ा तोहफा, 9 लाख से ज्यादा किसानों का कर्ज हुआ माफ

हैदराबाद। तेलंगाना राज्य की केसीआर सरकार ने राज्य की जनता के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं को शुरू किया है। इसी क्रम में केसीआर सरकार ने राज्य के किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। बता दें कि राज्य के किसानों को तेलंगाना सरकार की तरफ से 5,809.78 करोड़ रुपये का तोहफा दिया गया है। 9 लाख से ज्यादा किसानों के 1 लाख रुपए से कम के एग्री लोन को माफ किए जाने का ऐलान किया है। राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए लोन माफी के लिए फंड जारी करने का ऐलान किया है।

1 लाख से कम लोन किया जाएगा माफ

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 1 लाख रुपये से कम लोन लेने वाले किसानों को लोन के बोझ से मुक्त किए जाने का ऐलान किया है। बता दें कि बैंकों को 99,999 रुपये तक के लोन का भुगतान करने का फैसला किया जाएगा। सीएम ने कहा कि किसानों की तरफ से बैंको में फौरन पैसा जमा किया जाएगा। के. चंद्रशेखर के निर्देश पर वित्त विभाग की तरफ से 9,02,843 किसानों के लिए 5,809.78 करोड़ रुपये जारी किए।

साल 2018 में दूसरी बार सत्ता संभालने के दौरान मुख्यमंत्री केसीआर ने 11 दिसंबर 2018 तक 1 लाख रुपये से कम फसली लोन लिए जाने वाले किसानों का कर्ज माफ किए जाने का वादा किया था। लेकिन कोविड-19 की महामारी, लॉकडाउन और नोटबंदी के कारण केसीआर सरकार को संसाधन जुटाने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। ऐसे में सीएम ने इंडिपेंडेंस डे के मौके पर 45 दिनों में कर्ज माफी पूरी करने का फैसला किया।

किसानों का लोन होगा माफ

बता दें कि राज्य सरकार ने 50,000 रुपये तक का लोन लेने वाले 7,19,488 किसानों के बैंकों में 1,943.64 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वहीं 99,999 रुपये तक की लोन राशि से निपटने के लिए नए आदेश जारी किए गए हैं। इस फैसले से 16,66,899 किसानों को फायदा पहुंचा है। राज्य सरकार के मंत्री तेलंगाना के किसानों के लिए इसे वरदान बता रहे हैं। वहीं इस साल के अंत कर राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं।

जन आक्रोश यात्रा के दौरान आपस में ही भीड़ गए कांग्रेस कार्यकर्ता, खूब चले लाठी-डंडे

भोपाल । मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। हालांकि, दोनों पार्टियों में गुटबाजी भी समय-समय पर दिख जा रही हैं। मध्य प्रदेश के पवई क्षेत्र में जन आक्रोश यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में ही झगड़ने लगे, जब उनमें से कुछ ने मुकेश नायक के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। घटना उस वक्त हुई जब कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा गुरुवार को दमोह से पवई विधानसभा के सिमरिया पहुंची. वहां पहले से मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुकेश नायक के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसके साथ ही उनके हाथों में 'मुकेश नायक मुर्दाबाद' जैसे नारे लिखी तख्तियां भी थीं। बताया जा रहा है कि स्थानीय कार्यकर्ता मुकेश नायक से नाखुश थे। उनकी मांग है कि पार्टी वहां से किसी स्थानीय कार्यकर्ता को मौका दे। दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हालांकि, पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। झड़प के दौरान अरुण यादव और सीपी मित्तल समेत कई बड़े नेता भी वहां मौजूद थे। मुकेश नायक बुन्देलखण्ड में जन आक्रोश यात्रा के सह प्रभारी भी हैं। अपने ही इलाके में इस पद्धति के विरोध के बीच नायक की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। कांग्रेस 19 सितंबर से पूरे राज्य में अपनी 'जन आक्रोश यात्रा' निकाल रही है। कांग्रेस पार्टी मौजूदा भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधने के उद्देश्य से 19 सितंबर से राज्य भर में 'जन आक्रोश यात्रा' निकाल रही है। भाजपा ने तंज कसते हुए कहा कि जन आक्रोश झेल रहे कांग्रेसियों ने एक-दूसरे पर निकाला आक्रोश। दूसरी ओर पूर्व सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आदिवासियों और महिलाओं पर अत्याचार में नंबर 1 है। ये आंकड़े मैं नहीं दे रहा हूं, ये केंद्र सरकार ने जारी किया है। ये हमारे प्रदेश की स्थिति है आज। प्रदेश का हर व्यक्ति या तो भ्रष्टाचार का गवाह है या इसका शिकार है। कोई भी निवेश करने को तैयार नहीं है। जब मैं कहता हूं कि छिंदवाड़ा आओ तो वे कहते हैं कि हम नागपुर जाएंगे क्योंकि यहां कोई भरोसा नहीं है।'

चंद्रबाबू नायडू की एफआईआर रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज, बढ़ाई गई दो दिनों की रिमांड

नई दिल्ली । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत ने कथित करोड़ों रुपये के आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम भ्रष्टाचार मामले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को दो दिनों के लिए अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को हिरासत में दे दिया है। आंध्र प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) पी सुधाकर रेड्डी ने कहा कि नायडू को राजमुंदरी सेंट्रल जेल में रखा जाएगा और जांच की जाएगी। रेड्डी ने कहा कि चंद्रबाबू की जांच करने वाले अधिकारियों की सूची भी अदालत को दी जानी चाहिए। हिरासत में पूछताछ की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को दी जाए. जांच से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो लीक नहीं होने चाहिए। राज्य विधानसभा में उनकी पार्टी के लगातार विरोध प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित होने के बीच एसीबी अदालत द्वारा नायडू की न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ाए जाने के कुछ घंटों बाद यह घटनाक्रम सामने आया। सूत्रों के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू, जो कथित कौशल विकास निगम घोटाले में गिरफ्तारी के बाद जेल में हैं, अपनी रिमांड सुनवाई के लिए वस्तुत: उपस्थित हुए। टीडीपी प्रमुख को मामले के सिलसिले में 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया गया था।

पंजाब में मादक पदार्थ-हथियारों की तस्करी से निपटने के लिए कांग्रेस-आप ने एकजुट प्रयास की अपील की

नईदिल्ली। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में सीमा पार से ड्रोन के जरिये मादक पदार्थों एवं हथियारों की तस्करी को लेकर लोकसभा में चिंता जताई और इस पर अंकुश लगाने के लिए एकजुट प्रयास करने की अपील की। कांग्रेस के जसबीर सिंह गिल और आप नेता सुशील कुमार रिंकू ने सदन में ''चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे राष्ट्र की अन्य उपलब्धियां'' विषय पर चर्चा के दौरान पंजाब की समस्या का उल्लेख किया। गिल ने कहा कि खाद्यान्न संकट से कभी जूझने वाला भारत, पंजाब के किसानों की मेहनत से खाद्यान्न अधिशेष वाला देश बन गया। उन्होंने कहा कि चारों तरफ खतरा मौजूद है, एक तरफ पाकिस्तान है तो दूसरी ओर चीन। उन्होंने कहा कि ड्रोन के जरिये पंजाब के भीतर मादक पदार्थों की तस्करी धड़ल्ले से जारी है और इससे निपटने के लिए एकजुट प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह सबकी जिम्मेदारी है। आप नेता रिंकू ने ड्रोन के जरिये पंजाब में हथियार की आपूर्ति किये जाने पर चिंता जताई और इससे निपटने के उपाय ढूंढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए कनाडा, लंदन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देश जाने वाले विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्रों को मान्यता दिये जाने में आने वाली समस्या से निजात पाने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार को स्वदेश में ही समान स्तर की शिक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि विदेश में खर्च होने वाली लाखों-करोड़ों की राशि दूसरे देश में ना जाये और विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या भी ना हो।

नोएड़ा में पशुओं को जहर देकर मारने वाला ठेकेदार गिरफ्तार, खुलासे में सामने आई ये वजह

नई दिल्ली। अपने गिरोह के सदस्यों से पशुओं को जहरीला पदार्थ खिलवाकर उन्हें मारने तथा उनके शव को उठाकर मोटी रकम कमाने के धंधे में शामिल एक ठेकेदार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। इसके दो साथियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। जारचा के थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात को पुलिस ने हापुड़ निवासी प्रदीप को गिरफ्तार किया। प्रदीप के पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। सिंह ने बताया कि प्रदीप अपने गिरोह के सदस्यों के जरिए पशुओं को जहरीला पदार्थ खाने में मिलाकर देता था तथा उनकी मौत होने के बाद उनके शव को उठाकर मीट बेचने का कारोबार करने वाले लोगों को बेच देता था।

भारत ने अपने पश्चिमी साझेदारों और मित्रों से संपर्क साधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या को लेकर कनाडा के साथ राजनयिक विवाद गहराने के बीच भारत ने कनाडा की धरती से बढ़ रही भारत-विरोधी तत्वों की गतिविधियों पर अपनी चिंताओं से प्रमुख पश्चिमी साझेदारों और मित्रों को अवगत कराया है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि कनाडा ने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से संबंधित मामले में भारत को कोई विशेष जानकारी मुहैया नहीं करायी है।

बागची ने मीडिया से बातचीत में कहा, ''इस मामले में कनाडा द्वारा कोई विशेष जानकारी (हमारे साथ) साझा नहीं की गई है। हम (इस मामले में) हमें प्रदान की गई किसी भी विशिष्ट जानकारी पर गौर करने को तैयार हैं।''

कनाडा में 18 जून को हुई निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता का आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए जाने के बाद से भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव आ गया है। भारत ने मंगलवार को इन आरोपों को 'बेतुका' और (निजी हितों से) 'प्रेरित' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया था।

इस मामले में कनाडा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित किए जाने के बाद भारत ने भी एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था। बागची ने कहा, ''हम इस मामले सहित विभिन्न मुद्दों पर अपने सहयोगियों/मित्रों के संपर्क में हैं। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। हम इसे किस रूप में देखते हैं, इसपर अपने रुख से अवगत करा दिया है।'' उनसे पूछा गया था कि क्या भारत ने कनाडा के साथ अपने राजनयिक विवाद से अपने करीबी साझेदारों/मित्रों को अवगत कराया है। ऐसी सूचना है कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका समेत अन्य देशों से संपर्क किया है और कनाडा में भारत विरोधी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया है।

ऊपर उद्धृत सूत्रों ने यह भी कहा कि भारत ने कनाडा के साथ राजनयिक विवाद पर अपने समग्र रुख से अपने प्रमुख मित्रों और भागीदारों को अवगत करा दिया है। बढ़ते राजनयिक तनाव के मद्देनजर भारत में अपने मिशनों की सुरक्षा को लेकर कनाडा की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर बागची ने कहा कि भारत अपने दायित्वों को बहुत गंभीरता से लेता है। उन्होंने कहा, ''हम निश्चित रूप से भारत में विदेशी राजनयिकों को पूरी सुरक्षा प्रदान करेंगे। हम कनाडा के अधिकारियों से भी उम्मीद करते हैं कि वे कनाडा में हमारे राजनयिकों के प्रति इसी तरह की संवेदनशीलता दिखाएंगे।

सनातन धर्म पर हमला करने वाली पार्टियों को 'इंडिया' गठबंधन से बाहर करें : प्रमोद कृष्णन

नई दिल्ली। संत प्रमोद कृष्णन ने सनातन धर्म पर हमला करने वाले नेताओं को रावण की संतान बताया और 'इंडिया' में शामिल पार्टियों से उन्हें विपक्षी गठबंधन से बाहर करने को कहा। कांग्रेस पार्टी से जुड़ाव रखने वाले कृष्णन ने यहां साधु-संतों से भेंट करने के बाद कहा, ''द्रमुक और समाजवादी पार्टी जैसे राजनीतिक दलों के नेता, जो सनातन धर्म को समाप्त करने की बात करते हैं, वे रावण के वंशज हैं। (इंडिया) गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं को अपने गुट से ऐसी पार्टियों को बाहर कर देना चाहिए।'' इस संबंध में उन्होंने कहा कि जो सनातन के खिलाफ हैं, वे भारत के खिलाफ़ है क्योंकि बिना सनातन के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''अब समय आ गया है कि यह तय होना चाहिये कि आप सनातन के साथ खड़े हैं या उसके विरोधियों के।'' साधु-संतों ने भी सनातन के खिलाफ बोलने वाले नेताओं की निंदा करते हुई उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। संतो ने ऐसे नेताओं के खिलाफ राजद्रोह के मुकदमे दर्ज करने और ऐसी पार्टियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की भी आलोचना की और कहा कि विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन में शामिल उनकी पार्टी को यह निर्णय लेना होगा कि वह रामायण और रामचरित मानस के साथ हैं या इनके विरोधियों के साथ। रामचरित मानस मुद्दे को जनवरी, 2022 में मौर्य ने ही छेड़ा था जब उन्होंने दावा किया था कि धार्मिक ग्रंथ के कुछ हिस्सों में समाज के एक बड़े वर्ग का जाति के आधार पर अपमान किया गया है।

राहुल गांधी का सरकार पर निशाना, बोले- सिर्फ ध्यान भटकने की हो रही कोशिश, पीएम मोदी ने ओबीसी के लिए क्या किया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद से महिला आरक्षण विधेयक पास होने के बाद राजनीति भी जारी है। भले ही लगभग सभी राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया है। लेकिन कहीं ना कहीं उनकी ओर से सवाल भी उठाए जा रहे हैं। इन सबके बीच आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि महिला आरक्षण को आज से ही लागू किया जा सकता है। लेकिन सरकार ऐसा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना से ध्यान भटकने की लगातार सरकार की ओर से कोशिश हो रही है। उन्होंने मांग की की नारी शक्ति वंदन बिल से दो प्रावधान जनगणना और परिसीमन को हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक बढ़िया है लेकिन हमें दो फुटनोट मिले कि जनगणना और परिसीमन उससे पहले करने की ज़रूरत है। इन दोनों में वर्षों लगेंगे।

उठाया ओबीसी का मुद्दा

कांग्रेस नेता ने कहा कि सच तो यह है कि आरक्षण आज लागू हो सकता है। यह कोई जटिल मामला नहीं है लेकिन सरकार ऐसा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे देश के सामने पेश कर दिया है लेकिन इसे अब से 10 साल बाद लागू किया जाएगा। कोई नहीं जानता कि यह लागू भी होगा या नहीं। यह ध्यान भटकाने की युक्ति है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि ऐसा क्या है जिससे आपका ध्यान हटाया जा रहा है? ओबीसी जनगणना से। मैंने संसद में एक संस्था के बारे में बात की, जो भारत सरकार चलाती है - कैबिनेट सचिव और सचिव...मैंने पूछा कि 90 में से केवल तीन लोग ओबीसी समुदाय से क्यों हैं?...मुझे समझ नहीं आता कि पीएम मोदी क्या बोलते हैं हर दिन ओबीसी की लेकिन उन्होंने उनके लिए क्या किया?

'पूर्ण बहुमत वाली सरकार बड़े फैसले लेती है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महिला आरक्षण विधेयक पारित होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की प्रतिबद्धता थी और उसने आज इसे पूरा कर दिया। उन्होंने कहा कि दशकों की बाधाएं थीं, लेकिन जब इरादा स्पष्ट होता है, तो ÷हम परिणाम देखते हैं÷। उन्होंने बिल के पक्ष में वोट करने के लिए सांसदों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सांसदों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर बिल का समर्थन किया। मोदी ने कहा कि मैं आज देश की सभी महिलाओं को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कल और परसों हमने एक नया इतिहास बनते देखा। हमारा सौभाग्य है कि करोड़ों लोगों ने हमें यह इतिहास बनाने का अवसर दिया है।

विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री का चयन 2024 लोकसभा चुनाव में जीत के बाद होगा : येचुरी

नालंदा (एजेंसी)। माकपा महासचिव, सीताराम येचुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ता में आने के बाद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की ओर से प्रधानमंत्री पद के लिए व्यक्ति तय किया जाएगा। पटना से करीब 120 किमी दूर राजगीर में पत्रकारों से बातचीत में येचुरी ने कहा, 'इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दल 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री के बारे में फैसला करेंगे। 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर गठबंधन के निर्वाचित सांसद प्रधानमंत्री का चुनाव करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सवाल पूछना उचित नहीं है कि 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलॉपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस) गठबंधन के लिए प्रधानमंत्री का चेहरा कौन होगा। येचुरी ने कहा कि 2004 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी यही सवाल उठाया गया था। 2004 के लोकसभा चुनाव में क्या हुआ, संप्रग सत्ता में आई और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने और वह 10 साल तक प्रधानमंत्री रहे। माकपा के राज्यस्तरीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में शामिल होने के बाद येचुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारी बारिश के बीच राजगीर, नालंदा (बिहार) के लोगों से माकपा में शामिल होने का आग्रह कर रहा हूं। आज भारत को बचाने की लड़ाई में शामिल होने के लिए सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया ताकि भाजपा को हराकर और राज्य की सभी 40 सीटों पर 'इंडिया' गठबंधन की जीत सुनिश्चित किया जा सके।

कावेरी जल विवाद : सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से इनकार के बाद कर्नाटक में तेज हो गया प्रदर्शन, तमिल बहुल इलाको में बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुरुवार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और विनियमन समिति के आदेशों में हस्तक्षेप करने से

इनकार करने के बाद कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन जारी रहा, जिसमें राज्य को तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था। किसान संगठनों और कन्नड़ समर्थक संगठनों ने कावेरी नदी बेसिन जिलों मैसूरु, मांड्या, चामराजनगर, रामानगर, बेंगलुरु और राज्य के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया और अपना गुस्सा व्यक्त किया और राज्य सरकार से पड़ोसी राज्य को पानी नहीं छोड़ने का आग्रह किया।

कर्नाटक का कहना है कि वह कावेरी बेसिन क्षेत्रों में खड़ी फसलों के लिए पीने के पानी और सिंचाई की अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि मानसून में कम बारिश के कारण पानी की कमी हो गई है। विरोध चित्रदुर्ग, बल्लारी, दावणगेरे, कोप्पल और विजयपुरा जैसे जिलों में भी फैल गया है। रायथा हितरक्षण समिति के तत्वावधान में किसानों ने मांड्या में सर एम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन जारी रखा। वे आज पुराने मैसूरु क्षेत्र, जो कावेरी बेल्ट भी है, में एक प्रमुख धार्मिक मदरसा, आदिचुंचनगिरी मठ के प्रमुख, निर्मलानंदनाथ स्वामीजी से जुड़े हुए थे।

साइंटिफिक सर्वे पर हाई कोर्ट ले फैसला, सुप्रीम कोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह परिसर सर्वेक्षण की याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने इस मुद्दे पर फैसला करने का अधिकार इलाहाबाद उच्च न्यायालय पर छोड़ दिया गया। हाई कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई कर रहा है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि हमें लगता है कि हमें अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है, खासकर अंतरिम में क्योंकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष बड़े पैमाने पर कई मुद्दे लंबित हैं।

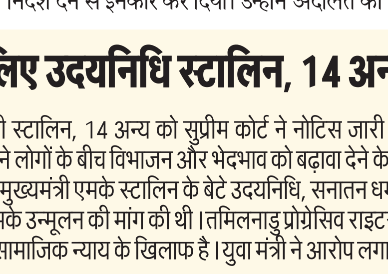

हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर लगभग 10 मुकदमे दायर किए गए हैं। 26 मई को हाई कोर्ट ने सभी मुकदमों की सुनवाई एक साथ करने का निर्देश दिया था। यह आदेश देवता की ओर से अगली मित्र (कानूनी प्रतिनिधि को इंगित करने वाला शब्द) रंजना अग्निहोत्री, एक वकील के माध्यम से दायर याचिका पर आया। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट ने सर्वेक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट कोर्ट में याचिका दायर की. ट्रस्ट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि 31 मार्च को मथुरा की एक अदालत ने सर्वेक्षण का निर्देश देने से इनकार कर दिया। उन्होंने अदालत को बताया कि वे बाद में उच्च न्यायालय चले गए, जिसने 10 जुलाई को मथुरा अदालत के आदेश में कोई अवैधता नहीं पाते हुए अपील खारिज कर दी। भाटिया ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय अपने 10 जुलाई के आदेश पर अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं कर सकता।

ईदगाह समिति ने अदालत को सूचित किया कि उच्च न्यायालय में सभी मुकदमों को समेकित करने के 26 मई के आदेश के खिलाफ एक अपील उच्चतम न्यायालय में दायर की गई है और विचाराधीन है। पीठ ने कहा कि यहां पक्षों के अधिकारों और तर्कों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, याचिका खारिज की जाती है...' इसमें कहा गया है कि यह उच्च न्यायालय को निर्णय लेना है कि वे किस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

सनातन धर्म पर टिप्पणी के लिए उदयनिधि स्टालिन, 14 अन्य को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली । सनातन धर्म पर टिप्पणी के लिए उदयनिदी स्टालिन, 14 अन्य को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। अपनी टिप्पणियों में उदयनिधि स्टालिन, जो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं। उन्होंने लोगों के बीच विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए %सनातन धर्म% को दोषी ठहराया था और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि, सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी के बाद विवादों में हैं। उन्होंने इसकी तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की और इसके उन्मूलन की मांग की थी। तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स एंड आर्टिस्ट एसोसिएशन की एक बैठक को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कहा कि सनातन समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। युवा मंत्री ने आरोप लगाया कि सनातन ने लोगों को जाति के आधार पर बांटा है।

चंद्रयान-3: चांद पर एक बार फिर टिकी सबकी निगाहें! अब कल जागेंगे विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में सभी की निगाहें चंद्रयान-3 मिशन पर है। इसमें आज विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को सक्रिय करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन ये प्रक्रिया आज नहीं हो सकी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को पुनर्जीवित करने की योजना शनिवार तक के लिए टाल दी है। अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक नीलेश देसाई ने कहा कि पहले हमने 22 सितंबर की शाम को (प्रज्ञान) रोवर और (विक्रम) लैंडर को फिर से सक्रिय करने की योजना बनाई थी, लेकिन कुछ कारणों से अब हम इसे कल 23 सितंबर को करेंगे। मिशन के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर, जो 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उस स्थान पर सफलतापूर्वक उतरे थे, जिसे अब 'शिव शक्ति प्वाइंट' के नाम से जाना जाता है, 23 सितंबर को फिर से सक्रिय होने के लिए तैयार हैं। चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक प्रयोग करने के बाद इस महीने की शुरुआत में रोवर और लैंडर को स्लीप मोड में डाल दिया गया था। रोवर को 2 सितंबर को स्लीप मोड में डाल दिया गया था, उसके बाद 4 सितंबर को लैंडर को स्लीप मोड में डाल दिया गया था। अपने परिचालन चरण के दौरान, विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर ने कई चंद्र प्रयोगों को अंजाम दिया। प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा की सतह पर 100 मीटर से अधिक की दूरी तय की, जिससे दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रमा की सतह में सल्फर (एस) की उपस्थिति की पुष्टि हुई। विक्रम लैंडर ने दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में निकट-सतह चंद्र प्लाज्मा वातावरण का अभूतपूर्व माप भी किया। इसरो ने शुरुआत में रोवर के लिए 300-350 मीटर की दूरी तय करने की योजना बनाई थी। हालाँकि, कुछ कारणों से रोवर अब तक केवल 105 मीटर ही आगे बढ़ पाया है। इसके बावजूद, मिशन ने अपने उद्देश्यों को पार कर लिया है, विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर हॉप परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो भविष्य के चंद्रमा मिशन और मानव अन्वेषण के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बाइडेन ने यूक्रेन के लिए की 325 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के लिए 325 मिलियन डॉलर के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है, जिसमें एयर डिफेंस पर ज?यादा फोकस रखा गया है।बाइडेन ने गुरुवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की वाशिंगटन यात्रा के दौरान पैकेज की घोषणा की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि पैकेज में काउंटर-एयरस्ट्राइक सिस्टम, दोहरे उद्देश्य वाले उन्नत पारंपरिक युद्ध सामग्री और एंटी-टैंक हथियार शामिल हैं। हालांकि, पैकेज में लंबी दूरी की एटीएसीएमएस मिसाइलें शामिल नहीं हैं जो 300 किमी दूर तक वार कर सके। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि जेलेंस्की ने इससे पहले यूक्रेन के लिए अधिक सहायता पर चर्चा करने के लिए बाइडेन, अमेरिकी कांग्रेस सदस्यों और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। यह पैकेज अतिरिक्त 24 बिलियन से अलग है जिसे बाइडेन चाहते हैं कि कांग्रेस कुछ रिपब्लिकन प्रतिनिधियों की आपत्ति के बावजूद यूक्रेन के लिए मंजूरी दे। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2022 से यूक्रेन को 43.9 बिलियन डॉलर की सहायता दी गई है। यूक्रेन को सहायता देना अगले वित्तीय वर्ष के बजट पर कांग्रेस के गतिरोध में मुख्य मुद्दों में से एक रही है, जिसके कारण 30 सितंबर के बाद अमेरिकी संघीय सरकार शटडाउन हो सकती है।

इंडोनेशिया का माउंट सेमेरू ज्वालामुखी फटा

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में सेमेरू ज्वालामुखी शुक्रवार को फट गया और उसमें से गर्म राख निकलने लगी। स्थानीय अधिकारियों ने लोगों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेमेरू ज्वालामुखी मॉनिटरिंग पोस्ट के अनुसार, ज्वालामुखी स्थानीय समयानुसार सुबह 9ः23 बजे फटा, जिससे क्रेटर से दक्षिण-पूर्व की ओर 700 मीटर दूर तक गर्म राख फैल गई। निगरानी चौकी के एक अधिकारी यादी यूलियांडी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'ज्वालामुखी के विस्फोट से दक्षिण-पूर्व और दक्षिण की ओर मोटी, भूरे रंग की राख फैल गई।' अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और इसके 13 किमी के दक्षिणपूर्वी क्षेत्र और शिखर के आसपास 5 किमी के दायरे में जाने से बचने का आह्वान किया है। समुद्र तल से 3,676 मीटर की ऊंचाई पर स्थित सेमेरू ज्वालामुखी खतरे के उच्चतम स्तर चार से नीचे तीसरे स्तर पर बना हुआ है। दिसंबर 2021 में इसके विस्फोट के कारण हजारों लोगों को घर छोड़कर भागना पड़ा था और 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

ताइवान का दावा, सीमा के पास नजर आए 24 चीनी सैन्य विमान

ताइवान के आसपास हाल की चीनी सैन्य गतिविधियां असामान्य नजर आईं। द्वीप के रक्षा मंत्री ने कहा कि ताइपे ने द्वीप के सामने वाले प्रांत में अभ्यास के अलावा उभयचर अभ्यासों को हरी झंडी दिखाई। ताइवान ने पिछले सप्ताह के दौरान ऐसी गतिविधि में वृद्धि की सूचना दी है, क्योंकि दर्जनों लड़ाकू विमान, ड्रोन, बमवर्षक और अन्य विमान, साथ ही युद्धपोत, पास में सक्रिय हैं। चीन लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपने क्षेत्र के रूप में देखता है। हाल के वर्षों में अपनी संप्रभुता के दावों पर जोर देने और ताइपे पर दबाव बनाने के लिए द्वीप के चारों ओर कई ऐसे अभ्यास किए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे की अवधि में उसने 24 चीनी वायु सेना के विमानों को ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश करते हुए पाया गया। यह एक नियमित पैटर्न का हिस्सा है। मंत्रालय द्वारा प्रकाशित मानचित्र के अनुसार, कम से कम 17 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर गए। मध्य रेखा पहले दोनों पक्षों के बीच एक अनौपचारिक बाधा के रूप में काम करती थी जब तक कि चीन की वायु सेना ने पिछले साल नियमित रूप से इसे पार करना शुरू नहीं किया।

हिरासत के छह साल बाद उइघुर स्कॉलर को आजीवन करावास की सजा

बीजिंग ।प्रसिद्ध उइघुर विद्वान राहिले दाउत को एक चीनी अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वॉयस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, कैलिफोर्निया में अधिकार समूह डुई फाउंडेशन ने घोषणा की कि चीनी सरकार के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि दाउत को कथित तौर पर राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। वह देश के सुदूर उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग प्रांत में उइघुर लोगों पर चीन की कार्रवाई का शिकार होने वालों में से एक है। उइघुर अधिकार समूहों के अनुसार, इस क्षेत्र में जातीय समूह के 300 से अधिक बुद्धिजीवियों को उनकी संस्कृति को नष्ट करने के प्रयास में हिरासत में लिया गया था। झिंजियांग विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और एक प्रसिद्ध बुद्धिजीवी दावुत पहली बार 2017 में गायब हो गए थे। उन पर अलगाववाद का आरोप लगाया गया था। हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं था कि उसे कब सजा सुनाई गई थी और अब जाकर ही किसी विश्वसनीय स्रोत ने उसकी सजा की पुष्टि की है। डुई हुआ फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक जॉन कैम ने वीओए के हवाले से कहा कि उइगरों के बीच, बुद्धिजीवियों और विद्वानों और प्रोफेसरों को बहुत उच्च सम्मान दिया जाता है। इसलिए जब आप उन पर प्रहार करते हैं, तो आप उइघुर संस्कृति के मूल पर प्रहार करते हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, मीडिया रिपोर्टों का अनुमान है कि प्रांत में लगभग 30 लाख लोगों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया और दस लाख से अधिक लोगों को सामूहिक पुनः शिक्षा शिविरों में रखा गया। उइघुर लोककथाओं, संस्कृति और विरासत पर केंद्रित दाउत की छात्रवृत्ति और उसकी आजीवन कारावास की सजा, उइघुर अधिकार समूहों का कहना है, उइघुर संस्कृति को नष्ट करने के चीन के इरादे को दर्शाता है।

स्वीडन के रेस्तरां में गोलीबारी, 2 की मौत, पुलिस जांच में जुटी

पूर्वी स्वीडन के एक रेस्तरां में गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए, पुलिस ने कहा कि यह आपराधिक गिरोहों के बीच बढ़ती हिंसा का हिस्सा प्रतीत होता है। स्वीडन हाल के वर्षों में गोलीबारी और बमबारी की लहर से हिल गया है जो पिछले महीनों में तेज हो गई है और लगभग दैनिक घटना बन गई है। पुलिस ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि स्टॉकहोम से 190 किलोमीटर उत्तर में छोटे से शहर सैंडविकेन में एक रेस्तरां में गोलीबारी के बाद कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया और दो की चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता मैग्नस जानसन क्लारिन ने स्वीडिश समाचार एजेंसी टीटी को बताया कि हम सैंडविकेन में अतीत में हुई गोलीबारी और हाल ही में हुई हिंसा के कनेक्शन की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संभवतः इसका संबंध आपराधिक माहौल से है, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि यह किस समूह के बारे में होगा। जानसन क्लारिन ने कहा कि पुलिस को संदेह है कि मृतकों में से एक को हमले का निशाना बनाया गया था, जबकि मारे गए अन्य तीन लोग संभवतः आकस्मिक रूप से अनपेक्षित शिकार थे।

घाना में अज्ञात बंदूकधारियों ने बसों पर की गोलीबारी, 9 की मौत

अकरा। पश्चिम अफ्रीकी देश घाना के ऊपरी पूर्व क्षेत्र में बसों पर अज्ञात बंदूकधारियों के एक समूह की गोलीबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुसिगा के जिला मुख्य कार्यकारी जुबेरू अब्दुलाई ने कहा कि लोगों पर उस समय हमला हुआ जब वे ऊपरी पूर्व क्षेत्र के एक अशांत शहरी समुदाय बावकू से पड़ोसी बुर्किना फासो के एक बाजार की ओर जा रहे थे। अब्दुलाई ने कहा, 'बावकू और उसके आसपास सशस्त्र हमलों के कारण व्यापारी पुलिस एस्कॉर्ट के साथ एक काफिले में थे, जब अज्ञात बंदूकधारियों ने अचानक पुसिगा के पास

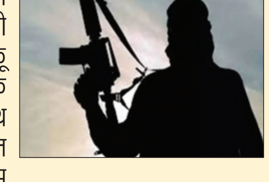

बसों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए।' सुरक्षा सेवाओं ने त्वरित प्रतिक्रिया दी और सुरक्षा कड़ी करते हुए हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

भारत को कोई विशेष छूट नहीं दी जाएगी, कनाडा के आरोपों पर अमेरिका ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपों को लेकर नई दिल्ली और ओटावा के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव के बीच अमेरिका ने को कहा कि वह भारत और कनाडा के साथ लगातार संपर्क में है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने संवाददाताओं से कहा कि मैं उन निजी राजनयिक बातचीत में शामिल नहीं होने जा रहा हूं जो इस विषय पर पहले ही हो चुकी हैं या होने वाली हैं। हम इस मुद्दे पर उच्च स्तर पर भारतीयों के संपर्क में हैं और रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन राजनयिक विवाद पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए चिंता का विषय है। इसे हम गंभीरता से लेते हैं। यह ऐसी चीज है जिस पर हम काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मामले में भारत को कोई विशेष छूट नहीं दी गई है।

कनाडाई प्रधान मंत्री टूडो ने सोमवार को प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया। नई दिल्ली ने दावों को बेतुका और प्रेरित कहकर सिरे से खारिज कर दिया और इस मामले में ओटावा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक निज्जर, जिसके सिर पर 10 लाख रुपये का नकद इनाम था, की 18 जून को पश्चिमी कनाडाई प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सुलिवन ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की अमेरिका की इच्छा आरोपों के बारे में चिंता व्यक्त करने की उसकी क्षमता को बाधित करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिडेन प्रशासन ने कनाडा के आरोपों को 'गंभीरता से' लिया है और वह ओटावा के साथ लगातार संपर्क में है।

फाइनेंशियल टाइम्स ने सुलिवन के हवाले से कहा कि हम अपने कनाडाई समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यों के लिए आपको कोई विशेष छूट नहीं मिलती है। देश चाहे जो भी हो, हम खड़े होंगे और अपने बुनियादी सिद्धांतों की रक्षा करेंगे। हम कनाडा जैसे सहयोगियों के साथ भी निकटता से परामर्श करेंगे क्योंकि वे अपने कानून प्रवर्तन और राजनयिक प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। जैसा कि मीडिया के एक वर्ग ने संकेत दिया है, सुलिवन ने इस मुद्दे पर अमेरिका और कनाडा के बीच मतभेद के विचार को दृढ़ता से खारिज कर दिया।

कनाडा में नफरत के लिए कोई जगह नहीं : सार्वजनिक सुरक्षा विभाग

ओटावा। कनाडा ने शुक्रवार को एक भड़काऊ ऑनलाइन वीडियो के प्रसार के बीच कहा कि देश में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। वीडियो में हिंदू कनाडाई लोगों को देश छोड़ने के लिए कहा गया है। जन सुरक्षा के लिए जिम्मेदार विभाग सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा ने कहा, 'वीडियो का प्रसार आक्रामक और घृणास्पद है, और यह सभी कनाडाई लोगों और हमारे मूल्यों का अपमान है।' एक्स पर एक पोस्ट में विभाग ने कहाः 'कनाडा में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। एक ऑनलाइन वीडियो का प्रसार जिसमें हिंदू कनाडाई लोगों को कनाडा छोड़ने के लिए कहा गया है, अपमानजनक और घृणास्पद है। यह सभी कनाडाई और उन मूल्यों का अपमान है जिन्हें हम बहुत महत्व देते हैं।' उसने लिखा, 'आक्रामकता, नफरत, डराने-धमकाने या डर पैदा करने वाली कार्रवाइयों के लिए इस देश में कोई स्थान नहीं है। ये केवल हमें विभाजित करने का काम करते हैं। हम सभी कनाडाई लोगों से एक-दूसरे का सम्मान करने और कानून के शासन का पालन करने का आग्रह करते हैं। कनाडाई अपने समुदायों में सुरक्षित महसूस करने के हकदार हैं।' यह वीडियो ऐसे समय में प्रसारित किया गया है जब भारत और कनाडा के संबंधों में राजनयिक विवाद गहरा गये हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री टूडो ने कनाडाई नागरिक और सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की जून ब्रिटिश कोलंबिया में हत्या में भारतीय खुफिया एजेंसी की संलिप्तता का आरोप लगाया है। निज्जर को 2020 में भारत द्वारा नामित आतंकवादी घोषित किया गया था।

भारत को उकसाना या परेशानी पैदा नहीं चाहता कनाडा

-पीएम जस्टिन ट्रूडो के तेवर पड़े नरम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। ताजा राजनयिक विवाद के बीच कनाडा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो कहा कि भारत को 'उकसाना या उसके लिए परेशानियां पैदा' करना नहीं चाहता है। भारत से उन्होंने खालिस्तानी चरमपंथी नेता की हत्या को बहुत गंभीरता से लेने और सच्चाई सामने लाने के लिए कनाडा के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया।

भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद पर सवालों के जवाब में ट्रूडो ने कहा कि 'हम भारत सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेने और इस मामले में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने, जवाबदेही तय करने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हमारे साथ काम करने की अपील करते हैं।' संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क में आए ट्रूडो ने कहा कि 'हम कानून के शासन वाले देश हैं। हम कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने और हमारे मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाना जारी रखेंगे। अभी हमारा ध्यान इसी पर है।' यह पूछे जाने पर कि क्या भारत द्वारा कनाडाई लोगों के लिए वीजा सेवाओं को निलंबित किए जाने के बाद उनकी सरकार कोई जवाबी कदम उठाएगी, ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार भड़काने या समस्या पैदा करने के बारे में नहीं सोच रही है।

ट्रूडो ने कहा कि 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का महत्व बढ़ रहा है और ऐसा देश है जिसके साथ हमें काम करते रहने की जरूरत है, और ऐसा सिर्फ क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर है। हम उकसाने या समस्याएं पैदा करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। लेकिन हम कानून के शासन के महत्व के बारे में स्पष्ट हैं और कनाडाई लोगों की सुरक्षा के महत्व पर भी स्पष्ट हैं।' उन्होंने कहा कि 'इसलिए हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वह मामले की सच्चाई सामने लाने और न्याय तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाएं स्थापित करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करे।'

इस मामले में कनाडा द्वारा एक भारतीय अधिकारी के निष्कासन के बदले में भारत ने एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। ट्रूडो से जब पूछा गया कि क्या इस मामले में उनके द्वारा सुझाए गए सबूत ठोस हैं, तो उन्होंने कहा कि 'मैं वही कह रहा हूं और वही दोहरा रहा हूं जो मैंने सोमवार दोपहर को कहा था। बेशक, ऐसे विश्वसनीय आरोप हैं जिन्हें हमें बेहद गंभीरता से लेने की जरूरत हैज' उन्होंने कहा कि 'हमारे पास एक कठोर और स्वतंत्र न्याय प्रणाली और मजबूत प्रक्रियाएं हैं जो अपनी परिपाटी का पालन करेंगी। हम भारत सरकार से इस मामले की सच्चाई सामने लाने के साथ हमारे साथ मिलकर काम करने की अपील करते हैं।' एक अन्य सवाल के जवाब में ट्रूडो ने कहा कि 10 सितंबर को नयी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'सीधी और स्पष्ट बातचीत' हुई थी। जिसमें उन्होंने अपनी 'चिंताओं को बिना किसी अनिश्चित शब्दों के' साझा किया था। ट्रूडो के ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता का आरोप लगाए जाने के बाद इस हफ्ते की शुरुआत में भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया।

भारत की 'असलियत' देखने में विफल रहे पश्चिमी देश : पाक पीएम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर ने कहा है कि कनाडा द्वारा एक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर, की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाने के बाद पश्चिमी देश 'भारत के दक्षिणपंथी नेतृत्व की वास्तविकता को देखने और महसूस करने में विफल' रहे हैं। निज्जर को 2020 में नई दिल्ली द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया था। विदेश संबंध परिषद में बोलते हुए, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री ने कहा, ÷नरेंद्र मोदी के हिंदू राष्ट्रवाद दृष्टिकोण से प्रेरित भाजपा की हिंदुत्व विचारधारा कनाडा में निज्जर की हत्या से जुड़ी हुई है।' पाकिस्तानी पीएम ने कहा, 'हिंदुत्व की ये विचारधाराएं इस तरह से प्रोत्साहित होती जा रही हैं कि वे क्षेत्र से बाहर जा रही हैं।' उन्होंने कहा, 'कनाडाई धरती पर सिंह की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या उस अशुभ प्रवृत्ति का प्रतिबिंब है।' प्रधान मंत्री काकर ने कहा कि इस मामले पर पश्चिम की ओर से 'गर्म प्रतिक्रिया' कनाडाई दावे के साथ समस्याओं के कारण नहीं है, बल्कि स्पष्ट आर्थिक और रणनीतिक कारणों से हैं। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री का बयान पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा भारत-कनाडा गतिरोध पर एक रुख अपनाने के बाद आया है, इसमें कहा गया है कि 'कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की भारत द्वारा हत्या अंतरराष्ट्रीय कानून और राज्य संप्रभुता के संयुक्त राष्ट्र सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है।' भारत में राज्येतर हत्याओं का नेटवर्क अब वैश्विक हो गया है।' 18 जून, 2023 को दो अज्ञात लोगों द्वारा एक सिख गुरुद्वारे के बाहर मारे गए निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया और राज्य की कथित संलिप्तता का खुलासा करने वाले कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के दावे के बाद भारत-कनाडा गतिरोध बढ़ गया है। हर गुज़रते दिन के साथ यह बढ़ता और तीव्र होता जा रहा है। कनाडा ने एक भारतीय खुफिया स्टेशन प्रमुख पवन कुमार राय को निष्कासित कर दिया, जबकि भारत ने उसी दिन एक कनाडाई शीर्ष राजनयिक को निष्कासित कर दिया। मामला लगातार बिगड़ता जा रहा है। दोनों पक्षों ने अपने नागरिकों को यात्रा सलाह जारी की है, अपने राजनयिकों की संख्या कम करने का फैसला किया है, जबकि भारत ने सभी कनाडाई नागरिकों को भारत का वीजा जारी करना रद्द कर दिया है। और चूंकि यूएनजीए में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व अंतरिम प्रधान मंत्री द्वारा किया जा रहा है; इस अवसर का उपयोग भारत को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है, न केवल जम्मू-कश्मीर के मुद्दे के संदर्भ में बल्कि भारत और कनाडा से संबंधित मामले पर भी। पाकिस्तान का कहना है कि अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी शक्तियां वर्षों से भारत को चीन की बढ़ती आर्थिक और क्षेत्रीय ताकत और स्थिति का मुकाबला करने के लिए एक स्वाभाविक सहयोगी के रूप में प्रोत्साहित कर रही हैं।

किम-पुतिन की हालिया बैठक के नतीजे पर चर्चा के लिए पोलित ब्यूरो की बैठक

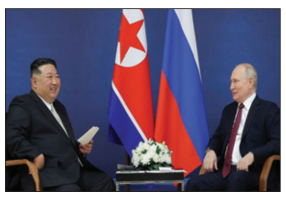

सोल (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी हालिया बैठक के नतीजे पर चर्चा करने के लिए शीर्ष अधिकारियों के साथ पोलित ब्यूरो बैठक की। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा, बुधवार को वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की पोलित ब्यूरो बैठक के दौरान अधिकारियों ने किम की रूस यात्रा के महत्व का विश्लेषण किया और अपने द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं पेश कीं। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि किम ने सभी क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने और उन्हें एक नए उच्च स्तर पर ले जाने के लिए 'रचनात्मक उपायों' के सक्रिय कार्यान्वयन का आह्वान किया। सहयोग के विस्तार और विकास के लिए 'दोनों देशों के प्रासंगिक क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ संपर्क और सहयोग को मजबूत करने' की आवश्यकता पर बल दिया। केसीएनए ने अधिक विवरण दिए बिना कहा, बैठक में किम द्वारा अपनी बाहरी गतिविधियों के माध्यम से हासिल की गई सफलताओं को व्यावहारिक और व्यापक रूप से लागू करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। समिति के विभाग निदेशक किम सोंग-नाम ने कहा कि हालिया यात्रा ने उत्तर कोरिया-रूस संबंधों को नए युग की मांग के जवाब में नए रणनीतिक स्तर पर ला दिया है और विश्व भू-राजनीतिक स्थिति में आमूलचूल परिवर्तन लाया दोनों नेताओं के बीच शिखर सम्मेलन पिछले बुधवार को रूस के सुदूर पूर्व में वोस्तोचन अंतरिक्ष केंद्र में हुआ था।

चीन और सीरिया का नया गठजोड़, 20 साल बाद बीजिंग पहुंचे असद

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को राष्ट्रपति बशर अल-असद के साथ बातचीत के दौरान सीरिया के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। सीरिया अपने तबाह मुल्क के पुनर्निर्माण में मदद के लिए वित्तीय सहायता की उम्मीद में है। नेताओं ने एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह की पूर्व संध्या पर मुलाकात की, जिसमें असद 2004 के बाद अपनी पहली चीन यात्रा के हिस्से के रूप में भाग लेंगे। चीन मध्य पूर्व के बाहर के उन चुनिंदा देशों में से एक है, जहां असद ने 2011 में गृह युद्ध शुरू होने के बाद से दौरा किया है। 2011 के सीरिया के गृह युद्ध में पांच लाख से अधिक लोग मारे गए, लाखों लोग विस्थापित हुए और सीरिया के बुनियादी ढांचे और उद्योग को नुकसान पहुंचा।

पश्चिम देशों द्वारा किनारे किए जाने वाले नेताओं की लिस्ट में असद नवीनतम हैं जिनका बीजिंग द्वारा स्वागत किया गया है। इस वर्ष वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो और ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के साथ-साथ शीर्ष रूसी अधिकारी भी दौरे पर आए हैं। चीनी राज्य समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके सीरियाई समकक्ष बशर अल-असद ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से चीन-सीरिया रणनीतिक साझेदारी की स्थापना की घोषणा की।

सीसीटीवी वीडियो में दिखाया गया है कि प्रत्येक नेता एक बड़ी आयताकार मेज पर नौ सहयोगियों के साथ मौजूद थे। बैठक कक्ष में एक चीनी पेंटिंग के सामने प्रत्येक देश के दो झंडे लगाए गए थे। शी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध अंतर्राष्ट्रीय परिवर्तनों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। चीनी नेता ने कहा कि बीजिंग विदेशी हस्तक्षेप का विरोध करने, एकतरफा बदमाशी का विरोध करने, राष्ट्रीय स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सीरिया का समर्थन करता है। सीरियाई राज्य समाचार एजेंसी सना के एक रीडआउट के अनुसार, असद ने कहा कि सीरियाई लोगों के साथ उनके हितों और उनके परीक्षणों में खड़े होने के लिए आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए वह चीनी सरकार को धन्यवाद देते हैं।

भारत-कनाडा का विवाद, पाकिस्तान की फसाद, खालिस्तानियों और आईएसआई के नापाक गठजोड़ का हुआ खुलासा, प्रदर्शन को लेकर बनाया ये प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान का आईएसआई खालिस्तानियों की मदद कर रहा है। आईएसआई खालिस्तान के साथ मिलकर तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान भारत-कनाडा का फायदा उठाने की फिराक में है। इसके लिए आईएसआई की तरफ से भड़काउ पोस्टर भी तैयार किए जा रहे हैं। कनाडा के ओटावा समेत दूसरे शहरों में स्थित भारतीय दूतावासों के सामने खालिस्तानियों के प्रदर्शनों में आईएसआई ने कनाडा में रह रहे पाकिस्तानियों को शामिल होने के लिए कहा है। आईएसआई ने अपने फरमान में पाकिस्तानियों से पहचान को छिपाकर खालिस्तानियों की भीड़ में शामिल होने के लिए कहा है।

पाकिस्तानियों को पहचान छिपा भीड़ में शामिल होने के निर्देश

आईएसआई चाहता है कि खालिस्तानियों की मदद के लिए पाकिस्तानी नागरिक अपनी पहचान छिपा कर प्रदर्शनों में शामिल हों, जिससे किसी को पाकिस्तानियों के इस भीड़ में शामिल होने का शक न हो। इसके साथ ही कनाडा में आईएसआई के एजेंट खालिस्तानियों की मदद के किये भारत के खिलाफ भड़काऊई पोस्टर और बैनर तैयार करने में भी खआलिस्तानियों की सहायता कर रहे हैं।

झूठे नैरेटिव गढ़ने में लगा

खालिस्तानी अलगाववाद की वकालत करने के इतिहास वाले सिख संगठन दल खालसा के विरोध प्रदर्शन का एक पुराना वीडियो व्यापक रूप से साझा किया गया था। कथित तौर पर यह विरोध टूडो के आरोपों की प्रतिक्रिया थी। 19 सितंबर को शाम 6 बजे के आसपास द इंटेल कंसोर्टियम नाम से संचालित होने वाले @IntelPk_ नाम के एक ट्विटर अकाउंट ने सबसे पहले इस पुराने वीडियो क्लिप को पोस्ट किया था, जिसमें अमृतसर में चल रहे विरोध प्रदर्शन का झूठा सुझाव दिया गया था। ट्वीट में दावा किया गया कि कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की दुखद हत्या के जवाब में अमृतसर में रॉ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। सिख जोश के साथ खालिस्तान के समर्थन में नारे लगा रहे हैं। प्रकाश कुमार भील उपनाम के तहत ट्विटर अकाउंट @Dalitofficial को यह दावा करने के बाद हटा दिया गया है कि राष्ट्रपति भवन में सिख सुरक्षा कर्मियों को बदल दिया गया था और भारतीय सेना ने सिख सैनिकों को छुट्टी के अनुरोध से इनकार कर दिया था।

THE PHOTON NEWS

वेलकम 3 को लेकर बेहद उत्सुक हैं लारा दत्ता

बॉलीवुड एट्रेस लारा दत्ता ने कई हिट फिल्मों में काम किया है। लारा अब अपनी अगली फिल्म वेलकम 3 की तैयारी में जुटी हुई हैं। यह वेलकम फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग है। इस फिल्म का नाम वेलकम टू द जंगल है। दर्शकों को वेलकम के अगले भाग का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में लारा दत्ता ने मल्टीस्टारर फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि यह बेहद ही रोमांचक होने वाला है। लारा दत्ता ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं यह बता नहीं सकती की कितने लोगों के संदेश आते हैं कि या हम सेट पर आ सकते हैं। यह बहुत ही अच्छा लगता है। जाहिर सी बात है कि मेरे और रवीना के बोर्ड पर आने के लिए, इस फिल्म का हिस्सा बनने से कुछ तो खास होना चाहिए। लारा इस फिल्म का हिस्सा बनने से बेहद खुश हैं। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है।

फिल्म में ये स्टार्स आएंगे नजर

बता दें कि वेलकम फ्रेंचाइजी की इस तीसरी फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी और परेश रावल भी नजर आएंगे। वेलकम 3 में इन स्टार्स के अलावा तुषार कपूर, जैकलीन फर्नांडीज, रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पटानी, वृहि कोदवारा, जाकिर हुसैन, शारिब हाशमी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, मीका सिंह, दलेर मेहंदी और यशपाल शर्मा भी दिखाई देंगे।

अगले साल दिसंबर में रिलीज होगी फिल्म

वेलकम टू द जंगल का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म के टीजर को दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिरोज नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इस फिल्म में पहली बार 24 कलाकार एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। अहमद खान इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

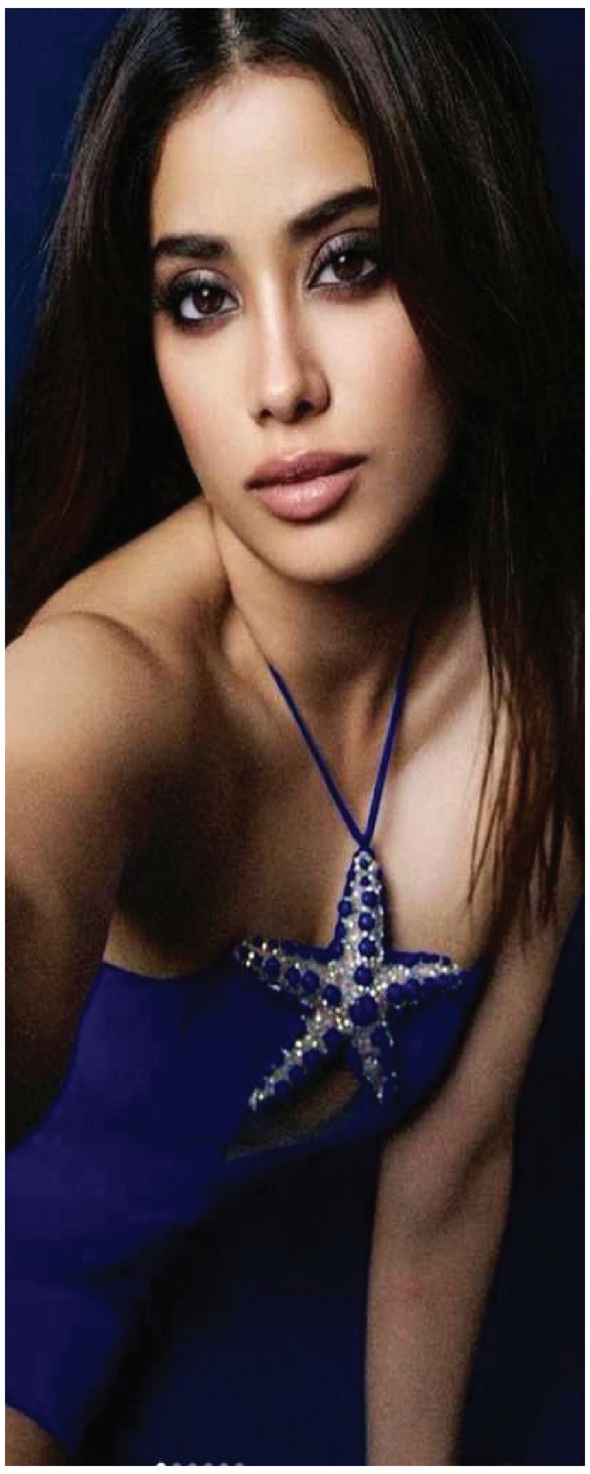

शॉर्ट ड्रेस पहन जाह्नवी कपूर ने गिराई हुस्न की बिजलियां

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फिल्मों से ज्यादा अपने हॉट एंड ग्लैमरस अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। चाहे वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल जाह्नवी हर आउटफिट में बेहद खूबसूरत दिखती हैं। हाल ही में जाह्नवी ने ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी ब्लू कलर की डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस स्टाइलिश आउटफिट में जाह्नवी का लुक बेहद गॉर्जियस लग रहा है। जाह्नवी ने खुले बालों, लाइट मेकअप और पैरों में हाई हिल्स के साथ अपने लुक को कम्प्लीट किया है। तस्वीरों में जाह्नवी जमीन पर बैठकर बेहद हॉट अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। जाह्नवी का यह बोल्ड अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट करके एक्ट्रेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। जाह्नवी कपूर आखिरी बार वरुण धवन के साथ फिल्म 'बवाल' में नजर आई थीं। जाह्नवी जल्द ही राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही', जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म 'देवरा' और फिल्म उलझ में नजर आने वाली हैं।

अब रियालिटी शो में किस्मत आजमाएंगी अंकिता लोखंडे

बिग बॉस 17 जल्द ही दर्शकों को एंटरटेन करने आ रहा है। ऐसे में फैंस शो के नए सीजन को लेकर काफी एसाइटेड हैं। वहीं अब शो के पहले कंफर्म कंटेस्टेंट का नाम सामने आ चुका है। खबरें हैं कि पवित्र रिश्ता एट्रेस अंकिता लोखंडेबिग बॉस 17 में एंट्री लेने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि एट्रेस ने इस बात की पुष्टि है कि वह शो का हिस्सा होने वाली हैं।

विक्की जैन के साथ बिग बॉस 17 में दिखेंगी अंकिता

अंकिता लोखंडे ने कहा है कि वह बिग बॉस 17 में बतौर कंटेस्टेंट जाने वाली हैं। ऐसे में वह बिग बॉस 17 की पहली कंफर्म कंटेस्टेंट बताई जा रही हैं। बता दें कि बिग बॉस 17 की थीम दिल दिमाग और दम है। कहा जा रहा है कि इस बार कपल और सिंगल दोनों बिग बॉस में घर में रहेंगे। ऐसे में अंकिता का नाम कपल के तौर पर सामने आया है। अगर ऐसा हुआ तो शो में अंकिता के साथ उनके पति विक्की जैन भी नजर आ सकते हैं।

अटूबर के पहले हते से शुरू हो सकता है बिग बॉस 17

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'बिग बॉस 17' अटूबर के पहले हते से शुरू होने के संभावना है। बीते दिनों मेकर्स ने शो का प्रोमो शेयर किया था। वीडियो में सलमान इस सीजन की थीम बताते नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा- इस बार का खेल दिल, दिमाग और दम से खेला जाएगा। हालांकि शो कब शुरू होगा अभी तक इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है।

बिग बॉस 17 के लिए सामने आए कई कंटेस्टेंट्स के नाम

बिग बॉस 17 के लिए अभी तक कई नाम सामने आ चुके हैं। कहा जा रहा है कि शो के इस सीजन में अंजुम फकीह, अर्जित तनेजा, ईशा मालविया, कंवर ढिल्लों, हर्ष बेनीवाल और मुनव्वर फारुखी जैसी हस्तियां आ सकती हैं। हालांकि, मेकर्स की तरफ से किसी भी कंटेस्टेंट को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई है।

'गणपथ: राइज ऑफ द हीरो' में कृति सेनन के पावर-पैक एक्शन अवतार से प्रभावित हुए जैकी भगनानी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म 'गणपथ - राइज ऑफ द हीरो' के प्रति अपनी अद्भुत प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ अपनी सीमाओं को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं। 20 अक्टूबर, 2023 को ग्रैंड रिलीज के साथ पूजा एंटरटेनमेंट मनोरंजन की दुनिया में एक नया मानदंड स्थापित करेगा। इस सिनेमाई कल्पनात्मक के पीछे का रचनात्मक दिमाग, जैकी भगनानी, जनता के सामने एक ऐसा दृश्य पेश करने को लेकर उत्साह से भरे हुए हैं जो इससे पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, 'गणपथ' के ताज का असली रत्न कोई और नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन हैं, जो एक रॉ और रग्ड एक्शन अवतार में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं, एक ऐसा दृश्य जिसे देश ने पहले कभी नहीं देखा। निर्माता जैकी भगनानी शानदार कलाकारों और कृति के एक्शन पावरहाउस के बारे में बात करते हुए कहा, गणपथ मेरे सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है, जो एक्शन और रोमांच से भरपूर मिश्रण का वादा करती है। दर्शकों के लिए हमारे पास जो शानदार रेविलेशन है वह है कृति सेनन का पावर-पैक एक्शन अवतार। उन्होंने कहा, कृति सेनन ने खुद को एक असाधारण परिवर्तन यात्रा में अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच 9 महीने के गहन प्रशिक्षण से गुजरते हुए, ननचुक्स चलाने की कला में महारत हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अपने चरित्र के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रेरणादायक है। 'गणपथ' टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन, दो शानदार प्रतिभाओं के बीच रोमांचक सहयोग का प्रतीक है, जो अपनी केमिस्ट्री और कौशल से स्क्रीन पर भूचाल मचाने का वादा करते हैं। टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की विशेषता वाले आकर्षक पोस्टरों ने पहले ही दर्शकों में प्रत्याशा की लहर बढ़ा दी है, जिससे वे और अधिक के लिए उत्सुक हो गए हैं। 'गणपथ- राइज ऑफ द हीरो' में अपनी भूमिका के प्रति कृति सैनन की अटूट प्रतिबद्धता उनके शिल्प के प्रति उनके दृढ़ संकल्प और जुनून के प्रमाण के रूप में खड़ी है।

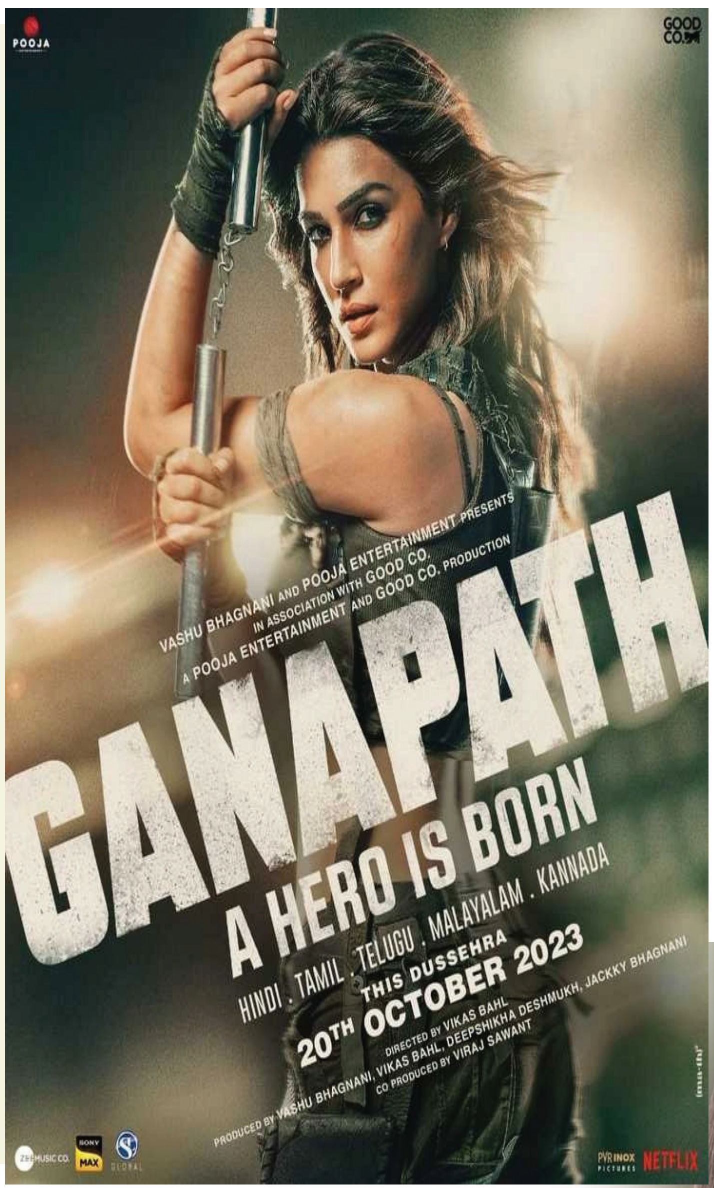

महिला आरक्षण बिल पर बोलीं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज कौर संधू, कहा- 'यह एक बड़ा फैसला है'

महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद लोकसभा ने आखिरकार महिलाओं के हित में एक नया कदम उठाया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से जाना जाने वाला यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें देगा। मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज कौर संधू ने महिला आरक्षण बिल पर अपनी राय देते हुए कहा, 'अभी जो बिल सरकार ने पास किया है, उसकी बहुत जरूरत थी और इससे महिलाओं को सशक्तिकरण मिलेगा। यह एक बड़ा फैसला है। मैं इसके लिए भारत को बधाई देना चाहती हूं।'

कंगना रनौत, ईशा गुप्ता, तमन्ना भाटिया और शहनाज गिल सहित अन्य बॉलीवुड हस्तियों ने बिल के संबंध में महिलाओं के लिए उठाए गए बड़े कदम की सराहना की। अनजान लोगों के लिए, हरनाज़ कौर संधू एक मॉडल, अभिनेत्री और सौंदर्य प्रतियोगिता की खिताब धारक हैं, जिन्हें मिस यूनिवर्स 2021 का ताज पहनाया गया था। वह 21 साल के लंबे अंतराल के बाद मिस यूनिवर्स जीतने वाली भारत की तीसरी हैं। संधू को पहले 2019 में फेमिना मिस इंडिया पंजाब का ताज पहनाया गया था और फेमिना मिस इंडिया 2019 प्रतियोगिता में सेमीफाइनलिस्ट के रूप में रखा गया था। उन्होंने 2021 और 2022 में दो पंजाबी फिल्मों में काम किया है, जिनमें यारा दियां पूं बारां और बाई जी कुट्टन गे शामिल हैं। वह 2019 में तारथली नाम के एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं।